राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 11
अंक : 303
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
रविवार 15 मई 2022
मूल्य : 1.50/-
नई दिल्ली से प्रकाशित
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 टाटा पावर–डीडीएल ने बिजली वितरण क्षेत्र में कौशल विकास और कारगर क्षमता निर्माण के लिए सीबीआईपी के साथ सहमति ज्ञापन पर

पेज 5 बहराइच में सड़क हादसा, स्कार्पियो और आल्टो भिड़ंत, तीन युवकों की मौत

पेज 7 श्रीलंका संकट : कर्फ्यू में 12 घंटे की ढील, नई कैबिनेट बनाएंगे विक्रमसिंघे

दिल्ली की बिल्डिंग में आग

29 लोग अब भी लापता

बढ़ सकता है मृतकों का आंकड़ा, बिल्डिंग मालिक हिरासत में

एजेंसी

नई दिल्ल। दिल्ली में शुक्रवार को मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास तीन मंजिला कमर्शियल बिल्डिंग में लगी आग से 27 लोगों की जलकर मौत हो गई। दमकल अधिकारी ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन खत्म हो गया है। उन्होंने दावा किया कि मरने वालों की संख्या बढ़कर 30 हो सकती है। टीम को घटनास्थल से कुछ अवशेष मिले हैं, जिनके शव होने का संदेह है। इसकी जांच कराई जा रही है। अगर संदेह सही साबित हुआ तो मृतकों की संख्या बढ़ जाएगी। अभी 27 लोगों की मौत की घोषणा की गई है, इनमें से 18 शवों की पहचान नहीं हो सकी है।हादसे में 15 लोग

गंभीर रूप से घायल हो गए।

29 लापता लोगों में 24 महिलाएं

दिल्ली अग्निकांड में अभी 29 लोग लापता बताए जा रहे हैं, इनमें 5 पुरुष और 24 महिलाएं हैं। बिल्डिंग में काम करने वाली सोनी कुमारी (35), तानिया (27), मोहिन पाल (38), पूजा (19), भारती देवी (42), गीता देवी (42), मधु देवी (29), मोनिका (21), यशोदा देवी (35), मुस्कान (22), स्वीटी (32), पूजा (19), मोहिनी (40), भारती नेगी (45), रंजू देवी (32), जसोदा देवी (34), मधु (21), पूनम (19), प्रीति (24), निशा कुमारी (18), मधु (24), गीता चौहान (45), सोनम (20), आशा (30), नरेंद्र (26), कैलाश जानी (55), प्रवीण (33), विशाल (24), अमित जानी (34) अभी लापता हैं। लापता लोगों की यह लिस्ट संजय गांधी हॉस्पिटल ने तैयार की है। यह लिस्ट उन लोगों की शिकायतों के आधार पर बनाई गई है, जो इस बिल्डिंग में काम करने वाले अपने परिजन की तलाश कर रहे हैं। पुलिस ने शुक्रवार की देर शाम इमारत के मालिक हरीश गोयल और वरुण गोयल को हिरासत में ले लिया।

अब देश के बाहर नहीं जाएगा गेंहू

भारत ने गेहूं के एक्सपोर्ट पर तुरंत प्रभाव से लगाई रोक, कीमत कंट्रोल करने के लिए सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। गेहूं के बढ़ते दामों को देखते हुए भारत ने इसके एक्सपोर्ट (निर्यात) पर तुरंत प्रभाव से बैन लगा दिया है। आधिकारिक नोटिफिकेशन के मुताबिक, भारत ने बढ़ती घरेलू कीमतों को नियंत्रित करने के उपायों के तहत गेहूं के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि, इसमें यह भी कहा गया है कि भारत सरकार द्वारा किसी दूसरे देश की खाद्य जरूरत के लिए निर्यात की अनुमति दी जाएगी। इसके अलावा वो गेहूं निर्यात किए जा सकेगा जिनके ICLC जारी हैं, या शिपमेंट के लिए तैयार हैं।

33 रुपए प्रति किलो के पार हुआ आटा

लगातार महंगे हो रहे गेंहू के चलते खुदरा बाजार में आटा महंगा होता जा रहा है। खुदरा बाजार में आटा का औसतन दाम करीब 33.14 रुपए प्रति किलो पर जा पहुंचा है। बीते एक सालों में आटा करीब 13 प्रतिशत महंगा हो चुका है। बीते साल 13 मई को आटा 29.40 रुपए प्रति किलो में मिल रहा था।

गेंहू की कीमतों में आने वाले दिनों में और तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

2021–22 के रबी सीजन में गेंहू का उत्पादन घटने का अनुमान है। सरकार ने खुद उत्पादन के अनुमान को घटा दिया है। इस वर्ष गर्मी के मौसम के जल्दी आने के चलते सरकार ने 111.32 मिलियन टन से उत्पादन के अनुमान को घटाकर 105 मिलियन टन कर दिया है।

भारत 69 देशों को गेहूं निर्यात कर रहा

इस रोक से पहले वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बताया था कि चालू वित्त वर्ष में गेहूं निर्यात 100 से 125 लाख टन को पार कर सकता है। इस बार गेहूं खरीदार देशों में नया नाम मिस्र का जुड़ा है। भारत अभी 69 देशों को गेहूं निर्यात कर रहा है। वित्त वर्ष 2021–22 में भारत ने 69 देशों को 78.5 लाख टन गेहूं निर्यात किया।

कांग्रेस ने इस कदम को किसान विरोधी बताया

कांग्रेस ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के कदम को किसान विरोधी करार देते हुए दावा किया कि सरकार ने गेहूं की पर्याप्त खरीद नहीं की जिस कारण ऐसी स्थिति पैदा हुई कि उसे निर्यात पर रोक लगानी पड़ी। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने संवाददाताओं से कहा कि मेरा मानना है कि केंद्र सरकार पर्याप्त गेहूं खरीदने में विफल रही है। ऐसा नहीं है कि गेहूं की पैदावार कम हुई है। यह कुल मिलाकर पहले की तरह है।

गुना पुलिसकर्मी हत्याकांड का एक और आरोपी ढेर

पहाड़ पर छिपे दूसरे शिकारी शहजाद को भी मार गिराया; मास्टरमाइंड का सुराग मिला

गुना। मध्यप्रदेश के गुना के आरोन में 3 पुलिसकर्मियों की हत्या के एक और आरोपी को पुलिस ने मार गिराया है। आरोपी का नाम शहजाद बताया जा रहा है। जो पहाड़ पर छिपकर बैठा था। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आरोन घटना के एक और अपराधी का एनकाउंटर हुआ है। आला अधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद हैं। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने ये भी बताया कि फरार मुख्य आरोपी की जानकारी भी पुलिस को मिल गई है। उसकी सर्चिंग जारी है। उन्होंने कहा कि अपराधियों का राजनीतिक संरक्षण भी जांच का बिंदु

है। इससे पहले पुलिस ने नौशाद मेवाती नाम के शिकारी को एनकाउंटर में मार गिराया था। पुलिस ने हिरासत में लिए आरोपी नौशाद के पिता को रिहा कर दिया है। नौशाद के पिता ने पुलिस को बताया कि उसके सीने में गोली लगी थी। वह सुबह नग्न हालात में घर पहुंचा था। इधर इस पूरी घटना के बाद आज नौशाद की भजीती का निकाह नहीं हो सका। बारात भी नहीं पहुंची। इससे पहले प्रशासन ने बिंदौरी गांव में आरोपियों के घर भी ढहाए है। सूत्रों की माने तो पुलिस ने आरोपियों से जुड़े करीब 13 लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि अभी आधिकारिक रूप से पुलिस ने किसी की गिरफ्तारी शो नहीं की है।

इधर इस मुठभेड़ को लेकर एक नया खुलासा हुआ है। शिकारियों ने बारातियों के स्वागत के लिए काले हिरण और मोर का शिकार किया था। दरअसल, पुलिस फायरिंग में मारे गए नौशाद की भतीजी का शनिवार को निकाह था, जिसमें मेहमानों को मीट परोसा जाना था। उसी के लिए शिकारियों ने काले हिरणों का शिकार किया था। रात में इन्हें लाते समय उनकी पुलिस से मुठभेड़ हो गई, जिसमें नौशाद नाम का आरोपी मारा गया। वहीं, तीन पुलिसकर्मी भी शहीद हो गए। घटना शनिवार तड़के 3 से 4 बजे के बीच की बताई जा रही है। पुलिस की जवाबी फायरिंग में शिकारी नौशाद मेवाती मारा गया। शहीद एसआई राजकुमार जाटव ने शहादत से पहले हाथ में गोली लगने के बाद भी कई राउंड फायर किए थे।

प्रधानमंत्री ने यूएई के नये राष्ट्रपति को दी बधाई

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आबूधाबी के शासक शेख मोहम्मद बिन ज़ायेद अल नाह्यान को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का नया राष्ट्रपति चुने जाने पर शनिवार को बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में भारत यूएई समग्र रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी। मोदी ने ट्विटर पर अपने संदेश में कहा,मेरी आबूधाबी के शासक शेख मोहम्मद बिन ज़ायेद अल नाह्यान को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का नया राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि उनके प्रभावशाली और विज़नरी नेतृत्व में हमारी समग्र रणनीतिक साझेदारी और भी मजबूत होगी।

राजधानी दिल्ली में आसमान से बरस रही आग, चिलचिलाती गर्मी के बीच पारा पहुंचा 47 डिग्री के पार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। झुलसा देने वाली गर्मी के बीच पारा हर दिन नया रिकार्ड बना रहा है। शनिवार को दिल्ली के सफदरजंग इलाके में अधिकतम तापमान 44.2 डिग्री दर्ज किया गया। इससे पहले 28, 29 और 30 अप्रैल को अधिकतम तापमान 43.3 डिग्री दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले कुछ दिनों में दिल्ली वालों को गर्मी से राहत मिलने के कोई आसार नहीं है। मौसम विभाग ने गर्मी को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है।

मौसम विभाग के मुताबिक अगले हफ्ते कुछ जगहों पर हल्के बादल लग

सकते हैं और तेज हवाएं चल सकती है जिससे दिल्ली वालों को आंशिक तौर पर गर्मी से थोड़ी देर के लिए राहत मिलेगी।

सफदरजंग के अलावा दिल्ली के नजफगढ़ इलाके में सबसे ज्यादा 46.1 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। गौरतलब है कि शुक्रवार को दिल्ली के जाफरपुर इलाके में 45.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। इसके अलावा मुंगेशपुर में 45.4 डिग्री और पीतमपुरा में 44.7 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था।

शनिवार को दिल्ली के कई इलाकों में पारा 43 डिग्री से 47 डिग्री के बीच रहा। दिल्ली के पालम में पारा 44.6 डिग्री, लोधी रोड़ में 44.4 डिग्री, आया नगर में 45.4 डिग्री, गुरुग्राम में 46.8 डिग्री, जाफरपुर में 45.8 डिग्री, मुंगेशपुर में 47.2 डिग्री, नजफगढ़ में 47.0 डिग्री, नोएडा में 45.1 डिग्री, पीतमपुरा में 46.4 डिग्री और मयूर विहार में 43.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

हरदोई में बस ने बाइक में मारी टक्कर

दो बहनों और बेटी समेत चार लोगों की मौत, बस में सवार दस यात्री घायल

एजेंसी

हरदोई। हरदोई–लखनऊ मार्ग पर एक दर्दनाक हादसा हो गया। संडीला के औद्योगिक क्षेत्र के साफइस्ट के निकट बस ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद बस पलट गई, जिससे बस में सवार दस यात्री घायल हो गए, जिसमें तीन घायल की हालत गंभीर होने पर सीएचसी में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि बाइक सवार संडीला की

मरने वालों में दो बहनें और एक बेटी

मृतकों की पहचान आशीष, सुषमा और सरला व रूही के रूप में हुई। आशीष बाइक चला रहा था जबकि सुषमा, सरला और रूही बाइक पर सवार थीं। बताया जा रहा है कि सुषमा

और सरला बहनें थीं। वहीं रुही सुषमा की बेटी है। मरने वाले हरदोई जनपद के ही निवासी थे।

बस में सवार 10 यात्री भी घायल

हरदोई से लखनऊ की ओर जा रही प्राइवेट बस ने संडीला के औद्योगिक क्षेत्र के साफइस्ट के निकट सामने से आ रही बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो महिलाओं, एक बच्चे और युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कुछ दूरी के बाद बस भी पलट गई। बस में सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई। ग्रामीणों ने बस से यात्रियों को बाहर निकाला और पुलिस को हादसे की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लेकर घायलों को सीएचसी भिजवाया। घायलों में चंद्रावती, उनके पति चंद्रपाल निवासी बड़ैत ओदरा नेवादा, रुकमणि निवासी बेंहदर कासिमपुर को भर्ती किया गया। चंद्रावती की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

तेज रफ्तार बनी हादसे का कारण

प्राइवेट बसों के चालक जल्दी पहुंचने के लिए तेज रफ्तार में चलते हैं, ऐसे में हादसा होने की संभावना बढ़ जाती है। संडीला में हुए हादसे के पीछे भी तेज रफ्तार ही कारण बताया जा रहा है।

देश में 24 घंटों के दौरान 3335 लोगों ने दी कोरोना को मात

पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 2858 नये मरीज सामने आये हैं

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान 3335 लोग कोरोना वायरस के से ठीक हुए हैं, जिसके बाद इस जानलेवा विषाणु को मात देने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 42576815 हो गयी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक 191 करोड़ 15 लाख 90 हजार 370 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 2858 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश के विभिन्न अस्पतालों में उपचार करवा रहे कोरोना रोगियों की संख्या 18 हजार 96 रह गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.04 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.59 प्रतिशत हो गयी है।

मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 3355 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 25 लाख

76 हजार 815 कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.74 प्रतिशत है देश में पिछले 24 घंटे में 4 लाख 86 हजार 963 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 84 करोड़ 34 लाख 31 हजार 758 कोविड परीक्षण किए हैं। वहीं कोविड–19 से 11 और लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर

केरल में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 70 बढ़कर 3,323 हो गये हैं। इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 344 बढ़कर 6473557 हो गयी जबकि मृतकों की संख्या 69355 पर पहुंच गयी।

मिजोरम में सक्रिय मामले 41 बढ़कर 260 हो गये हैं। इस दौरान राज्य में 22 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 227005 हो गयी। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 697 पर स्थिर है।

गुजरात में 23 सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 211 हो गयी है। पिछले 24 घंटों में यहां 12 लोगों के स्वस्थ होने से महामारी से उबरने वालों की संख्या 1213502 हो गयी है, जबकि मृतकों की संख्या 10,944 पर स्थिर है।

महाराष्ट्र में सक्रिय मामले 21 बढ़कर 1455 हो गए। वहीं 240 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 7731029 हो गयी है। राज्य में अब तक इससे 147853 लोगों की मौत हुई है।

तेलंगाना में पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामले 16 बढ़कर 418 हो गये हैं, जबकि मृतकों का आंकड़ा 4,111 पर स्थिर है। राज्य में कोरोनामुक्त लोगों का आंकड़ा 787997 पर पहुंच गया है। कर्नाटक में कोरोना के सक्रिय मामले 23 घटकर 1861 हो गये हैं जबकि 179 लोगों के स्वस्थ होने के बाद कोरोनामुक्त होने वालों की कुल संख्या बढ़कर 3907480 हो गयी है। मृतकों का आंकड़ा 40,105 पर स्थिर है। मध्य प्रदेश में दो सक्रिय मामले बढ़कर 232 हो गये।

कोविड टीकाकरण में 191.15 करोड़ टीके लगे

देश भर में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 191.15 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक 191 करोड़ 15 लाख 90 हजार 370 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 2858 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश के विभिन्न अस्पतालों में उपचार करवा रहे कोरोना रोगियों की संख्या 18 हजार 96 रह गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.04 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.59 प्रतिशत हो गयी है। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 3355 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 25 लाख 76 हजार 815 कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.74 प्रतिशत है। देश में पिछले 24 घंटे में 4 लाख 86 हजार 963 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 84 करोड़ 34 लाख 31 हजार 758 कोविड परीक्षण किए हैं।

नव संकल्प शिविर

सोनिया ने बुलाई बैठक, नेता बोले- यात्रा से बनेगा 2024 के लिए माहौल

दोबारा अध्यक्ष बन सकते हैं राहुल, देशभर में करेंगे यात्रा

जयपुर। उदयपुर में चल रहे कांग्रेस के चिंतन शिविर (नव संकल्प शिविर) में बुलाई गई एक बैठक में सभी नेताओं ने राहुल गांधी को फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने को लेकर मांग उठाई।

सूत्रों के अनुसार– नेताओं की मांग के बाद सोनिया गांधी ने सभी राज्यों के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों, प्रभारियों, प्रतिपक्ष के नेताओं की शनिवार को बैठक बुलाई। कल ष्ट्व्ङ्घष्ट की बैठक में भी राहुल को कमान सौंपने का मुद्दा उठ सकता है।

बैठक में सभी नेताओं ने आवाज उठाई कि राहुल को अध्यक्ष बनने के बाद देश भर की यात्रा पर निकलना

चाहिए। ये जन जागरण यात्रा सभी राज्यों में निकाली जाए। राहुल गांधी इस यात्रा के जरिए 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर सभी राज्यों में कांग्रेस के लिए माहौल बनाएं।

यात्रा को व्यवस्थित और असरदार बनाने के लिए एक रोडमैप तैयार करने की भी बात कही गई। गौरतलब है कि कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए अगस्त में चुनाव होने हैं। तय माना जा रहा है कि राहुल गांधी ही राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष होंगे। इसके बाद अक्टूबर से वे जन जागरण यात्रा शुरू कर सकते हैं।

उत्तर भारत सहित अन्य क्षेत्रों में नुकसान की भरपाई करने का प्रयास

नव संकल्प शिविर शुरू होने से पहले अटकलें लगाई जा रही थी कि शिविर में राहुल गांधी को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर चर्चा जरूर होगी।

कांग्रेस आलाकमान इन अटकलों को खारिज कर रहा था, लेकिन अब शिविर के दूसरे ही दिन तय हो गया है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर पार्टी राहुल गांधी को ही देख रही है। इतना ही नहीं उनकी देशयात्रा को लेकर भी मांग उठाई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि बैठक में यह बात इसलिए उठाई गई, क्योंकि उत्तर भारत में कांग्रेस का प्रभाव पिछले कई चुनावों से कम होता जा रहा है।

पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं में वापस ऊर्जा भरने के लिए राहुल गांधी की यात्रा जरूरी है। पिछले चुनावों में कांग्रेस को उत्तर प्रदेश, पंजाब, दिल्ली ही नहीं पश्चिम बंगाल, गोवा सहित उत्तर भारत और अन्य क्षेत्रों में भी काफी नुकसान हुआ है।

सभी नेताओं ने यात्रा को लेकर अपनी–अपनी बात कही। सोनिया गांधी ने इस संबंध में फिलहाल अपनी राय नहीं रखी है।

सैलून में हेयर ट्रांसप्लांट से मौत, दिल्ली हाईकोर्ट ने जतायी 'दिशा-निर्देश' की आवश्यकता

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने किसी विशेष चिकित्सक की देखरेख के बिना सैलूनों में गंजे लोगों के केश प्रत्यारोपण (हेयर ट्रांसप्लांट) में जानलेवा लापरवाही रोकने के लिए केंद्र सरकार से राष्ट्रीय स्तर पर एक %दिशा–निर्देश% तैयार करने की आवश्यकता जतायी है।

न्यायमूर्ति अनूप कुमार मेंदीरत्ता की एकलपीठ ने दिल्ली के रोहिणी निवासी 35 वर्षीय एक व्यक्ति की कथित तौर पर अयोग्य व्यक्ति द्वारा हेयर ट्रांसप्लांट के बाद मृत्यु के मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने हाल में अपने एक फैसले में सैलूनों में अवैध रूप से चल रहे हेयर ट्रांसप्लांट को रोकने के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार से ठोस उपाय करने का निर्देश दिया।

न्यायालय ने चिकित्सा मानकों की धज्जियां उड़ाते हुए कुकुरमुत्तों की तरह फैले ऐसे सैलूनों के खिलाफ ठोस कार्यवाई करने को कहा है ताकि ऐसी घटना भविष्य में न हो। न्यायालय ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को इस प्रकार की घटना की पुनरावृति रोकने तथा संबंधित सैलून के खिलाफ ठोस कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

एकल पीठ ने बिना किसी विशेषज्ञ चिकित्सक के हेयर ट्रांसप्लांट कराने के बढ़ते चलन पर केंद्र और दिल्ली सरकार को रोक लगाने के लिए ठोस उपाय करने के संबंध में स्थिति रिपोर्ट देने को कहा। उन्होंने दिल्ली की एक सैलून में बिना किसी विशेषज्ञ चिकित्सक की देखरेख के हेयर ट्रांसप्लांट कराने के बाद मृत्यु के एक मामले में चिंता व्यक्त व्यक्त करते हुए सरकार को निर्देश दिया है। न्यायालय ने त्वचा रोग विशेषज्ञ तथा विशेषज्ञ सर्जन की देखरेख में ही हेयर ट्रांसप्लांट कराना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

रोहिणी के 35 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपना हेयर ट्रांसप्लांट कराने के लिए एक सैलून को 30,000 रुपए दिये थे। आरोप है कि वहां इस काम में लापरवाही की गई।

शार्ट न्यूज

जम्मू के अरनिया सेक्टर में बीएसएफ ने ड्रोन पर दागी गोलियां

जम्मू। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सतर्क जवानों ने शनिवार को यहां अरनिया सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास देखे गए एक ड्रोन पर कुछ राउंड फायरिंग की। बीएसएफ के प्रवक्ता उप महानिरीक्षक (डीआईजी) एस.पी.एस. संधू ने हताया कि आज सुबह बीएसएफ के सतर्क जवानों ने एक चमकती रोशनी देखी और तुरंत अरनिया इलाके में उस पर गोलीबारी की। उन्होंने कहा, इसके कारण उड़ने वाली पाकिस्तानी वस्तु वापस लौट गयी। उन्होंने बताया कि इलाके में बीएसएफ और पुलिस के साथ संयुक्त तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सात मई को अरनिया सेक्टर में एक ड्रोन देखा गया था। वहीं बीएसएफ के अतिरिक्त महानिदेशक पश्चिमी कमान, चंडीगढ़, पी वी राम शास्त्री ने 10 मई को सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा के अग्रिम क्षेत्रों का भी दौरा किया था।

उडुपी में कृष्ण मठ पहुंची सीतारमण

उडुपी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शनिवार को सुबह उडुपी कृष्ण मठ पहुंची और श्री विद्यासागर तीर्थ स्वामीजी से आशीर्वाद लिया। श्रीमती सीतारमण कोल्लूर मूकाम्बिका मंदिर भी गईं और पूजा-अर्चना की। उनका आज शहर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने का कार्यक्रम है। वित्त मंत्री श्रीकृष्ण बालनिकेतन में विस्तार खंड और टीए पाई प्रबंधन संस्थान (टीएपीएमआई) के वार्षिक दीक्षांत समारोह का उद्घाटन करेंगी। यह संस्था मणिपाल शहर में स्थित एक निजी स्वायत्त बिजनेस स्कूल है, जिसकी स्थापना 1980 में हुयी थी। इसके बाद वह मंगलुरु के लिए रवाना होगी और रात आठ बजकर 40 मिनट पर बेंगलुरु के लिए उड़ान भरेगी। वह 15 मई को सुबह साढ़े नौ बजे कलेना अग्रहारा झील का दौरा करेंगी और भारतीय विद्या भवन में आयोजित वेदानंद गुरुकुल वैदिक दीक्षांत समारोह में शाम चार बजे से बजे से शाम छह बजे तक उपस्थित रहेंगी। श्रीमती सीतारमण रविवार को रात सात बजकर 40 मिनट पर बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दिल्ली के लिए रवाना होंगी।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुनील जाखड़ ने छोड़ी कांग्रेस

चंडीगढ़। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पंजाब के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने पार्टी की वर्तमान स्थिति पर रोष जताते हुए शनिवार को कांग्रेस छोड़ने की घोषणा की। श्री जाखड़ ने पार्टी की दशा और दिशा पर चिंता जताते हुए इस समय चल रहे कांग्रेस के चिंतन शिविर का उल्लेख किया और कहा, उदयपुर में जो कुछ भी हो रहा है उस को देखकर पार्टी पर तरस आ रहा है।उन्होंने फेसबुक लाइव पर इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा, कांग्रेस से नाता टूटा, मगर 50 साल का जो संबंध था उसकी टीस आज भी है । पार्टी के प्रति जहां (मन में) गुस्सा है वहां दर्द भी है। श्री जाखड़ ने कहा, पार्टी के लिए दिल की बात करने आया हूँ, यही कई सारे कार्यकर्ताओं के दिल की बात भी है। उन्होंने कहा कि 'चिंतन शिविर' का कार्यक्रम मात्र औपचारिकता है। आज समय पार्टी को बचाने का है, हम यह दिखा रहे हैं। पहले यह तय करें कि कांग्रेस को बचाएं कैसे। हर चीज के लिए कमेटी बन रही है, सबसे पहले उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की हार पर कमेटी बननी चाहिए।

धार्मिक स्थलों में यथास्थिति बनाए रखना जरूरी : चिदंबरम

उदयपुर, (राजस्थान)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने शनिवार को कहा कि देश में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए सभी धर्मिक स्थलों में यथास्थिति बरकरार रखी जानी चाहिए। चिदंबरम ने कांग्रेस के यहां चल रहे चिंतन शिविर में आर्थिक एजेंडे पर हुए विचार विमर्श के बाद संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल पर कहा कि देश में किसी भी पूजा स्थल की स्थिति को बदलने का कोई प्रयास नहीं किया जाना चाहिए। अगर कभी किसी धार्मिक स्थल की स्थिति बदलने की कोशिश होती है तो इससे बड़ा विवाद पैदा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे विवादों से समाज को दूर रखने के लिए ही पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव पूजा स्थल कानून लेकर आए थे। श्री राव के नेतृत्व वाली सरकार ने गहन सोच विचार के बाद पूजा स्थल कानून 1991 बनाया था और इस कानून में एक मात्र अपवाद राम जन्मभूमि मंदिर को रखा गया था। चिदंबरम की यह टिप्पणी उच्चतम न्यायालय द्वारा काशी ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के निरीक्षण पर रोक लगाने से इनकार करने के एक दिन बाद आई है। इस बीच कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णन ने ज्ञानवापी मस्जिद के संबंध में पूछे गए सवाल पर कहा कि कांग्रेस न्यायालय के किसी भी फैसले का सम्मान करती है।

कोरोना ने पुराने गुर्दा रोगी खत्म करने के साथ नये बढाए

चित्तौड़गढ। प्रख्यात गुर्दा रोग विशेषज्ञ डॉ. राज मांडोत ने कोरोना पर बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि कोरोना रोग के चलते 2020 से पूर्व देश में जितने गुर्दा रोगी थे उनमें से अब आधे रह गये हैं वहीं कुछ प्रतिशत नये रोगियों का बढ़ा है। डॉ. मांडोत ने आज यहां आयोजित होने वाले नि:शुल्क गुर्दा रोग परामर्श शिविर से पूर्व पत्रकारों को बताया कि देश में 55 वर्ष की आयु से अधिक वाले कुल गुर्दा रोगियों में से आधे से अधिक को कोरोना ने मौत की नींद सुला दिया जिसके चलते देश में गुर्दा रोगियों की संख्या में कमी आई है लेकिन साथ ही पोस्ट कोविड के चलते अब देश में गुर्दा रोगियों की संख्या बढ़ी है जिसमें अब ज्यादातर 40 वर्ष की आयु के व्यक्ति है। और इसी वजह से कई कोरोना रोगियों को पोस्ट कोविड बीमारियों में से गुर्दा से संबंधित बीमारियां भी हो गई है जिसका उन्हें पता ही नहीं है। अपने जीवन में करीब 1200 रोगियों का अब तक गुर्दा प्रत्यारोपण एवं पांच हजार से अधिक रोगियों को बायपास कर चुके डॉ. मांडोत ने बताया कि अनियमित जीवनशैली, व्यायाम यायाम के अभाव के चलते लोगों को रक्तचाप व शूगर जैसी बीमारियां घेर लेती है और इन्हीं के कारण गुर्दे में भी संक्रमण हो जाता है। उन्होंने इससे बचने के लिए नल का फिल्टर्ड पानी अथवा कुंएं तालाब का कपड़े से छानकर पानी पीना चाहिए जहां तक हो कथित मिनरल अथवा आरो पानी के सेवन से बचना चाहिए।

देश की अर्थव्यवस्था अत्यंत चिंताजनक हालत में पहुंच चुकी है : कांग्रेस

रांची। झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी की प्रवक्ता आभा सिन्हा ने कहा है कि देश की अर्थव्यवस्था अत्यंत चिंताजनक हालत में पहुंच चुकी है और इससे विकास की गति थम गई है तथा चारों तरफ महंगाई एवं बेरोजगारी का माहौल व्याप्त हो चुका है। सिन्हा ने आज यहां कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार ने कांग्रेस शासित राज्यों से दूरी बना लिए है, जिससे केंद्र और राज्य के बीच परस्पर विश्वास पूरी तरह से टूट चुका है और देश के आर्थिक हालत बहुत खराब हो गये हैं। पेट्रोल-डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं और बेरोजगारी चरम पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि देश के आर्थिक हालात इस कदर बिगड़ गए हैं कि उसे पटरी पर लाने के लिए नए सिरे से काम करने की जरूरत है। उनका कहना है कि सरकार आर्थिक हालत सुधारने के लिए विपक्ष को साथ लेकर चलने को तैयार नहीं है, लेकिन कांग्रेस अपने सुझाओं के साथ अर्थव्यवस्था में सुधार तथा लोगो को बदहाली की तरफ जाने से बचाने के लिए सरकार को हर स्तर पर सहयोग करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल के दौरान देश की अर्थव्यवस्था की विकास दर लगातार घट रही है, महंगाई अभूतपूर्व तरीके से बढ़ रही है और सरकार की गलत नीतियों के कारण महंगाई आसमान छू रही है। सरकार आर्थिक सुधारों के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा पा रही है, जिससे अर्थव्यवस्था की सेहत लगातार बिगड़ रही है। देश में श्रमिक शक्ति हिस्सेदारी की दर ऐतिहासिक रूप से गिरकर 40.38 प्रतिशत के निचले स्तर पर है, जबकि बेरोजगारी की दर 7.83 प्रतिशत पर पहुंच गई है। पिछले सात माह के दौरान 22 अरब डॉलर देश से बाहर गए हैं और डॉलर के मुकाबले रुपया 77.48 के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। सिन्हा ने कहा कि आर्थिक स्तर पर देश की जो स्थिति है, उसमें सुधार लाने के लिए आर्थिक नीतियों पर नए सिरे से काम करने की जरूरत है। देश में गरीबी तेजी से बढ़ी है और वैश्विक भुखमरी के सूचकांक में भारत 116 देशों में 101 वें स्थान पर पहुंच गया है।

पानीपुरी वाले बयान पर बोली शिवसेना

एक देश में एक भाषा जरूरी, हिन्दी का अपमान ठीक नहीं

मुंबई। हिन्दी भाषा को लेकर देश में मचा संग्राम एक बार फिर तेज हो गया है। तमिलनाडु के एक मंत्री का यह कहना कि हिन्दी बोलने वाले पानीपुरी बेच रहे हैं पर पलटवार करते हुए शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि किसी भी भाषा का अपमान नहीं होना चाहिए। एक देश एक भाषा की वकालत करते हुए राउत ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती लेनी चाहिए कि सभी राज्यों में एक भाषा होनी चाहिए। बता दें कि शिवसेना शुरू से ही महाराष्ट्र में मराठी भाषा का प्रतिनिधित्व करती रही है।

शनिवार को शिवसेना ने एक देश, एक भाषा की वकालत की। शिवसेना सांसद और मुख्य प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि हिंदी पूरे देश में बोली और स्वीकार की जाती है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती लेनी चाहिए कि सभी राज्यों में एक भाषा होनी चाहिए।

शिवसेना का यह बयान तब आया है जब एक दिन पहले तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री के पोनमुडी ने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि जो लोग पानी पुरी बेचने में लगे हैं वे हिंदी भाषी हैं। राउत ने कहा कि किसी भी भाषा का अपमान नहीं होना चाहिए।

दरअसल, इसकी शुरुआत पिछले महीने अमित शाह के एक बयान से हुई थी। पिछले महीने शाह ने अंग्रेजी के विकल्प के रूप में हिंदी की वकालत की और कहा कि यह भारत की भाषा होनी चाहिए। इस बयान की विपक्ष ने आलोचना की थी।

अप्रैल में, संसदीय राजभाषा समिति के अध्यक्ष अमित शाह ने सदस्यों को सूचित किया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल का 70 प्रतिशत एजेंडा अब हिंदी में तैयार किया जाएगा। गृह मंत्रालय के एक बयान में शाह के हवाले से कहा गया है कि राजभाषा को देश की एकता का अहम हिस्सा बनाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि जब अन्य भाषा बोलने वाले राज्यों के नागरिक आपस में संवाद करते हैं, तो यह भारत की भाषा में होना चाहिए। हिन्दी को अंग्रेजी के विकल्प के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए न कि स्थानीय भाषाओं के रूप में।

तमिलनाडु के मंत्री की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर राउत ने मुंबई में मीडियाकर्मियों से कहा, जब भी मुझे सदन में बोलने का मौका मिलता है तो मैं हिंदी का उपयोग करता हूं, क्योंकि देश के लोगों को सुनना चाहिए। हिंदी ही एकमात्र ऐसी भाषा है जो स्वीकार्यता है और पूरे देश में बोली जाती है।

झारखंड में पंचायत चुनाव के लिए मतदान

रांची। झारखंड में पंचायत चुनाव का पहला दौर जारी है और आज दोपहर तीन बजे तक वोट डाले जाएंगे। पहले चरण में 21 जिलों के 72 प्रखंडों की 1127 ग्राम पंचायतों में वोट डाले जा रहे हैं। कुल 14 हजार 79 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। पहले दो घंटे में ही करीब 17 फीसदी वोट पड़ चुके थे। राज्य निर्वाचन आयोग के रांची ऑफिस से मतदान को लेकर लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राधेश्याम प्रसाद ने कहा कि आज शांतिपूर्ण तरीके से मतदान जारी है। कुछ स्थानों पर छोटी समस्याएं आई थी, जिससे आयोग के अफसरों ने तत्काल दूर कर लिया। उन्होंने बताया कि चतरा और बोकारो जिले में दो से तीन निर्वाचन क्षेत्रों में वार्ड समिति के सदस्य का मतदान स्थगित किया गया है।

कश्मीरी पंडित और पुलिस कर्मी की हत्या के विरोध में प्रदर्शन जारी

श्रीनगर। कश्मीरी पंडित राहुल भट्ट और एक पुलिसकर्मी रियाज अहमद की हत्या के विरोध में शनिवार को तीसरे दिन भी यहां विरोध प्रदर्शन जारी रहा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने भी भट्ट और रियाज की हत्या के खिलाफ विरोध में श्रीनगर में आज प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान विरोधी नारे लगाए और प्रधानमंत्री से पाकिस्तान को एक और सबक सिखाने की अपील की।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कश्मीर में शांति कायम होने लगी है और कश्मीर घाटी का पर्यटन अपने पुराने फार्म पर लौट रहा है, वहीं पाकिस्तान और उसके शह में पल रहे आतंकवादी स्वयं के वजूद को जिंदा रखने के लिए राहुल और रियाज जैसे निर्दोष लोगों की हत्या जैसे कारनामों को अंजाम दे रहे हैँ। उल्लेखनीय है कि गत गुरुवार को भट्ट की बडगाम में तहसील कार्यालय परिसर में गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी और इसके दूसरे दिन पुलवामा में कांस्टेबल रियाज की भी ऐसे ही जान ले ली गयी। भट्ट की हत्या के विरोध में पंडितों के एक समूह का श्रीनगर में धरना जारी है। दूसरी तरफ बडगाम के शेखपोरा में पुलिस ने कश्मीरी पंडितों को प्रदर्शन की अनुमति देने से इंकार कर दिया। शेखपोरा में गुरुवार की घटना के बाद पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की टुकड़ी को तैनात किया गया है।

पंजाब : जेलों से चलने वाले काले कालोबार को खत्म करने की तैयारी, वीआईपी कल्चर का होगा सफाया : सीएम मान

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान लगातार एक्शन मोड में बने हुए हैं। मान ने अब राज्य की जेलों में वीआईपी सेल को खत्म करने का फैसला लिया है। साथ ही आप सरकार ने जेलों में मिलने वाले मोबाइल फोन पर सख्त पाबंदी लगा दी है। इस आदेश के बाद जेलों में तेजी से सर्च ड्राइव चलया जा रहा है। अब तक 710 मोबाइल जेल से बरामद हुए हैं।

सीएम मान यह पहले ही साफ कर चुके हैं कि जेलों में अब वीआईपी कल्चर नहीं अपनाया जाएगा। अब जेल के अंदर से कोई भी अपराधी मोबाइल के जरिए अपने काले कारोबार को बाहर

नहीं चला पाएगा। साथ ही इसे लेकर लापरवाही बरतने वाले कुछ अधिकारियों को सस्पेंड भी किया गया है।

आप सरकार ने कहा है कि अब सुधार घर असल मायनों में अपराधियों को सुधारेंगे और किसी भी तरीके की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

बंदूक कल्चर को बढ़ावा देने वालों को चेतावनी

इससे पहले भगवंत मान ने गुरुवार को उन गायकों को चेतावनी दी जो कथित तौर पर अपने गीतों के जरिए बंदूक संस्कृति को प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने इस तरह के चलन को अस्वीकार्य करार दिया और कहा कि इसमें शामिल लोगों से सख्ती से निपटा जाएगा। मान ने कुछ पंजाबी गायकों द्वारा बंदूक संस्कृति और गिरोहबाजी को प्रोत्साहन देने के चलन की निंदा की और उनसे आग्रह किया कि अपने गीतों के जरिये समाज में हिंसा नफरत और द्वेष फैलाने से बचें। मुख्यमंत्री ने ऐसे गायकों से पंजाब की संस्कृति और पंजाबियत का आदर करने और गीतों के माध्यम से समाज विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने की बजाय भाईचारे, शांति और समरसता के बंधन को मजबूत करने का आग्रह किया। आधिकारिक बयान में कहा गया कि मान ने गायकों से जिम्मेदारी के साथ सृजनात्मक भूमिका निभाने और पंजाब की सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने मादक पदार्थों के मुद्दे पर उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक में यह कहा।

देश में कोई मुस्लिम वोट बैंक नहीं, अगर ऐसा है तो बाबरी और ज्ञानवापी में ऐसा न होता: असदुद्दीन ओवैसी

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने ज्ञानवापी मस्जिद में सर्वेक्षण पर फिर मुस्लिम कार्ड खेला है। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में कभी भी मुस्लिम वोटबैंक नहीं था और समुदाय कभी भी देश के शासन नहीं बदल सकता है। अगर ऐसा होता तो बाबरी मस्जिद पर कोर्ट का आदेश आया वो नहीं हो पाता और अब ज्ञानवापी मस्जिद का मुद्दा सामने आया है।

दरअसल, असदुद्दीन ओवैसी की यह टिप्पणी वाराणसी की अदालत द्वारा ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वेक्षण की अनुमति देने के संदर्भ में आई है।

अधिकारियों ने काशी विश्वनाथ मंदिर के बगल में स्थित मस्जिद में अदालत द्वारा अनिवार्य सर्वेक्षण शुरू दिया है।

एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी ने कहा, मुसलमान देश में शासन नहीं बदल सकते।

आपको गुमराह किया गया है। मुसलमान हमेशा सोचते थे कि वे वोट बैंक हैं। लेकिन यह सच नहीं है, इस देश में कभी कोई मुस्लिम वोट बैंक नहीं था और न ही होगा।

ओवैसी आगे कहते हैं, भारत में एक बहुसंख्यक वोट बैंक रहा है और रहेगा। अगर हम एक शासन बदल सकते हैं, तो संसद में मुसलमानों का प्रतिनिधित्व कम क्यों होगा? अगर हम सरकार बदल सके... तो बाबरी मस्जिद पर कोर्ट का आदेश आया और अब ज्ञानवापी मस्जिद का मुद्दा सामने आया है।

ओवैसी ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी पर मुसलमानों को धोखा देने का भी आरोप लगाया। ओवैसी ने ज्ञानवापी मस्जिद में सर्वेक्षण पर वाराणसी की अदालत के फैसले को पूजा स्थल अधिनियम 1991 का घोर उल्लंघन बताया था। कोर्ट के फैसले के दिन लोकसभा सांसद ने यह भी कहा था कि वह एक और मस्जिद नहीं खोना चाहते हैं।

लेकिन यह पहली बार नहीं है जब ओवैसी ने मुस्लिम वोटों पर बात की है। उत्तर प्रदेश चुनाव प्रचार के दौरान एआईएमआईएम नेता ने मुसलमानों से वोट देने वाले के बजाय वोट आकर्षित करने वाले बनने का आग्रह किया था। उन्होंने प्रयागराज में एक रैली के दौरान कहा था, समाजवादी पार्टी (सपा) ने हमेशा मुसलमानों को उनके वोट के लिए इस्तेमाल किया है और उनके अधिकारों और विकास के लिए कभी काम नहीं किया है।

किसान को गुमराह करने की बजाए एमएसपी पर कानून बनाए सरकार

उदयपुर। कांग्रेस ने मोदी सरकार को किसान विरोधी करार देते हुए कहा है कि वह किसान की आय दोगुना करने की बात कर अन्नदाता को गुमराह करती है, इसलिए किसान को सीधा फायदा देने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानून बनाया जाना चाहिए।

कांग्रेस के उदयपुर में आयोजित नव संकल्प चिंतन शिविर में पार्टी की किसान संबंधी समिति के प्रमुख भूपेंद्र सिंह हुडडा, समिति के सदस्य प्रताप सिंह बाजवा, टी एस सिंहदेव, नाना पटोले, अखिलेश प्रसाद सिंह तथा शक्तिसिंह गोहिल ने यहां संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि चिंतन शिविर में किसानों से जुड़े मुद्दे पर प्रतिनिधियों ने कई सुझाव दिए और कहा कि किसानों के हितों को लेकर जो चिंतन मनन हुआ है उन सभी सुझावों को पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में पेश किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की आय दोगुना करने की बात करती है लेकिन सच्चाई यह है कि वह किसानों को सिर्फ गुमराह कर रही है। एमएसपी के जरिए किसान से इसके तहत 22 फसलें खरीदने का प्रावधान है लेकिन कितनी फसलें एमएसपी के तहत खरीदी जाती है यह सबको मालूम है। किसान से सिर्फ दो-तीन फसलों को ही एमएसपी के तहत खरीदा जाता है जो बहुत कम है और यह किसान के साथ धोखा है।

नई आबकारी नीति के विरोध में आप महिला विंग ने उपमुख्यमंत्री आवास के बाहर किया प्रदर्शन

सिरसा। हरियाणा सरकार की नई आबकारी नीति के तहत शहरी क्षेत्र में शराब की दुकानें चौबीस घंटे खोले जाने एवं शराब पीने की कानूनी आयु को 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष किए जाने के विरोध में शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) की सिरसा महिला इकाई ने उपमुख्यमंत्री दुष्यन्त चौटाला को शराब की बोतलें भेंट करने को लेकर रोष प्रदर्शन किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री चौटाला के आवास में घुसने पर प्रदर्शनकारी महिलाओं की वहां तैनात पुरूष और महिला पुलिस कर्मियों के साथ धक्का-मुक्की हुई। सुरक्षा के लिहाज से उप पुलिस अधीक्षक आर्यन चौधरी के नेतृत्व में भारी पुलिस बल तैनात कर अवरोधक लगाए गए थे। जिला समाज कल्याण अधिकारी सुरेश शर्मा को ड्यूटी मजिस्ट्रेट लगाया गया था। इससे पहले आप नेता दर्शन कौर, कविता नागर, ममता कम्बोज, कर्मजीत कौर और सोनिया के नेतृत्व में महिलाएं शहीद भगत सिंह स्टेडियम में एकत्रित हुई और शराब की बोतलें हाथों में लेकर रोष जाहिर करते हुए उपमुख्यमंत्री की ओर जानी लगीं। प्रदर्शनकारी महिलाओं को बाबा भूमण शाह चौक पर पुलिस द्वारा लगाए गए अवरोधक पर रोक लिया गया, जिसके विरोध में महिलाओं ने चौक पर ही बैठकर और हाथों में शराब की बोतलें लेकर काफी समय तक नारेबाजी करते हुए सरकार से नई आबकारी नीति को वापस लेने की मांग की। इसके कारण बरनाला रोड़ पर वाहनों का आवागमन रोक दिया गया जिससे लोगों को खासी परेशानी झेलनी पड़ी। पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों को उपमुख्यमंत्री निवास पर बढ़ने से रोकने पर कुछ महिलाएं पीछे की गली से उपमुख्यमंत्री निवास की तरफ चल पड़ीं जिससे पुलिस में हड़कंप मच गया।

आईआईएम के छात्रों का देश के विकास में अहम योगदान : सान्याल

नैनीताल/काशीपुर। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) काशीपुर के नौवें दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार संजीव सान्याल ने कहा कि आईआईएम के छात्र का देश के विकास में अहम योगदान रहता है। श्री सान्याल ने शुक्रवार को काशीपुर में आईआईएम के नौंवे दीक्षांत समारोह के कहा कि आईआईएम के छात्रों ने भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर के देशों में औद्योगिक विकास, सामाजिक क्षेत्र एवं नवाचार के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विभिन्न विविधताओं वाले देश में आईआईएम के छात्र अपने ज्ञान एवं अनुसंधान के माध्यम से नए-नए सोपान गढ़ रहे है, जिससे देश में आर्थिक संपन्नता एव नई पेशेवर तकनीकी को अपनाने में मदद मिल रही है। उन्होंने इस अवसर पर संस्थान के प्रतिभाशाली छात्रों को स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर आईआईएम काशीपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नंस के अध्यक्ष डॉक्टर संजीव सिंह ने कहा कि आईआईएम के छात्र बेहद कठिन प्रशिक्षण, व्यापक अध्ययन एवं प्रबंधन की नई प्रणालियों से सीख लेकर भारत के सामवेशी विकास में अपनी भूमिका अदा करेंगे। डॉ. सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा घोषित नई स्टार्ट-अप नीति से आईआईएम के छात्र देश में विविध स्टार्ट-अप को बढ़ावा दे रहे है जिससे कृषि, उद्योग, निवेश, ई-कॉमर्स और संस्थागत विकास जैसे विचारशील क्षेत्रों को व्यापक लाभ पहुंच रहा है। भारत जैसे विकासशील देश में बदलते सामाजिक, आर्थिक एवं नवाचार क्षेत्र में भारतीय प्रबंध संस्थान के छात्र निरंतर अपना योगदान दे रहे है। आईआईएम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के लिए संस्थान के शोधकर्ताओं का बहुत योगदान है। प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के साथ बेहतर रणनीति बना कर आईआईएम भारत के सामवेशी विकास में अपनी भूमिका अदा कर रहा है।

खासतौर पर डेटा आधारित विश्लेषण प्रबंधन की मांग भारत सहित सारी दुनिया में बढ़ रही है जिसे आईआईएम के छात्र पूरा करते हैं। दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए डॉक्टर सिंह ने कहा कि पिछले माह आईआईएम काशीपुर में एमबीए एनालिटिक्स के पहले बैच को शुरू किया गया था जिसे देशभर में जबरदस्त प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि हमारे संस्थान के पहले बैच में 95 छात्र शामिल हुए थे जिसमें छात्रों को विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने का औसतन नौ साल का अनुभव है।

आईआईएम काशीपुर में मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एनालिटिक्स) ईएमबीए और डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी जैसे उत्कृष्ट अकादमिक कोर्स का संचालन किया जा रहा है। इस वर्ष संस्थान में दो वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट, टू ईयर पोस्ट ग्रजुएट प्रोग्राम इन बिजनेस एनालिटिक्स, पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट फॉर एग्जीक्यूटिव्स और डॉक्टरेट ऑफ प्रोग्राम इन मैनेजमेंट के कोर्स में 374 छात्र पास हुए। अंकुर तुलस्यान को एमबीए में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। जबकि नेहा सक्सेना को एमबीए कोहोर्ट में रजत पदक एवं वरुण भार्गव को कांस्ट पदक से सम्मानित किया गया। एमबीए एनालिटिक्स में रोशन कुमार बिस्वाल और साक्षी पोद्दार को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

शौक पूरे करने के चक्कर में जम्मू-कश्मीर के तीन युवक गये जेल

एजेंसी

नैनीताल। जम्मू-कश्मीर के राजौरी के तीन युवक ज्यादा पैसा कमाने के चक्कर में सलाखों के पीछे चले गये। उत्तराखंड की रामनगर पुलिस ने तीनों युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मामला आनलाइन ठगी का है। नैनीताल पुलिस के अनुसार नौकरी के चक्कर में जम्मू कश्मीर से तीन युवक अलग अलग राजौरी से रूड़की के पिरान कलियर पहुंचे। इसी दौरान अब्दुल परवेज निवासी 12 पंजग्रेन, मुंजाकोट, राजौरी की पहचान तारीख अनवर मूल निवासी आरो, राजौरी, जम्मू कश्मीर व मो0 मुज्जमिल चौधरी निवासी गंभीर मुगला, मंजाकोट,

राजौरी से हो गयी। तीनों कमरा लेकर एक साथ रहने लगे और प्राइवेट नौकरी करने लगे।

मो0 तारीख व मो0 मुज्जमिल दोनों सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे तो अब्दुल परवेज मोबाइल चलाने में माहिर था। तीनों के शौक भी बड़े थे और तनख्वाह बेहद कम थी।

तीनों ने यहीं से ठगी की योजना बनायी। तीनों ने पहले जान पहचान के युवक से एक सॉफ्टवेयर खरीदा और उसे डेवलप कर ठगी के लिये उपयोग करने लगे।

तीनों शातिर किस्म के थे और पकड़ जाने के भय से अपनी पहचान छिपाये रखते थे। असली नाम की जगह लोगों को राहिल, जीशान, अजय, सुरेश अग्रवाल बताते थे। तीनों ने पहले रामनगर के मो0 अंजुम को फेसबुक से एक लिंक भेजा। उसने उसे उनके झांसे में आकर उसे क्लिक कर दिया और फिर उसे विश्वास में लेकर ठगी करनी शुरू कर दी।

जब इनके खाते में अच्छी खासी रकम हो गयी तो आरोपियों ने नंबर और लिंक बंद कर दिया। लोगों को जब ठगी का अहसास हुआ तो रामनगर के सैयद रियाज की ओर से 16 अप्रैल को रामनगर पुलिस को 17 लाख रुपये आनलाइन ठगी की शिकायत की गयी। साथ ही आरोपियों के नाम मो0 राहिल, मो0 जीशान व सुरेश अग्रवाल उर्फ अजय बताये।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की तो मामला कुछ और ही निकला। पुलिस को सबसे पहले कर्नाटक बैंक का एक खाता नंबर मिला। उसकी तस्दीक की तो वह पिरान कलियर का निकला।

इसके बाद आरोपियों की लोकेशन भी पिरान कलियर में ही मिली। पुलिस ने सबसे पहले अब्दुल परवेज को गिरफ्तार किया और उसके बाद ठगी की पूरी कहानी सामने आ गयी। पुलिस ने अब्दुल के दो अन्य साथियों को भी गिरफ्तार कर लिया।

पंजाब के स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियां एक से 30 जून तक

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के दिशा-निर्देशों पर शिक्षा विभाग की तरफ से 15 से 31 मई तक राज्य के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और प्राईवेट स्कूलों में आफलाइन मोड में कक्षाएं लगेंगी। सरकार ने स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियाँ एक से 30 जून तक करने का फ़ैसला किया है।

शिक्षा मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेअर ने शनिवार को यहां कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण पिछले दो साल स्कूलों में ऑफलाइन कक्षाएं न लगने से हुये पढ़ाई का नुकसान के कारण छात्रों और अभिभावकों की तरफ से बार-बार यह माँग की जा रही थी कि सरकार गर्मियों की छुट्टियाँ पहले की तरह ही करें और ऑनलाइन कक्षाओं से गुरेज़ करे। उन्होंने कहा कि अब 15 मई से 31 मई तक प्राइमरी स्कूलों का समय सुबह सात बजे से 11 बजे और मिडिल/हाई /सीनियर सेकंडरी स्कूलों में सात बजे से 12.30 बजे तक रहेगा।

मीत हेअर ने बताया कि अध्यापकों की ओर से फीडबैक मिला है कि 31 मई तक स्कूलों में पढ़ाई चलती रहे। उन्होंने कहा कि सभी तरफ से की जा रही माँग के मद्देनजर गर्मियों की छुट्टियाँ इस बार एक से 30 जून तक करने का फ़ैसला किया है।

राज्य सरकार की यही कोशिश है कि लोगों की राय के अनुसार ही फ़ैसले किये जायें।

शार्ट न्यूज

जगतपुरी थाना में डॉ अनिल गोयल जी ने लगाया नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

नई दिल्ली। जगतपुरी थाना कृष्णा नगर में गोयल हॉस्पिटल एंड यूरोलॉजी सेण्टर द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर लगाया गया। इस जाँच शिविर में फ्री ब्लड टेस्ट, बी पी, शुगर, जनरल बॉडी चेकअप एवं मुफ्त दवाई वितरित की गयी। इस अवसर पर डॉ अनिल गोयल जी ने कहा शिविर में 100 से भी ज्यादा लोगो ने नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का लाभ उठाया। लेकिन चिंता का विषय ये है की काफी लोगो में डायबिटीज़ और हाई ब्लड प्रेसर पाया गया इसलिए आगे भी फॉलो अप के लिए हमारे डॉक्टर्स देखते रहेंगे जिससे की किसी को डायबिटीज़, हाईपर टेंशन की कॉम्प्लीकेशन्स नहीं हो। हमारा ये मानना है डायबिटीज़, हाईपर टेंशन एक साइलेंट किलर है जो बहुत सारे ऑर्गन को डैमेज कर देता है। लिवर, हार्ट, स्किन इनके लिए जैसे ही आपको पता चले तुरंत निरंतर जाँच कराते रहना चाहिये। डॉ के अनुसार दवाइयाँ लेते रहे इससे आप स्वस्थ रहेंगे एवं आपके ऑर्गन डैमेज होने से बच जायेगे और घी नमक मीठा खाने से परहेज करेंगे तो आप अपने आप को ज्यादा समय तक स्वस्थ रख सकेंगे।

व्यापारियों के सभी हितों का ध्यान रखा जाएगा : जेपी

नई दिल्ली। सदर बाजार थाने से लेकर 12 टूटी चौक तक पार्किंग बनाए जाने के विरोध में फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा अध्यक्ष राकेश यादव, महासचिव, राजेंद्र शर्मा व कमल कुमार पूर्व महापौर व स्थानीय निगम पार्षद जयप्रकाश जेपी भाई से मुलाकात की और उन्हें पार्किंग से लेकर व्यापारियों होने वाली समस्या से अवगत कराया। इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने जेपी भाई को बताया कि इससे व्यापारियों में काफी रोष है एक तरफ तो ट्रैफिक जाम की समस्या बढ़ेगी दूसरी ओर यहां पर अपराधिक घटनाएं भी बढ़ेगी और व्यापारियों को माल लाने ले जाने में काफी मुश्किल का सामना करना पड़ेगा। सारी समस्या सुनने के बाद जेपी भाई ने फेडरेशन को आश्वासन दिया कि व्यापारियों के सभी हितों को ध्यान रखते हुए में उच्च अधिकारियों से बात करेंगे और पार्किंग की समस्या को हल कर कराएंगे क्योंकि सोमवार तक छुट्टियां हैं मंगलवार को इस बारे में कुछ ना कुछ हल निकालेंगे जिसमें व्यापारी और नगर निगम में आपसी तालमेल बना रहे।

सेक्टर-12 के शिमला पार्क में युवती से 3 युवकों ने किया गैंगरेप, दोस्त के संग घूमने गई थी पीड़िता

नोएडा। नोएडा सेक्टर-24 थाना क्षेत्र के सेक्टर-12 स्थित शिमला पार्क में तीन युवकों ने एक युवती से कथित रूप से गैंगरेप किया। पीड़ित युवती की शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी फरार है। सेक्टर-24 के थाना प्रभारी निरीक्षक ज्ञान सिंह ने बताया कि हरौला गांव की एक युवती ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि रंजीत नामक युवक शुक्रवार रात को उसे लेकर सेक्टर-12 स्थित शिमला पार्क में घूमने आया था, जहां पर बाद में उसके दो और दोस्त अमित व पंकज पहुंच भी गए। उन्होंने बताया कि पीड़िता का आरोप है कि तीनों ने उससे बारी-बारी से गैंगरेप किया। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने आरोपी रंजीत तथा पंकज को गिरफ्तार कर लिया है। अमित फरार है, पुलिस उसकी तलाश कर रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेजा है। बताया जा रहा है कि एक आरोपी युवती का परिचित था। पुलिस दोनों गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ करने के साथ ही उनके फरार साथी तलाश में दबिश दे रही है। पुलिस का कहना है कि उसे भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

यमुना एक्सप्रेसवे पर हादसे रोकने को बनेगी नई कार्ययोजना, अपनाए जाएंगे नए सुरक्षा उपाय

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे पर मई महीने में हुए दो बड़े हादसों के बाद सुरक्षा उपायों पर फिर से योजना बनेगी। इसमें तय लेन का पालन कराने, ओवरलोड वाहनों पर अंकुश, एंबुलेंस व पेट्रोलिंग वाहनों की बढ़ोतरी को शामिल किया जाएगा। इसके साथ ही जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। यमुना एक्सप्रेसवे प्रबंधन और यमुना प्राधिकरण मिलकर नए सिरे से कार्ययोजना बनाकर लागू करेंगे। यमुना एक्सप्रेसवे पर मई महीने में दो बड़े हादसे हुए। एक हादसे में सात और दूसरे हादसे में पांच लोगों की जान चली गई। इन हादसों की वजह आगे चल रहे ओवरलोड वाहन रहे। इन हादसों के लिए इन्हीं वाहनों को जिम्मेदार माना जा रहा है। इन हादसों के बाद यमुना एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा उपायों की फिर समीक्षा करने की जरूरत पड़ी है। यमुना एक्सप्रेसवे प्रबंधक और यमुना प्राधिकरण मिलकर नई कार्ययोजना बनाएंगे ताकि हादसों को रोका जा सके। यीडा सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंहने कहा कि यमुना एक्सप्रेसवे पर मई में दो बड़े हादसे हुए हैं। इन हादसों पर अंकुश लगाने के लिए कई उपाय किए जाएंगे। नई कार्ययोजना भी बना रहे हैं। लखनऊ में गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क सुरक्षा को लेकर बैठक की थी। इस बैठक में भी यमुना एक्सप्रेसवे का मुद्दा उठा था। मुख्यमंत्री को एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा के लिए किए गए उपायों को बताया गया। आगामी योजनाओं के बारे में भी बताया गया।

फरीदाबाद : डबुआ मंडी के बाहर पार्किंग कर्मचारियों ने महिला और युवक को पीटा, वीडियो हुआ वायरल

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद जिले की डबुआ मंडी के बाहर पार्किंग कर्मचारियों ने एक महिला और युवक को पीट दिया। महिला ने पार्किंग कर्मियों पर छेड़खानी का आरोप लगाया है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर छेड़छाड़ और मारपीट का केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार, फरीदाबाद में डबुआ मंडी के बाहर पार्किंग की पर्ची काटने को लेकर हुए विवाद विवाद हो गया था। इस दौरान पार्किंग कर्मचारियों ने एक महिला और युवक के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी। महिला ने पार्किंग कर्मियों पर छेड़खानी का आरोप लगाया है। डबुआ थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर छेड़छाड़ और मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने स्कूटी से चेन/मोबाइल लूटने वाले बदमाश को मुठभेड़ के उपरांत किया गिरफ्तार

नोयडा। थाना फेस-1 पुलिस ने शुक्रवार को मुठभेड़ के उपरांत स्कूटी से छिनैती/लूट करने वाले अभियुक्त फराज पुत्र मौहम्मद असलम निवासी ग्राम खायी खेड़ा थाना खायी खेड़ा जनपद अलीगढ को सेक्टर 14 के पीछे गंदे नाले की पुलिया के पास से गिरफ्तार कर लिया ।पुलिस मुठभेड़ में उपरोक्त अभियुक्त पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने लूटे हुए पाँच मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त एक स्कूटी और एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय एक कारतूस जिन्दा व एक कारतूस खोका बरामद किया है ।अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है ।अभियुक्त स्कूटी पर सवार होकर छिनैती/लूट आदि की घटनाओं को अंजाम देता था। अभियुक्त ने पुलिस द्वारा पकड़ने पर पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायर किया है ।गिरफ्तार उपरोक्त अभियुक्त के विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

टाटा पावर—डीडीएल ने बिजली वितरण क्षेत्र में कौशल विकास और कारगर क्षमता निर्माण के लिए सीबीआईपी के साथ सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड, उत्तरी दिल्ली की 7 मिलियन से ज़्यादा आबादी को बिजली की सप्लाई करने वाली अग्रणी पावर यूटिलिटी कंपनी, ने बिजली वितरण के क्षेत्र में क्षमता निर्माण ट्रेनिंग और कौशल विकास के लिए सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ इरीगेशन एंड पावर—सीबीआईपी के साथ सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस करार पर टाटा पावर—डीडीएल के चीफ़ एचआर, आईआर एवं हेल्थ सर्विसेज़, श्री सुबीर वर्मा और सीबीआईपी के निदेशक—एनर्जी, श्री संजीव सिंह ने नई दिल्ली में टाटा पावर—डीडीएल के सीईओ श्री गणेश श्रीनिवासन और सीबीआईपी के सचिव श्री ए.के. दिनकर की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए।

इस सहमति का मुख्य मकसद पावर सेक्टर के पेशेवरों को स्मार्ट ग्रिड, ग्रिड आटोमेशन, इलेक्ट्रिक व्हीकल और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, आईओटी, एआई एंड एमएल का ड्रोन टेक्नोलॉजी से इंटीग्रेशन आदि के बारे में उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रमों से कौशल विकास के अवसर देना है।

कस्टमाइज्ड आन साइट प्रोग्राम्स और कैलेंडर ट्रेनिंग प्रोग्राम्स के अलावा टाटा पावर—डीडीएल और सीबीआईपी स्मार्ट ग्रिड टैक्नोलॉजियों, इलेक्ट्रिक व्हीकल और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, रेनेवेबल एनर्जी, ग्रिड इंटीग्रेशन टैक्नोलॉजी और साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में संयुक्त शोध और विकास गतिविधियों पर भी काम करेंगे। इस सहयोग पर टिप्पणी करते हुए टाटा पावर—डीडीएल के चीफ़ एचआर, आईआर एवं हेल्थ सर्विसेज़, सुबीर वर्मा ने कहा, पावर सेक्टर आमूल परिवर्तन के दौर से गुज़र रहा है। हम टाटा पावर—डीडीएल में बदलते हुए वातावरण में ज्ञान एवं प्रतिभा के भंडार से पावर सेक्टर के समूचे तंत्र को मज़बूत करने के लिए वचनबद्ध हैं। हमें विश्वास है कि सीबीआईपी के साथ हमारा सहयोग इस सेक्टर के पेशेवरों के लिए बहुत लाभदायक साबित होगा, ज्ञान एवं श्रेष्ठ प्रथाओं के आदान-प्रदान के लिए एक मंच साबित होगा ।

इस साझेदारी के तहत उदीयमान टेक्नोलॉजी एवं श्रेष्ठ प्रथाओं के अनुसार सक्षमता हासिल करने में मदद करने वाले ट्रेनिंग प्रोग्राम डिज़ाइन किए जाएंगे। सीबीआईपी एक नॉलेज बैंक है और पावर, जल संसाधन एवं रिनिवेबल एनर्जी सेक्टर में तकनीकी ज्ञान के आदान प्रदान का प्रतिष्ठित संस्थान है।

सीबीआईपी के बारे में

सेंट्रल बोर्ड आफ इर्रिगेशन एंड पावर भारत सरकार द्वारा 1927 में स्थापित एक प्रमुख संस्थान है। सीबीआईपी देश के बिजली, जल संसाधन एवं रिनिवेबल एनर्जी सेक्टर में पिछले 90 साल से पेशेवर संगठनों, इंजीनियरों और व्यक्तियों को समर्पित सेवाएं देता आ रहा है। सीबीआईपी अंतरराष्ट्रीय महत्व का संस्थान बन चुका है और बड़ी विशेषताओं के साथ देश की सेवा कर रहा है। सीबीआईपी पावर और जल संसाधन क्षेत्र के 10 अंतरराष्ट्रीय संगठनों का भारतीय चैप्टर भी है।

आज सेंट्रल बोर्ड आफ इरीगेशन एंड पावर अपने क्षेत्र का चमकता हुआ उदाहरण है और उसने भारतीय उद्योग को अंतरराष्ट्रीय मानक हासिल करने में बहुत मदद की है। यह संस्थान बिजली, जल संसाधन एवं रिनिवेबल एनर्जी सेक्टर को विकास और प्रगति का अनूठा मंच देता है। और जानकारी के लिए देखें- http://www.cbip.org/inde&.asp&

टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड (टाटा पावर-डीडीएल) के बारे में

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार तथा टाटा पावर का संयुक्त उपक्रम है। कंपनी उत्तरी दिल्ली में करीब 70 लाख की आबादी के लिए बिजली आपूर्ति करती है। कंपनी ने देश की राजधानी में एटीएंडसी नुकसान में रिकॉर्ड कमी और सभी वर्टिकल्स में एडवांस्ड टैक्नोलॉजीज अपनाकर बिजली वितरण के परिदृश्य में व्यापक बदलाव लया है। यह देश की सबसे बड़ी एकीकृत बिजली कंपनी टाटा पावर और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार की सार्वजनिक-निजी साझेदारी वाली संयुक्त उपक्रम कंपनी है। निजीकरण के बाद से टाटा पावर-डीडीएल के इलाकों में एकीकृत टेक्निकल एंड कॉमर्शियल (एटीएंडसी) नुकसान में रिकॉर्ड कमी आई है। वर्तमान में एटीएंडसी नुकसान 7 प्रतिशत है, जिसमें जुलाई 2002 में 53त्न के शुरुआती नुकसान से 86त्न तक की अप्रत्याशित कमी आई है। बिजली वितरण के अलावा, टाटा पावर-डीडीएल देश-विदेश में पावर डिस्कॉम के लिए विभिन्न कंसल्टैंसी प्रोजेक्ट्स तथा क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रमों से भी जुड़ी है।

टाटा पावर-डीडीएल ने 2005 में अपना एक ट्रेनिंग सेंटर - सेनपीड भी स्थापित किया है और पिछले कुछ वर्षों में इसने खुद को देश के पावर डिस्ट्रिब्यूशन सैक्टर में पसंदीदा लर्निंग और डेवलपमेंट सेंटर के रूप में स्थापित किया है।

राहुल भट्ट की हत्या के बाद सड़कों पर उबाल में दिख रही सुखद चिंगारी

कश्मीरी पंडितों में दिखने लगा आत्मबल, अब माओवादी क्षेत्रों में भी आत्मबल की जरूरत : उपेन्द्र नाथ राय

कश्मीर के चंदूरा तहसील के कर्मचारी राहुल भट्ट की हत्या से पूरा माहौल गमगीन है। हत्या के बाद पूरी घाटी आक्रोश की आग में उबल पड़ी है। चारों तरफ धरना- प्रदर्शन हो रहे हैं। आफिस में ही आतंकियों द्वारा तड़ातड़ गोलियों से किसी पंडित की हत्या कर देना नि:संदेह सरकार के लिए चुनौती है, लेकिन लोगों का सड़कों पर उससे ज्यादा एक बड़ा संदेश यह भी है कि लोगों में दशकों बाद आत्मबल देखने को मिला। किसी कश्मीरी ब्राह्मण की हत्या पर लोग सड़कों पर उतरे और घाटी में इतना बड़ा प्रदर्शन होना यह नई पीढ़ी के लिए तो इतिहास की बात हो गयी थी। हां, आतंकवादियों के मारे जाने पर घाटी में जरूर पत्थर चलते देखा गया। उनके शव पर लोगों द्वारा एके-47 लहराते हुए जरूर देखा जाता रहा। इस बार किसी कश्मीरी पंडित की नृशंस हत्या पर यह आक्रोश देखने को मिला है।

हम इसे सरकार द्वारा लोगों में आत्मबल पैदा करने का परिणाम ही मानते हैं। इस दुखद समय के बीच एक सुखद चिंगारी दिख रही है, जिसमें भविष्य में घाटी का सुधार दिख रहा है। पिछले कुछ वर्षों से सरकार द्वारा कश्मीरी पंडितों को घाटी में बसाने का काम किया जा रहा है। इस बीच सरकार ने उन्हें तमाम सुविधाएं भी प्रदान की है। इससे कश्मीरी पंडितों में एक आत्मबल पैदा हुआ है। उन्हें ऐसा लगने लगा है कि सरकार उनकी है। उनकी आवाज सरकार तक पहुंचती है और वे उसके समर्थन में या खिलाफ में आवाज बुलंद करने की क्षमता रखते हैं। पहले यही नहीं था। कश्मीरी पंडितों को आजादी के बाद से कभी एहसास ही नहीं हुआ कि सरकार उनकी भी है। कहीं सुनवाई उनकी भी होगी, इस कारण अपनों की मौत को भी खुद खून का घूंट पीकर रह जाने को मजबूर थे। कभी उनकी आवाज नहीं सुनाई दी और वे अपनों को गंवाने के बाद खुद की जान बचाने के लिए देश के अन्य जगहों की ओर खिसक लिये।

यदि हम देश में पनप रहे आतंक व माओवाद की तुलनात्मक रूप से देखें तो सरकार को बस्तर, झारखंड, तेलंगाना के माओवाद क्षेत्रों में भी वही करने की जरूरत है, जो कश्मीर में कर रही है अर्थात वहां के स्थानीय लोगों में आत्मबल पैदा करना। जिस दिन सरकार वहां के स्थानीय लोगों में माओवादियों से लड़ने, उनके खिलाफ आवाज उठाने के लिए आत्मबल पैदा करने में सफल हो गयी, उस दिन माओवाद का खात्मा होना तय है।

मैं खुद उत्तर बस्तर जिले में रहकर देखा है, वहां के माओवाद पनपने का मुख्य कारण है, वहां के लोगों में आत्मबल का न होना है। माओवादियों से प्रताड़ित होते हुए भी लोग उनके खिलाफ आवाज बंद रखने के लिए मजबूर हैं। यदि आप बाहर से गये हैं, कहीं भी माओवादियों द्वारा लोग प्रताड़ित हुए हैं, आप लाख कोशिश करते रहिए लेकिन कोई उनके खिलाफ अपना मुंह खोलने को नहीं मिलेगा। इसका कारण है, मुंह खोलने का मतलब है, माओवादियों द्वारा हमेशा के लिए मुंह को बंद कर दिया जाएगा। इस कारण लोग मजबूर हैं, खून का घुंट पीकर, आंखों में आंसू लेकर यही कहते हैं भैया, हमें कहीं कोई माओवादी प्रताड़ित नहीं करता।

एक उदाहरण के तौर पर बता रहा हूं, कांकेर जिले के ही जिला मुख्यालय से लगभग 160 किमी दूर सीतरम इलाका है। वहां जाने के लिए नदी का पार करना पड़ता है। जब 2016 में हम उस इलाके में गये। नदी पार करते ही माओवादियों के गेट और उनके स्मारकों ने स्वागत किया। जब फोटो खिच रहे थे, तो आस-पास लोग संदेह भरी निगाहों से देख रहे थे, फिर जब उनसे बात करने की कोशिश की तो उनका यही कहना था कि भैया, यहां कोई माओवादी तंग नहीं करता, जबकि हकीकत है, उस इलाके में आज भी माओवादियों की पंचायत लगती है। उसी हिसाब से लोगों को रहना पड़ता है। पुलिस वहां के विवाद का फैसला नहीं करती। वहां के विवादों का फैसला माओवादी पंचायतों में होता है। इसका कारण है, पुलिस जब तक लोगों की सुरक्षा में पहुंचेगी तब तक माओवादियों के खिलाफ आवाज उठाने वाले के प्राण पखेरू उड़ चुके होंगे।

यदि यही लोगों को विश्वास हो जाए कि उनकी आवाज सरकार तक पहुंचेगी। सरकार उनको संपुर्ण सूरक्षा देगी। माओवादी उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकते। उस दिन से माओवादियों के खिलाफ मुंह बंद रखने वालों के मुंह खुलने लगेंगे और जिस दिन से माओवादियों के खिलाफ मुंह खुलने लगे, उस दिन से उनका सफाया होना सुनिश्चित हो जाएगा। ऐसा कुछ इलाकों में धीरे-धीरे हो भी रहा है, लेकिन सरकार द्वारा आत्मबल देने की गतिविधियां धीमी है। इस कारण माओवादियों क्षेत्रों के समाप्त होने की प्रक्रिया भी धीमी है। जरूरत है, लोगों में आत्मबल पैदा करने की।

दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में भीषण गर्मी और लू का अलर्ट जारी

नई दिल्ली । मौसम विभाग ने दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में एक बार फिर भीषण गर्मी और लू चलने को लेकर चेतावनी जारी की है। दिल्ली-एनसीआर और आसपास के राज्यों में पांच दिनों तक मौसम झुलसाने वाला रहेगा और अधिकतम तापमान 46 डिग्री के पार जा सकता है।

भारतीय मौसम विभाग ने वीकेंड में राजधानी दिल्ली के लिए भीषण लू की चेतावनी जारी की है क्योंकि दिल्ली में इन दिनों तापमान 40-46 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। मौसम विभाग ने कहा कि 14 और 15 मई को पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में अलग-अलग इलाकों में लू और भीषण लू की स्थिति बने रहने की संभावना है। इसी प्रकार 14 मई को उत्तर प्रदेश में 15 मई को कुछ अलग-अलग भागों में लू की स्थिति बनी रहेगी।

पंजाब और हरियाणा के लिए भी भीषण लू की चेतावनी जारी की गई है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और हरियाणा के कुछ हिस्सों के लिए रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

आईएमडी के मौसम विज्ञान महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने कहा कि तापमान इन दिनों सामान्य से बहुत अधिक है। उन्होंने बताया कि पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और विदर्भ में भीषण लू चल रही है। तापमान 40-46 डिग्री सेल्सियस के बीच है, जो सामान्य तापमान से ऊपर है।

महापात्रा ने बताया कि लू आज और कल जारी रहेगी और 15 मई की रात को उत्तर-पश्चिम भारत में पश्चिमी विक्षोभ के कारण 16 मई से धीरे-धीरे कम होगी। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के साथ-साथ उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। इसके बाद तापमान में कमी आएगी और लू में कमी आएगी।

गौरतलब है कि 1 मई को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बढ़ते तापमान के बीच गर्मी से संबंधित मुद्दों के प्रभावी प्रबंधन के लिए सभी जिलों में गर्मी से संबंधित बीमारियों पर राष्ट्रीय कार्य योजना का प्रसार करने का आग्रह किया था।

आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश ने मेरठ मण्डल के समस्त बॉण्ड अनुज्ञापियों बीआईओ अनुज्ञापियों एवं एफएल 2 के अनुज्ञापियों के साथ की बैठक

ग्रेटर नोएडा। आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में शनिवार को जनपद गौतमबुद्धनगर के कलेक्ट्रेट सभागार में मेरठ मण्डल के समस्त बॉण्ड अनुज्ञापियों बीआईओ अनुज्ञापियों एवं एफएल 2 के अनुज्ञापियों की बैठक हुई। बैठक में अधिक से अधिक राजस्व प्राप्त करने हेतु निम्नलिखित बिन्दुओं पर निर्देश दिये गये ।सभी एफएल 2 अनुज्ञापनों पर समस्त रजिस्टर्ड ब्राण्ड की मदिरा की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। बीयर के बॉण्ड अनुज्ञापियों को निर्देशित किया गया कि वो बीयर की आपूर्ति सुनिश्चित करें। आगामी वर्षों में बीयर की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए माह जनवरी में ही ब्राण्ड रजिस्ट्रेशन एवं अग्रिम भण्डारण के लिए निर्देशित किया गया। उत्तर प्रदेश में नए बॉण्ड अनुज्ञापन के आवेदन हेतु अनुज्ञापियों को प्रोत्साहित किया गया ।उत्तर प्रदेश में रजिस्टर्ड समस्त ब्राण्डों की बिक्री सुनिश्चित करने के लिए रिटेल पर सभी ब्राण्डों की उपलब्धता बढ़ाने के निर्देश दिये गये है ।रिटेल पर समस्त ब्राण्डों की मदिरा की उपलब्धता एवं प्राइस लिस्ट ग्राहक की पहँच में होना चाहिए ।थोक अनुज्ञापियों एवं रिटेलरो द्वारा कुछ ही ब्राण्ड्स का प्रमोशन नहीं किया जाना चाहिए। बल्कि उपलब्ध सभी ब्राण्ड की बिक्री के लिए प्रयास किया जाय ।बैठक में संयुक्त आबकारी आयुक्त मेरठ जोन मेरठ, उप आबकारी आयुक्त मेरठ प्रभार मेरठ, जिला आबकारी अधिकारी, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, मुरादाबाद, मेरठ मण्डल के सभी बॉण्ड/थोक अनुज्ञापन के आबकारी निरीक्षक एवं जनपद गौतमबुद्धनगर के सभी क्षेत्रीय आबकारी निरीक्षक उपस्थित रहे।

प्रदूषण के खिलाफ़ केजरीवाल सरकार की मुहीम हुई तेज़, 1 जून से दिल्ली सचिवालय में सिंगल यूज़ प्लास्टिक उत्पादों पर लगेगा बैन : गोपाल राय

दिल्ली सचिवालय में 1 जून से प्रयोग में नहीं लाये जाएँगे यूज़ एंड थ्रो वाले पेन और पानी की बोतलें

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने प्रदूषण के खिलाफ़ केजरीवाल सरकार की मुहीम के बारे में एक और महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि 1 जून से दिल्ली सचिवालय में सिंगल यूज़ प्लास्टिक उत्पादों पर बैन लगाया जाएगा। इसके अंतर्गत पहले चरण में दिल्ली सचिवालय के कार्यालय में यूज़ एंड थ्रो वाले पेन और पानी की बोतलों पर बैन लगाया जाएगा। साथ ही सिंगल यूज़ प्लास्टिक से बने बैनर्स, पोस्टर्स और खाने के लिए प्रयोग होने वाली कटलरी पर भी पूर्ण रूप से बैन लगाया जाएगा। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व में पर्यावरण विभाग प्रदूषण के विरुद्ध हर उचित कदम उठा रही हैं । दिल्ली में बढ़ रहे प्रदूषण के खिलाफ़ समर एक्शन प्लान की भी शुरुआत विभाग द्वारा की गई हैं । ऐसे में प्रदूषण को बढ़ावा देने में सिंगल यूज़ प्लास्टिक भी एक एहम भूमिका निभाता हैं। सिंगल यूज़ प्लास्टिक जैसे प्लास्टिक के री-कांटे, स्ट्रॉ, पॉलिथिन, प्लास्टिक गिलास इत्यादि जो फेंक दिये जाने पर पुन: उपयोग में नहीं लाये जा सकते हैं। ऐसे में कई बार लोग इसे खत्म करने के लिए, जमीन में दबा या जला कर इसे नष्ट करने की कोशिश करते हैं जोकि वायु, जल और भूमि प्रदूषण के लिए गंभीर खतरा भी हैं। साथ ही वज़न में हलके होने के कारण कई बार यह देखा गया हैं की यह इधर उधर उड़ कर आसपास की सीवेज या जल निकासी प्रणाली के चोकिंग का कारण बनता है। जो जल जमाव की समस्याओं को भी बढ़ावा देता हैं।

उन्होंने बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं के उपयोग को रोकने के लिए जागरुकता अभियान जरूरी है ।इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए सरकार ने यह निर्णय लिया हैं कि दिल्ली सचिवालय के सभी कार्यालयों में 1 जून से सिंगल यूज़ प्लास्टिक से उत्पादित सभी वस्तुओं को बैन किया जाएगा। एक बार ही उपयोग में आने वाले पेन और पानी की बोतलों और सिंगल यूज़ प्लास्टिक से बने बैनर्स, पोस्टर्स और खाने के लिए प्रयोग होने वाली कटलरी पर पूर्णत: बैन लगाया जाएगा।

मेटल,बाँस,पेपर,मिट्टी से बनी वस्तुओं के प्रयोग पर जोर दिया जाएगा

इसके अन्य विकल्पों के बारें में जानकारी देते हुए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आगे कहा कि एक बार प्रयोग में आने वाली पानी की बोतलों और खान की कटलरी की जगह अब से बाँस, ग्लास , मेटल या पेपर से बनी कटलरी को प्रयोग में लाया जाएगा। सिंगल टाइम यूज़ पेन की जगह पुर्नप्रयोग में आने वाले जेल/बॉल या इंक पेन का प्रयोग किया जाएगा। साथ ही प्लास्टिक के बैनर्स और पोस्टर्स की जगह अब कपड़े या पेपर के बैनर्स ही बनाए जाएँगे।

सांसद रमेश बिधूड़ी ने शुरुआत की केजरीवाल की पोल खोल अभियान की

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली सांसद श्री रमेश बिधूड़ी ने भारतीय जनता पार्टी पार्टी दिल्ली प्रदेश द्वारा 15 मई से प्रारंभ हो रहे पोल खोल अभियान के तहत दक्षिणी दिल्ली जिले के बूथ प्रमुखों की मोदी मिल ओखला स्थित ग्रैन्ड-ड्रीम्स में आयोजित बैठक को सम्बोधित किया। बूथ प्रमुखों की इस बैठक में अध्यक्ष एनडीएमसी एवं पूर्व अध्यक्ष भाजपा दि0प्र0 श्री सतीश उपाध्याय, दि0प्र0 भाजपा महामंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा, विधायक व प्रवक्ता भाजपा दि0 श्री अभय वर्मा और दि0प्र0 भाजपा प्रवक्ता श्री विक्रम बिधूड़ी मौजूद थे।

15 से 30 मई तक संपूर्ण दिल्ली में शुरू हो रहे पोल-खोल अभियान को लेकर सांसद श्री रमेश बिधूड़ी ने अपने संसदीय क्षेत्र के बूथ कार्यकर्ताओं को प्रत्येक बूथ पर किए जाने वाले कार्य की विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली में चल रही केजरीवाल सरकार जो कि पिछले 7 वर्षों से दिल्ली के लोगों को सिर्फ गुमराह करती आई है और काम के नाम पर अब तक कुछ नहीं किया।

दिल्ली में बेहतर शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का ढोल पीटने वाले केजरीवाल ने झूठे विज्ञापनों के माध्यम से लोगों को बेवकूफ बनाने का कार्य किया है। उनके विश्वस्तरीय मोहल्ला क्लीनिक जिनकी दुदर्शा किसी से छिपी नहीं है, ऐसे मोहल्ला क्लीनिक जो कोरोना महामारी में किसी भी प्रकार से उपयोग में नहीं आ सके, ना उनमें कोरोना की कोई जांच हो सकी और ना ही लोगों को कोई सहायता मिल सकी, तो ऐसे स्वास्थ्य मॉडल का क्या लाभ मिला दिल्लीवासियों को ? दिल्ली में उनके शिक्षा मॉडल की बात की जाए तो सरकारी स्कूलों की बद से बदतर स्थिति है।

उन्होंने स्वयं सरकारी स्कूलों में दौरा कर स्थिति का जायजा लिया है, कक्षाओं के एक-एक सेक्शन में 64 से अधिक बच्चे बैठते हैं वो भी जमीन पर तपती गर्मी में, टीन के बने शेडों में, डेस्क तक की व्यवस्था नही है, ये है केजरीवाल के शिक्षा मॉडल की जमीनी हकीकत।

सिर्फ चुनिंदा स्कूलों को चमकवाकर विज्ञापनों में बेहतर शिक्षा मॉडल प्रस्तुत कर दिल्ली वासियों की आंख में धूल झोंकने का कार्य करते आ रहे हैं, ताकि जमीनी हकीकत से लोग बेखबर रहे।

झूठे वादे कर सत्ता हासिल की, 500 नए स्कूल खोलना तो दूर की बात है सात साल सत्ता में रहते हुए राजधानी में पहले से मौजूद स्कूलों की स्थिति भी बद से बदतर होती जा रही है, ना उनको सुधारा जा रहा है और ना ही उनमें सुविधाएं पहुॅचाई गई हैं। बिधूड़ी ने कहा कि घर-घर पानी पहुॅचाने का चुनावी वादा कर केजरीवाल लोगों तक पानी तो पहुँचा नहीं सके आज भी लोग पानी की बूंद-बूंद को तरस रहे हैं, लेकिन वह दिल्ली में जगह-जगह शराब के ठेके खोलकर घर-घर शराब पहॅंचाने का कार्य बड़ी तेजी से कर रहे हैं जो उनकी कुशासन-युक्त नीतियों को दशार्ता है।

बिधूड़ी ने आगे कहा कि इस अभियान के माध्यम से दिल्ली में चल रही वतर्मान सरकार की जनविरोधी नीतियों, पिछले सात के कुशासन और दिल्ली की जनता से किए गए झूठे वायदों की पोल खोलने का कार्य बूथ स्तर पर भाजपा कायर्कताओं लोगों के घर-घर जाकर करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा की सीईओ ऋतु माहेश्वरी के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट पर रोक बढ़ाई

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने भूमि अधिग्रहण से जुड़े अवमानना के एक मामले में नोएडा की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ऋतु माहेश्वरी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर शुक्रवार को अगले आदेश तक अंतरिम रोक लगा दी। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) एन.वी. रमणा, जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस हिमा कोहली की बेंच ने सीईओ की याचिका पर नोएडा के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट और जिला मजिस्ट्रेट समेत 12 लोगों को नोटिस भेजे और उनके जवाब मांगे हैं। बेंच ने कहा कि नोटिस जारी किया जाता है। पूर्व के आदेश में एनबीडब्ल्यू पर लगाई रोक अगले आदेश तक जारी रहेगी। मामले को सुनवाई के लिए जुलाई में सूचीबद्ध करें। सुप्रीम कोर्ट ने आईएएस अधिकारी के हाईकोर्ट में पेश होने में देरी के आधार पर हाईकोर्ट द्वारा एनबीडब्ल्यू जारी करने को लेकर नाराजगी जताई थी। सीजेआई ने कहा कि यह (उचित) तरीका नहीं है। बेंच ने यह भी कहा कि यह चलन हो गया है जब प्राधिकारी मुआवजे का भुगतान किए बिना जमीन का अधिग्रहण कर लेते हैं। जस्टिस एस.ए. नजीर और जस्टिस कृष्ण मुरारी की एक अन्य बेंच ने 11 मई को राहत प्रदान की थी और मामले की सुनवाई 13 मई तक के लिए स्थगित कर दी थी, क्योंकि जस्टिस मुरारी सुनवाई से अलग हो गए थे। जस्टिस नजीर ने कहा था कि चूंकि मामला अत्यावश्यक है, इसलिए चीफ जस्टिस से उचित निर्देश लेने के बाद शुक्रवार को मामले को फिर से सूचीबद्ध किया जाए। इस बीच, अंतरिम आदेश जारी रहेगा। हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ भारतीय प्रशासनिक सेवा की वरिष्ठ अधिकारी ऋतु माहेश्वरी की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी पेश हुए।

संपादकीय

नागरिक स्वतंत्रता की हत्या करने वाले राजद्रोह कानून को खत्म किया ही जाना चाहिए

राजद्रोह कानून इसलिए भी रद्द होने लायक है कि इसके तहत लगाए गए आरोप प्रायः सिद्ध ही नहीं होते। पिछले 12 साल में 13306 लोगों पर राजद्रोह के मुकदमे चले लेकिन सिर्फ 13 लोगों को सजा हुई याने मुश्किल से एक प्रतिशत आरोप सही निकले।

अंग्रेजों के बनाए हुए 152 साल पुराने राजद्रोह कानून की शामत आ चुकी है। सर्वोच्च न्यायालय ने उसे पूरी तरह से अवैध घोषित नहीं किया है लेकिन वैसा करने के पहले उसने केंद्र सरकार को कहा है कि 10 जून तक वह यह बताए कि उसमें वह क्या-क्या सुधार करना चाहती है। दूसरे शब्दों में सरकार भी सहमत है कि राजद्रोह का यह कानून अनुचित और असामयिक है। यदि सरकार की यह मंशा प्रकट नहीं होती तो अदालत इस कानून को रद्द ही घोषित कर देती। फिलहाल अदालत ने इस कानून को स्थगित करने का निर्देश जारी किया है। अंग्रेजों ने यह कानून 1857 के स्वातंर्त्य संग्राम के तीन साल बाद बना दिया था। यह कानून भारत की दंड सहिता की धारा 124ए में वर्णित है।

इस कानून के तहत किसी भी व्यक्ति को यदि अंग्रेज सरकार के खिलाफ बोलते या लिखते हुए, आंदोलन या प्रदर्शन करते हुए, देश की शांति और व्यवस्था को भंग करते पाया गया तो उसे तत्काल गिरफ्तार किया जा सकता है, उसे जमानत पर छूटने का अधिकार भी नहीं होगा और उसे आजन्म कारावास भी मिल सकता है। इस कानून का दुरुपयोग अंग्रेज सरकार ने किस-किसके खिलाफ नहीं किया ? यदि भगत सिंह के खिलाफ किया गया तो महात्मा गांधी, बाल गंगाधर तिलक, सरदार पटेल, जवाहरलाल नेहरु ने भी इसी कानून के तहत जेल काटी। आजादी के बाद भी यह कानून जारी रहा। इंदिरा गांधी के राज में इसे और भी सख्त बना दिया गया। किसी भी नागरिक को अब राजद्रोह के अपराध में वारंट के बिना भी जेल में सड़ाया जा सकता है। ऐसे सैंकड़ों लोगों को सभी सरकारों ने वक्त-बेवक्त गिरफ्तार किया है, जिन्हें वे अपना विरोधी समझती थीं।

किसी प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री की आलोचना या निंदा क्या राजद्रोह कहलाएगी ? देश में चलने वाले शांतिपूर्ण और अहिंसक आंदोलन के कई नेताओं को राजद्रोह का अपराधी घोषित करके जेल में डाला गया है। कई पत्रकार भी इस कानून के शिकार हुए जैसे विनोद दुआ, सिद्दीक़ कप्पन और अमन चोपड़ा। आगरा में तीन कश्मीरी छात्रों को इसलिए जेल भुगतनी पड़ी कि उन्होंने पाकिस्तानी क्रिकेट टीम को भारत के विरुद्ध उसकी जीत पर व्हाट्सप के जरिए बधाई दे दी थी। बेंगलुरु की दिशा रवि को पुलिस ने इसलिए पकड़ लिया था कि उसने किसान आंदोलन के समर्थन में एक 'टूलकिट' जारी कर दिया था। जितने लोगों को इस 'राजद्रोह कानून' के तहत गिरफ्तार किया गया, उनसे आप असहमत हो सकते हैं, वे गलत भी हो सकते हैं लेकिन उन्हें 'राजद्रोही' की संज्ञा दे देना तो अत्यंत आपत्तिजनक है।

यह कानून इसलिए भी रद्द होने लायक है कि इसके तहत लगाए गए आरोप प्राय: सिद्ध ही नहीं होते। पिछले 12 साल में 13306 लोगों पर राजद्रोह के मुकदमे चले लेकिन सिर्फ 13 लोगों को सजा हुई याने मुश्किल से एक प्रतिशत आरोप सही निकले। नागरिक स्वतंत्रता की यह हत्या नहीं तो क्या है ? इस दमघोंटू औपनिवेशिक कानून को आमूल-चूल रद्द किया जाना चाहिए। वास्तविक राजद्रोह और देशद्रोह को रोकने के लिए कई अन्य कानून पहले से बने हुए हैं। उन कानूनों का प्रयोग भी बहुत सावधानी के साथ किया जाना चाहिए।

अनुभवी विक्रमसिंघे तभी कुछ कर पाएंगे जब पूरी सरकार और श्रीलंकाई जनता उनका साथ देगी

नीरज कुमार दुबे

श्रीलंकाई राजनीति में यह बड़ा महत्वपूर्ण घटनाक्रम है कि वकील से नेता बने विक्रमसिंघे ने अगस्त 2020 में हुए आम चुनाव में अपनी यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) के हारने और एक भी सीट नहीं जीत पाने के लगभग दो साल बाद उल्लेखनीय रूप से वापसी करने में सफलता हासिल की है।

अपने इतिहास में सबसे बड़े आर्थिक और सामाजिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका की जनता को समझना होगा कि उपद्रव से शांति और संपन्नता नहीं आ सकती। सरकार पर देश को आर्थिक बदहाली में पहुँचाने का आरोप लगाने वाली जनता खुद भी संसाधनों को जिस तरह नुकसान पहुँचा रही है वह सरासर गलत है। आगजनी और तोड़फोड़ से श्रीलंका को वापस अपने पैरों पर खड़ा होने में दशकों लग जायेंगे। पूरी दुनिया में श्रीलंका ही ऐसा देश है जहां जनता सरकारी बसों को फूंकने के बाद उसके साथ सेल्फी लेने भी पहुँच रही है। इस बीच, संसदीय राजनीति का 45 वर्ष का अनुभव रखने वाले वरिष्ठ नेता रानिल विक्रमसिंघे को देश की बिगड़ती आर्थिक स्थिति को स्थिरता प्रदान करने के लिए 26वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गयी है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही महिंदा राजपक्षे को हिंसक झड़पों के बाद प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके चलते श्रीलंका में तीन दिन तक कोई सरकार नहीं थी और जब सरकार ही नहीं थी तो जनता ने भी जमकर उपद्रव मचाया। अब देखना होगा कि विक्रमसिंघे को जिन उम्मीदों के साथ लाया गया है क्या वह उस पर खरा उतर पाते हैं।

क्या बहुमत साबित कर पाएंगे विक्रमसिंघे?

फिलहाल तो सत्तारुढ़ श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी), विपक्षी समगी जन बालावेगाया (एसजेबी) के एक धड़े और अन्य कई दलों के सदस्यों ने संसद में विक्रमसिंघे के बहुमत साबित करने के लिए अपना समर्थन जताया है। हालांकि कई वर्ग नए प्रधानमंत्री के रूप में विक्रमसिंघे की नियुक्ति का विरोध कर रहे हैं।

विक्रमसिंघे पर लगाया दांव कितना रंग लायेगा?

देखा जाये तो विक्रमसिंघे की दूरदृष्टि वाली नीतियों के साथ अर्थव्यवस्था को संभालने वाले नेता के तौर पर व्यापक स्वीकार्यता है। उन्हें श्रीलंका का ऐसा राजनेता माना जाता है जो अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी जुटा सकते हैं। श्रीलंकाई राजनीति में यह बड़ा महत्वपूर्ण घटनाक्रम है कि वकील से नेता बने विक्रमसिंघे ने अगस्त 2020 में हुए आम चुनाव में अपनी यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) के हारने और एक भी सीट न जीत पाने के लगभग दो साल बाद उल्लेखनीय रूप से वापसी करने में सफलता हासिल की है। वैसे भारत के करीबी माने जाने वाले 73 वर्षीय नेता विक्रमसिंघे भले पहले भी प्रधानमंत्री रह चुके हों लेकिन इस बार की उनकी पारी सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण है। यदि वर्तमान हालात से उन्होंने श्रीलंका को उबार लिया तो वह इतिहास के पन्नों में अमर हो जायेंगे। बस जरूरत है उन्हें टिक कर काम करने दिया जाये। उनकी नियुक्ति ने नेतृत्व के शून्य को तो भर दिया है लेकिन देखना होगा कि वह श्रीलंका का खाली पड़ा खजाना भी भर पाते हैं या नहीं ? वैसे विक्रमसिंघे ने अपने साढ़े चार दशक के राजनीतिक कॅरियर के दौरान कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उनकी पार्टी यूएनपी देश की सबसे पुरानी पार्टी है जो 2020 के संसदीय चुनाव में एक भी सीट जीतने में विफल रही थी।

बदल गया पॉलिटिकल मैप और चुनाव का रास्ता हुआ साफ, हिंदुओं वाला जम्मू अब मुस्लिम बहुल कश्मीर पर भारी पड़ेगा?

अभिनय आकाश

जम्मू कश्मीर में विधानसभा और लोकसभा चुनाव क्षेत्रों का नए सिरे से निर्धारण करते के लिए गठित परिसीमन आयोग ने अपनी रिपोर्ट 5 मई को सौंप दी। इससे जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का रास्ता साफ हो गया। वहां साल 2018 से ही लोग निर्वाचित सरकार से वंचित हैं। नए चुनाव करवाने की राह में सबसे बड़ी बाधा यही बताई जाती रही है कि जब तक परिसीमन आयोग की फाइनल रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक चुनावों की प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकती है। परिसीमन आयोग की तरफ से अपनी रिपोर्ट में कई सारे बदलाव किए गए हैं। लेकिन गौर करने वाली बात ये है कि परिसीमन आयोग ने जम्मू और कश्मीर को एक यूनिट के तौर पर देखा है। केवल जनसंख्या को परिसीमन का आधार न बनाते हुए आयोग ने अलग-अलग इलाकों की भू संस्कृतिक पृष्ठभूमि, भौगोलिक जुड़ाव और पाकिस्तान सीमा से दूरी जैसे तमाम कारकों को ध्यान में रहा। आज के इस विश्लेषण में हम जम्मू कश्मीर विधानसभा सीटों के लिए नए परिसीमन के प्रस्ताव का एमआरआई स्कैन करेंगे। इसके साथ ही जम्मू कश्मीर की राजनीति में इसके महत्व को समझने की कोशिश करेंगे और बताएंगे की इस प्रस्ताव का विपक्षी पार्टियां विरोध क्यों कर रही हैं।

क्या होता है परिसीमन?

चुनावी क्षेत्रों की सीमा तय करमे की प्रक्रिया परिसीमन कहलाती है। विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन में जनसंख्या मुख्य आधार रहता है। जम्मू कश्मीर में आखिरी बार परिसीमन 1995 में हुआ था। तब सूबे में कुल 12 जिले और 58 तहसीलें थीं, जबकि आज जिलों की तादाद बड़कर 20 और तहसीलों की संख्या 270 हो चुकी है।

आयोग का गठन क्यों किया गया था?

परिसीमन तब आवश्यक हो गया जब जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 ने विधानसभा में सीटों की संख्या बढ़ा दी। तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य में 111 सीटें थीं- कश्मीर में 46, जम्मू में 37 और लद्दाख में चार - साथ ही 24 सीटें पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के लिए आरक्षित थीं। जब लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश के रूप में बनाया गया था, तब जम्मू-कश्मीर में पीओके के लिए 24 सहित 107 सीटें बची थीं। पुनर्गठन अधिनियम ने जम्मू-कश्मीर के लिए सीटों को बढ़ाकर 114 - 90 कर दिया, इसके अलावा पीओके के लिए 24 आरक्षित सीटें। अब्दुल्ला सरकार ने जम्मू एंड कश्मीर रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट 1957 जम्मू कश्मीर के संविधान के सेक्शन 47 (3) में बदलाव किया था। सेक्शन 47(3) में हुए बदलाव के मुताबिक वर्ष 2026 के बाद जब तक जनसंख्या के सही आंकड़े सामने नहीं आते। परिसीमन आयोग जम्मू कश्मीर पुनर्गठन कानून 2019 के प्रावधानों के तहत जम्मू कश्मीर में लोकसभा और विधानसभा का परिसीमन का जिम्मा सौंपा। परिसीमन आयोग का गठन

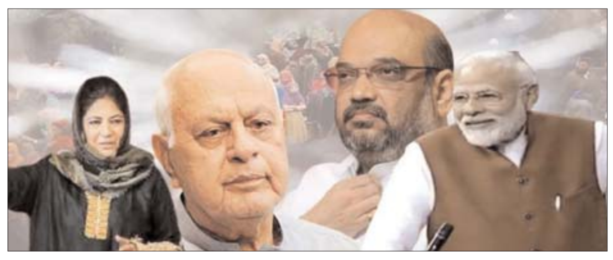

पिछले साल रिटायर्ड जज जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अगुआई में किया गया। कानून मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा और चार राज्यों के निर्वाचन आयुक्तों को आयोग का पदेन सदस्य बनाया गया था। उन्होंने तमाम ज़िला आयुक्तों को चिट्ठी लिख कर उनसे बुनियादी जानकारी मांगी है। पैनल को दिया गया समय, शुरू में एक साल, कई बार बढ़ाया गया क्योंकि नेशनल कांफ्रेंस के तीन सांसदों ने शुरू में इसकी कार्यवाही का बहिष्कार किया था। 20 जनवरी को पहली मसौदा सिफारिशों में जम्मू के लिए छह और कश्मीर के लिए एक विधानसभा सीटों की वृद्धि का सुझाव दिया गया था। 6 फरवरी को, इसने अपनी दूसरी मसौदा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

क्यों होता रहा है विवाद?

जम्मू की अपेक्षा घाटी में असेंबली की तादाद ज्यादा होने के चलते राज्य की सियास में हमेशा घाटी का दबदबा रहता आया है। इस बार परिसीमन में दोनों के बीच की खाई को कम करने की कोशिश की गई है। पहले जहां दोनों के बीच नौ सीटों का अंतर हुआ करता था। उसे घटाकर अब चार करने की सिफारिश की गई है। हालांकि विपक्ष जम्मू संभाग में हुए सीटों के इजाफे को बीजेपी को फायदा पहुंचाने की कोशिश कवायद बता रहा है।

क्या बदलाव किए गए हैं?

पांचों लोकसभा क्षेत्र में एक समान सीट

आयोग ने सभी पांचों लोकसभा क्षेत्र में बारबर-बराबर विधानसभा सीटों की संख्या रखने का प्रस्ताव रखा है। साथ ही स्थानीय प्रतिनिधियों की मांग के हिसाब से कुछ विधानसभा क्षेत्रों के नाम भी बदले गए हैं। पहले जम्मू संभाग में दो सीटें- जम्मू और उधमपुर और कश्मीर संभाग में श्रीनगर, अनंतनाग और बारामुला सीटें हुआ करती थीं। नई व्यवस्था में दोनों इलाकों में ढाई-ढाई सीटों का बंटवारा कर दिया गया है। जम्मू सीट का रजौरी पुंछ का इलाका अनंतनाद में मिलाते हुए इस सीट को अनंतनाग -रजौरी नाम दिया गया है।

संसदीय सीटों में बदलाव का क्या मतलब है?

अनंतनाग और जम्मू के पुनर्गठन से इन सीटों पर विभिन्न जनसांख्यिकीय समूहों का प्रभाव बदल जाएगा। आयोग ने अनुसूचित जनजातियों के लिए नौ विधानसभा सीटें आरक्षित की हैं। इनमें से छह पुंछ और राजौरी सहित रेडरवान अनंतनाग संसदीय सीट पर हैं, जहां अनुसूचित जनजाति की आबादी सबसे अधिक है। विपक्षी दलों का अनुमान है कि संसदीय सीट भी एसटी के लिए आरक्षित होगी। पूर्ववर्ती अनंतनाग सीट में एसटी आबादी कम थी। अगर पुंछ और राजौरी जम्मू लोकसभा सीट में बने रहते हैं तो इसे स्त्रज्ञ रिजर्व लोकसभा सीट घोषित करना पड़ सकता है। इससे बीजेपी को हिंदू वोट मजबूत करने में मदद मिलेगी। लेकिन फिर से किए गए परिसीमन में पुंछ और राजौरी द्वारा तय किया जाएगा। घाटी में राजनीतिक दल इसे जातीय कश्मीरी भाषी मुस्लिम मतदाताओं के प्रभाव को कम करने के रूप में देखते हैं। घाटी में पार्टियों को उम्मीद है कि बारामूला के पुनर्गठन से शिया वोट मजबूत होंगे। इससे सज्जाद लोन के पीपुल्स कॉन्फ्रेंस में शिया नेता इमरान रजा अंसारी को मदद मिल सकती है।

विधानसभा सीटों में इजाफा: आयोग ने सात विधानसभा सीटों में वृद्धि की है - जम्मू में छह (अब 43 सीटें) और कश्मीर में एक (अब 47)। इसने मौजूदा विधानसभा सीटों की संरचना में भी बड़े पैमाने पर बदलाव किए हैं।

विधानसभा सीटों में बदलाव के मायने क्या है?

अभी जम्मू-कश्मीर के मुस्लिम बहुल वाले कश्मीर में 46 सीटें हैं और बहुमत के लिए 44 सीटें ही चाहिए। हिंदू बहुल इलाके जम्मू में 37 सीटें हैं। ऐसे में अधिकांश मुख्यमंत्री कश्मीर के बनते रहे हैं। परिसीमन के बाद यह गणित बदल जाएगा। नए परिसीमन के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर की कुल 90 सीटों में से अब 43 जम्मू में और 47 कश्मीर में होंगी। साथ ही 2 सीटें कश्मीरी पंडितों के लिए रिजर्व करने का सुझाव दिया गया है। परिसीमन का आधार 2011 की जनगणना है, परिवर्तनों का मतलब है कि जम्मू की 44 प्रतिशत आबादी 48 प्रतिशत सीटों पर मतदान करेगी, जबकि कश्मीर में रहने वाले 56 प्रतिशत लोग शेष 52 प्रतिशत सीटों पर मतदान करेंगे। पहले के सेट-अप में, कश्मीर के 56 प्रतिशत में 55.4 प्रतिशत सीटों परऔर जम्मू के 43.8 फीसदी लोग 44.5 प्रतिशत सीटों पर वोट करते थे।

अगला कदम: विधानसभा चुनाव

अब अंतिम आदेश अधिसूचित होने के साथ, विधानसभा चुनाव के समय को लेकर सभी की निगाहें चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर होंगी। हालांकि घाटी में मुख्यधारा की पार्टियों ने रिपोर्ट की आलोचना की है, लेकिन संभावना है कि इससे केंद्र शासित प्रदेश में राजनीतिक जुड़ाव के लिए जगह बनेगी। बदले हालात में ये उम्मीद की जा सकती है कि गुजरात और हिमाचल प्रदेश में साल के अंत में होने वाले चुनावों के साथ ही जम्मू कश्मीर में भी चुनाव हो जाएं ताकि वहां सामान्य लोकतांत्रिक हालात बहाल हो और उसे राज्य का दर्जा वापस मिलने की स्थितियां बने।

इन सरकारी ऐप के माध्यम से आसान बनाएं अपना काम

विंध्यवासिनी सिंह

एक जमाना था जब माना जाता था कि गवर्नमेंट का डिपार्टमेंट बेहद सुस्त है और उसके मुकाबले प्राइवेट कंपनियां बड़ी तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

अब जब जमाना एप्लीकेशन का आ गया है तब भी प्राइवेट एप्लीकेशन के भरमार हैं जो एक से बढ़ कर सर्विस दे रह हैं। हालाँकि आप यह जानकर हैरान हो जाएंगे कि कुछ सरकारी एप्लीकेशन इतने अधिक लोकप्रिय और उपयोगी हैं कि ये एप्लीकेशन आपके फोन में अनिवार्य रूप से होने चाहिए।

इसकी वजह से आप तमाम गवर्नमेंट सर्विसेज को अपने मोबाइल में ला सकते हैं। अगर आपको आधार कार्ड, पैन कार्ड या फिर ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के लिए आपको रिक्वेस्ट डालनी हो आप डिजिटल रूप से इन सारी चीज को आसानी से कर सकते हैं।

आइए जानते हैं कि ये कौन से एप्लीकेशन हैं जो आपको अपने फोन में रखने चाहिए क्योंकि ये एप्लीकेशन आपको गवर्नमेंट ऑफ इंडिया द्वारा प्रोवाइड की गई है।

उमंग

उमंग यानी यूनिफाइड मोबाइल एप्लीकेशन फॉर न्यू एज गवर्नेंस। आप समझ गए होंगे इसके नाम से ही कि यह क्या है। यह सरकारी सर्विस प्रोवाइड करने वाला ऐप है जो तमाम यूजर्स को भारत के राज्यों, यहां तक कि सेंटर और नगरपालिका तक से भी जुड़ने का मौका देता है।

इसके माध्यम से आप तमाम सर्विसेज का लाभ भी उठा सकते हैं। यहां पर आपको पैन कार्ड के लिए अप्लाई करने से लेकर राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली से जुड़ने, पॉपुलर customer-centric सेवा जैसे प्लेटफार्म जिनमें डिजी लॉकर, पेंशनर्स पोर्टल आदि के साथ इंटीग्रेटेड मिलेगा। इसके बारे में यहां पर आप जानकारी ले सकते हैं।

आयकर सेतु

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट द्वारा तमाम टैक्सपेयर के क्वेश्चन को सरल करने के लिए आयकर सेतु एप्लीकेशन डेवलप किया गया है। तथा उपभोक्ता आयकर सेतु द्वारा दी गई लाइव चैट सुविधा के माध्यम से अपने टैक्सेशन के क्वेश्चन और चिंताओं को दूर कर सकते हैं।

यह आयकर विभाग की तमाम सेवाओं को आसान बनाने में आपकी काफी मदद करता है। जैसे कि किस प्रकार से आप अपना आयकर रिटर्न सबमिट कर सकते हैं, टैक्स रिटर्न प्रिपेयर का पता कैसे लगा सकते हैं, टीडीएस कैलकुलेटर आदि की सुविधा।

भीम ऐप

भीम एप को भला कौन नहीं जानता है। यह एप भारत इंटरफेस फॉर मनी (भीम) यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस पर बना हुआ है और पैसे के लेनदेन का या बेहद सुविधाजनक और आसान तरीका बन गया है।

इस समय करोड़ों लोग भीम एप का इस्तेमाल कर रहे हैं और यह बेहद फास्ट होने के साथ-साथ सिक्योरिटी और क्रेडिबल भी है। इसमें आप अपने मोबाइल नंबर से लॉगिन करके अपने बैंक अकाउंट को कनेक्ट कर सकते हैं और उस के माध्यम से आगे बढ़ सकते हैं।

एम कवच

यह आपके मोबाइल डिवाइस के लिए एक सिक्योरिटी सिस्टम है, जो हैकिंग और मैलवेयर अटैक से सिक्योरिटी प्रदान करता है। एम कवच किसी भी अनऑथराइज्ड अटेम्प्ट को रोककर वाईफाई, ब्लूटूथ, कैमरा और मोबाइल डाटा जैसे आपके मोबाइल के रिसोर्सेज के दुरुपयोग पर आपको वार्निंग भी देता है।

तमाम यूजर्स को अपने फोन पर कांटेक्ट और डेटा आदि को रीमोटली हटाने की सर्विसेज भी देता है, तो फैक्ट्री रीसेटिंग रिसेट करने के साथ-साथ लोकेशन ट्रैकिंग भी आप इसके माध्यम से कर सकते हैं।

विश्व परिवार दिवस 15 मई 2022 पर विशेष

परिवार से बड़ा कोई धन नहीं - पिता से बड़ा सलाहकार, मां के आंचल से बड़ी कोई दुनिया, भाई से बड़ा भागीदार, और बहन से बड़ा कोई शुभचिंतक नहीं है

विश्व परिवार दिवस पूरी दुनिया में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है, क्योंकि एक अच्छा परिवार बच्चे के चरित्र निर्माण से लेकर व्यक्ति की सफ़लता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परिवार के बीच रहकर ही वह अच्छे बुरे आचरण में फ़र्क करने तथा अपने भविष्य को अच्छा बनाने के लिए प्रेरित होता है। साथियों परिवार को एकजुट रखने के लिए हर सदस्य को त्याग रूपी स्वभाव का आभूषण पहनना होगा! अपने से अधिक महत्व घर के दूसरे बड़े बुजुर्गों, सदस्यों को देना होगा मैं मैं का भाव हृदय से निकालकर, पहले आप,, की पवित्र वाणी को धारण करना होगा तभी हम परिवार को एकजुट रखने में सफल होंगे जो आज के समय की मांग है जिसको प्रेरित करने के लिए परिवारों को विघटन से बचाने, परिवारों को प्रभावित करने वाले आर्थिक जनसांख्यिकीय और सामाजिक प्रतिक्रियाओं के बारे में जानकारी देने के लिए 15 मई 1994 में सबसे पहले इंटरनेशनल फैमिली डे मनाया गया था तब से अब तक हर वर्ष की नई थींम के साथ यह दिवस मनाया जाता है जो इस वर्ष 2022 में 15 मई को बड़ी शिद्दत और धूमधाम से मना रहे हैं जिसकी थीम परिवार और शहरीकरण है।

साथियों बात अगर हम इस वर्ष 2022 की थीम परिवार और शहरीकरण की करें तो इसका मुख्य उद्देश्य टिकाऊ परिवार के लिए अनुकूल शहरी नीतियों के महत्व पर जागरूकता बढ़ाना है। साथियों मेरा मानना है कि परिवार को विघटन से बचाने के लिए परिवार के हर एक सदस्य के अलावा शासन, प्रशासन और समाज की भी महत्वपूर्ण जवाबदारी होती है इसीलिए हर क्षेत्र को अपने अपने स्तर पर सबका परिवार एकजुट रहे इसकेलिए त्याग की भावना, प्रोत्साहन, प्रोत्साहित नीतियां, लाभकारी नियम और सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार प्रोत्साहन देकर जनजागृति फैलाना अति आवश्यक है। साथियों बात अगर हम परिवार की करें तो, किसी भी सशक्त देश के निर्माण में परिवार एक आधारभूत संस्था की भांति होता है, जो अपने विकास कार्यक्रमों से दिनोंदिन प्रगति के नए सोपान तय करता है। कहने को तो प्राणी जगत में परिवार एक छोटी इकाई है लेकिन इसकी मज़बूती हमें हर बड़ी से बड़ी मुसीबत से बचाने में कारगर है। परिवार से इतर व्यक्ति का अस्तित्व नहीं है इसलिए परिवार के बिना अस्तित्व के कभी सोचा नहीं जा सकता। लोगों से परिवार बनता हैं और परिवार से राष्ट्र और राष्ट्र से विश्व बनता हैं। साथियों परिवार का प्राथमिक कार्य बुनियादी जरूरतों को पूरा करना है जो भोजन, आश्र्य, शिक्षा, स्वास्थ्य और भावनात्मक समर्पण आदि लेकिन एक परिवार की भूमिका केवल इन कार्यों तक ही सीमित नहीं है वास्तव में यह नागरिक कक्षा का पहला स्कूल है जिसका बुनियादी मूल्य देशभक्ति, अखंडता, इमानदारी, सहिष्णुता, बंधुत्व और दया है।

साथियों बात अगर हम परिवार की खूबसूरती और उसके गुणों की करें तो, परिवार एक ऐसी सामाजिक संस्था है जो आपसी सहयोग व समन्वय से क्रियान्वित होती है और जिसके समस्त सदस्य आपस में मिलकर अपना जीवन प्रेम, स्नेह एवं भाईचारा पूर्वक निर्वाह करते हैं। संस्कार, मर्यादा, सम्मान, समर्पण, आदर, अनुशासन आदि किसी भी सुखी-संपन्न एवं खुशहाल परिवार के गुण होते हैं। कोई भी व्यक्ति परिवार में ही जन्म लेता है, उसी से उसकी पहचान होती है और परिवार से ही अच्छे-बुरे लक्षण सीखता है। परिवार सभी लोगों को जोड़े रखता है और दु:ख-सुख में सभी एक-दूसरे का साथ देते हैं।

साथियों बात अगर हम आधुनिक डिजिटल युग में युवाओं में परिवार के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने की करें तो, पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव बढ़ने के कारण आधुनिक पीढ़ी का अपने बुजुर्गों व अभिभावकों के प्रति आदर कम होने लगा है। वृद्धावस्था में अधिकतर बीमार रहने वाले माता-पिता अब उन्हें बोझ लगने लगे हैं। वे अपने संस्कारों और मूल्यों से कटकर एकाकी जीवन को ही अपनी असली खुशी व आदर्श मान बैठे हैं। यदि संयुक्त परिवारों को समय रहते नहीं बचाया गया तो हमारी आने वाली पीढ़ी ज्ञान संपन्न होने के बाद भी दिशाहीन होकर विकृतियों में फंसकर अपना जीवन बर्बाद कर देगी। अनुभव का खजाना कहे जाने वाले बुजुर्गों की असली जगह वृद्धाश्राम नहीं बल्कि घर है। छत नहीं रहती, दहलीज नहीं रहती,दर-ओ-दीवार नहीं रहती, वो घर घर नहीं होता, जिसमें कोई बुजुर्ग नहीं होता। साथियों बात अगर हम परिवार से बड़ा कोई धन नहीं इस बात की पुष्टि की करें तो मेरा मानना है कि इसका ताजा उदाहरण अभी कोविड-19 त्रासदी में पीड़ित परिवारों, जिनके परिवार के सदस्यों को महामारी ने निगल लिया उनसे बात करेंगे और जिनके परिवार इस त्रासदी में मृत्यु के कारण टूटे वो हमें दिल से बताएंगे कि परिवार क्या होता है!! उसका सुख क्या होता है!! क्योंकि इसका एक उदाहरण मैं भी हूं हमारा आज भी संयुक्त परिवार है परंतु मेरे माता-पिता और छोटी बहन की मृत्यु के कारण हमारे संयुक्त परिवार में हर पल उनकी कमी महसूस होती है उनकी कमी दिल को छू गई है जीवन नीरस लगने लगा है। यह है संयुक्त परिवार का सिदक जहां एक परिवार के एक मेंबर की कमी दिल को छू जाती है!! साथियों बात अगर हम विश्व परिवार दिवस के इतिहास की करें तो, वर्ष 1989 के 8 दिसंबर को 44वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव परिवारों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय समुदायों के महत्व को उजागर करने के लिए इस दिन को संयुक्त राष्ट्र महासभा के तहत संकल्प ए/आरईएस/47/237 के साथ घोषित किया गया था। इसे पारित करके वर्ष 1994 को अंतर्राष्ट्रीय परिवार वर्ष की घोषणा की। इसके पहले वर्ष 1993 में आयोजित न्यूयार्क विशेष बैठक में वर्ष 1994 से हर वर्ष के 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस मनाने का फैसला किया गया था, ताकि विभिन्न देशों की सरकारें और जनता परिवार से जुड़े मामलों की समझ को उन्नत कर सकें, और परिवार के सामंजस्य, खुशहाली व प्रगति को मजबूत कर सकें।

माँ

सुना देवताओं के बारे में अक्सर
मगर देव कोई कभी भी न आया
लगी ठोकरें जब ज़माने की मुझको
हर बार माँ ने गले से लगाया

कभी भूखे रहकर कभी प्यासे रहकर
करती रही वो दुआऐं हमेशा
मेरे ही उज्वल भविष्य की कामना
से हर इक दर पर जा माथा निवाया

लड़ी वो हर इक से मेरे लिए ही
मैं नादान था और समझ कुछ न पाया
नज़रें लगे न कहीं ज़माने की मुझको
लौ से दिए की काला टीका लगाया

मासूम थी वो बड़ी नासमझ थी
ममता ने था उसको पागल बनाया
अपने ही लल्ला में देखे कैन्हया
माखन तभी तो चोरी चोरी खिलाया

भगवान का रूप कहती है दुनियाँ
मगर मैंने भगवान देखा नहीं है
आकर साकार क्या मैं क्या जानूँ
माँ में ही मैंने तो भगवान पाया

कहती है सारी ही दुनियाँ ग़ुलाम
मगर एक इकलौती माँ ही है यारों
जिसने इस सिरफिरे दिलजले को
हर बार सरताज कह कर बुलाया

हरविंदर सिंह 'ग़ुलाम'
पटियाला, पंजाब

शार्ट न्यूज

पांच बेटियों को छोड़कर तीन लड़कों की मां को भगा ले गया पति, पत्नी पहुंची महिला थाने

आगरा। यूपी के आगरा में अपने पति की हरकतों के चलते महिला थाने पहुंच गई। यहां पति के कारनामे के बारे महिला ने पुलिस को बताया तो सभी सन्न रह गए। महिला बोली उसका पति काफी-काफी समय तक गायब रहता था। उसकी पांच बेटियां हैं लेकिन वह बेटे की मांग करता है। उसका पति पहले भी कई बार भाग चुका है। महिला ने बताया कि रिश्तेदारी की विधवा महिला से उसके पति का चक्कर चल रहा है। उसके तीन बेटे हैं। अब उस महिला को लेकर पति भागा है। पत्नी ने महिला थाने में पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। अर्जुन नगर की रहने वाली महिला नर्सिंग कॉलेज में शिक्षिका है। वहीं पति एमआर है। पत्नी का आरोप है कि सास और पति की जिद थी कि बेटे को जन्म दूं। लेकिन बेटे के चक्कर में पांच बेटियां हो गईं जबकि पति को बेटा चाहिए। पांच बेटियों के जन्म के बाद मैं काफी कमजोर हो गई थी। एनिमक हो गई जिसके चलते बच्चा पैदा करना मेरे लिए मुश्किल था। मैंने फैमिली प्लानिंग कराई। इसी बीच पति के रिश्ते की एक विधवा महिला से संबंध हो गए। हमारी शादी को 20 साल हो गए। वहीं पति के संबंध लगभग सात साल से महिला से हैं। पहले पति सप्ताह में दो-दो तीन-तीन दिन गायब रहता था। विरोध करने पर दो महीने के लिए गायब हो गया। अब वह उस महिला को लेकर फरार हो गया है। बेटियों को लेकर मैं अकेली रह रही हूं। बड़ी बेटी ने इस समय 10वीं की परीक्षा दी है। महिला का कहना है कि यह तीसरी बार पति फरार हुआ है। पहले परिजनों के माध्यम से इसको ढूंढ कर लाया गया था। एसओ महिला थाना का कहना है कि तहरीर मिली है। जांच के बाद ही कार्यवाही की जाएगी।

सुलतानपुर : टॉप टेन घोषित अपराधी गांजा के साथ गिरफ्तार, भेजा गया जेल

सुलतानपुर। सुलतानपुर के टॉप टेन अपराधियो की सूची में शामिल बदमाश को एक किलो 200 ग्राम अवैध गांजे के साथ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष हलियापुर पुलिस टीम ने हिस्ट्रीशीटर लाल साहब सिंह उर्फ विक्रम सिंह पुत्र विजय कुमार सिंह निवासी पिपरी थाना हलियापुर को गिरफ्तार किया है। रायबरेली-अयोध्या मार्ग के आमघाट पुल बंद ढाबा के पास से उसे पकड़ा गया. उस पर लखनऊ,अयोध्या और सुलतानपुर जिले में डेढ़ दर्जन अपराधिक मामले दर्ज है। गिरफ्तारी में थानाध्यक्ष अजय कुमार द्विवेदी,उप निरीक्षक अनिल कुमार तिवारी,हेड कांस्टेबल कुणाल गौतम,हेड कांस्टेबल सुरेश कुमार,कांस्टेबल विजय बाबू सोनी व मनीष कुमार शामिल रहे।

लखनऊ केजीएमयू में बिजली गुल होने से मची अफरा-तफरी, मरीजों की जान सांसत में

लखनऊ। केजीएमयू में बिजली गुल होने से मची अफरा-तफरी। बैकअप की व्यवस्था न होने से वेंटिलेटर मरीजों को ट्रामा सेंटर व शताब्दी में शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू की गई। गंभीर मरीजों की जान सांसत में पड़ गई है। केजीएमयू मे सुबह 8:30 बजे बिजली गुल हो गई। ट्रांसफार्मर में खराबी की वजह से यह समस्या पैदा हुई है। इससे ओपीडी में मरीजों का पंजीकरण ठप हो गया। रेडियोलॉजी संबंधी जांच नहीं हो पा रही है। सुबह करीब 10:30 बजे केजीएमयू के कुछ विभागों में बिजली आ गई। रेस्पिरेट्री मेडिसिन विभाग में वेंटिलेटर पर तीन गंभीर मरीज भर्ती थे। बिजली के बैकअप की व्यवस्था पर्याप्त न होने से इन मरीजों को ट्रामा सेंटर में शिफ्ट किया गया। इसी तरह मेडिसिन विभाग के आईसीयू वेंटिलेटर पर भर्ती मरीजों को शताब्दी और ट्रामा सेंटर में शिफ्ट किया गया।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग में तीन दुकानों का सामान हुआ खाक

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर के मुंगराबादशाहपुर नगर में शुक्रवार की रात हल्दीराम नमकीन एजेंसी समेत दुकानों में शॉर्ट सर्किट होने से लगी भीषण आग में दो लाख रुपये नकद समेत 20 लाख रुपये का समान जलकर खाक हो गया। पुलिस के अनुसार जिले में मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के सुतहट्टी मोहल्ला निवासी अनिरुद्ध गुप्ता के मकान के ग्राउंड प्लोर पर चार दुकानें हैं। इनमें से एक में गुप्ता की हल्दीराम एजेंसी और गोदाम है और एक अन्य में एक अन्य में उनकी पत्नी नंदनी गुप्ता की जनरल स्टोर की दुकान है। मकान के दूसर तल पर गुप्ता परिवार रहता है। बीती रात लगभग दो बजे दुकान में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। दुकान से धुआं निकलते देख कुछ लोगों ने शोर मचाया तो आग लगने की जानकारी हुई। मौके पर आसपास के लोग पहुंचे। इधर आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। नमकीन एजेंसी के अगल-बगल की दुकानें भी आग की चपेट में आ गई। मौके पर मौजूद लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की मगर वो असफल रहे। सूचना मिलने पर पुलिस, नगरपालिका परिषद का पानी टैंकर व अग्निशमन गाड़ी मौके पर पहुंच गई। आग से तीनों दुकानों में रखा सारा समान जलकर खाक हो गया। ऊपरी तल पर फंसे परिवार के लोगों को किसी तरह से सुरक्षित बाहर निकाला गया।

ज्ञानवापी मस्जिद के तहखानों का हुआ वीडियोग्राफी सर्वे

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थानीय अदालत के आदेश पर ज्ञानवापी मस्जिद में स्थित तहखानों और अन्य भागों का वीडियोग्राफी सर्वे का काम शनिवार को हुआ। हिंदू और मुस्लिम पक्ष के वकीलों के अनुसार पूर्वनिर्धारित समयानुसार सुबह 08 बजे से 12 बजे तक सर्वे का आधा काम कर लिया गया। शेष काम रविवार को होगा। शनिवार के सर्वे में अदालत द्वारा नियुक्त एडवोकेट कमिश्नर के नेतृत्व में सर्वे दल मस्जिद में स्थित चार तहखानों में गया। इनमें से कुछ तहखाने मस्जिद प्रबंधन के कब्जे में हैं जबकि अन्य काशी विश्वनाथ मंदिर के न्यास परिवार के स्वामित्व में हैं। न्यास परिवार पिछले अनेक वर्षों से अपने तहखाने में प्रवेश नहीं कर सका था। सर्वे दल के अनुसार रविवार को मस्जिद के ऊपरी भाग का वीडियोग्राफी सर्वे होगा। दोनों पक्षों के वकीलों ने आज के सर्वे के बारे में कोई जानकारी देने से इंकार किया। उनका कहना है कि न्यायालय के निर्देश के अनुसार सर्वे से जुड़ी गोपनीय रिपोर्ट अदालत में प्रस्तुत की जानी है। अदालत 17 मई को इस मामले में सुनवाई करेगी। जिला प्रशासन के अनुसार संबंधित पक्षों ने सर्वे के काम में पूरा सहयोग दिया तथा यह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। सर्वे के दौरान ज्ञानवापी मस्जिद – काशी विश्वनाथ धाम परिसर और आसपास सुरक्षा के व्यापक इंतजाम थे।

बीमारी की शुरुआत में पहचान से 40 फीसदी मरीजों का गुर्दा बचाना सम्भव

लखनऊ। गुर्दे के करीब 40 फीसदी मरीजों की बीमारी का सही वक्त पर पता चलने पर दवाओं से इलाज संभव है। इन्हें डायलसिस और प्रत्यारोपण की जरूरत नहीं पड़ेगी। पीजीआई के नेफ्रोलॉजी विभाग के 35 वें स्थापना दिवस पर डॉक्टरों ने गुर्दे की बीमारी के लक्षण और पहचान और इलाज के बारे जानकारी दी। नेफ्रोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. नारायण प्रसाद बताते हैं कि 40 फीसदी में गुर्दा खराबी का कारण ग्लूमेरूलर बीमारी है। इसमें गुर्दा का फिल्टर फैल जाता है। शुरूआती दौर में पता चलने पर इसका 100 फीसदी इलाज संभव है। एम्स दिल्ली के डॉ. एके बग्गा ने बताया कि ग्लूमेरूलर बीमारी का पता गुर्दे की बायोप्सी से लगता है। उसके बाद डॉक्टर इलाज करते हैं। एम्स दिल्ली के नेफ्रोलाजिस्ट डॉ .विवेका नंद झा ने बताया कि गलूमेरूलर से पीड़ित मरीजों में आईजीए नेफ्रोपैथी, मिनिमल चेंज, मेब्रेनो पालीफरेटिव ग्लूमलर नेफ्राइटिस, ल्यूपस नेफ्राइटस, फोकल सेगमेंटल ग्लोमेरुलोस्केलेरोसिस समेत समस्याएं होती हैं। पीजीआई चंडीगढ़ के डॉ. एचएस कोहली,चेन्नई के डॉ. नएन गोपालकृष्णन, ओपोलो मेडिक्स के डॉ. अमित गुप्ता आदि डॉक्टरों ने याख्यान दिया। पीजीआई निदेशक डॉ. आरके धीमन ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आईजीए नेफ्रोपैथी में किडनी के फिल्टर पर आईजीए इम्यूनोग्लोबलीन जमा हो जाता है जिसके कारण किडनी की कार्य शक्ति कम हो जाती है। इस परेशानी का पता शुरूआती दौर में नहीं लगता है क्योंकि कोई परेशानी नहीं होती है। साइलेंट किडनी डिजीज कहा जाता है। इसका पता लगाने के लिए पेशाब में आरबीसी की जांच करना चाहिए जिसे माइक्रोस्कोपिक हेमच्युरिया कहते है। यदि पेशाब में लाल रक्त कणिका है तो नेफ्रोलाजिस्ट से सलाह लेना चाहिए।

बहराइच में सड़क हादसा, स्कार्पियो और आल्टो भिड़ंत, तीन युवकों की मौत

बहराइच। नानपारा -लखीमपुर हाईवे पर रजवापुर गांव स्थित मंदिर के पास तेज रफ्तार स्कार्पियो व आल्टो में आमने- सामने भिड़ंत हो गई। इस हादसे में कार सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को नानपारा सीएचसी में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने दो घायलों को मेडिकल कालेज रेफर किया। वहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद एक को मृत घोषित कर दिया। मृतकों व घायलों के परिजनों में हाहाकार मच गया है। मोतीपुर थाने के बलसिंहपुर गांव से पांच लोग शुक्रवार की

आधीरात में लखनऊ जाने को निकले थे। जैसे ही कार नानपारा कोतवाली के रजवापुर मंदिर के पास पहुंची। विपरीत दिशा से आ रही स्कार्पियो व कार में आमने सामने की भीषण भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार मोतीपुर थाने के राजापुर कतर्निया निवासी धर्मपाल उर्फ पंकज, बलसिंहपुर निवासी तीरथराम पुत्र छेदन की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा होते ही स्कार्पियो सवार लोग वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए। आसपास के लोग दौड़ पड़े। पुलिस को सूचना दी। हादसे में गंभीर घायलों बलसिंहपुर निवासी विनोद कुमार पुत्र खेलावन, खैरी समैसा निवासी रामू पुत्र सम्भारी, राजापुर पेटरहा निवासी चंद्रशेखर पुत्र बुधई को क्षतिग्रस्त हो चुकी कार से कड़ी मशक्कत से बाहर निकाला।

सूचना मिलते ही नानपारा कोतवाल भानुप्रताप सिंह पुलिस बल व एम्बुलेंस के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को नानपारा सीएचसी पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद विनोद कुमार व चंद्रशेखर को मेडिकल कॉलेज रेफर किया।

शहर स्थित मेडिकल कालेज में चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद विनोद कुमार को मृत घोषित कर दिया। चंद्रशेखर का मेडिकल कॉलेज व रामू का नानपारा सीएचसी में इलाज चल रहा है। कोतवाल ने बताया कि राजापुर कतर्निया निवासी कमलेश पुत्र हरदेव की तहरीर पर स्कार्पियो चालक के विरूद्ध केस दर्ज किया गया है। लाशों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बुखार से बच्चे की मौत, भड़के परिजनों ने अस्पताल में किया हंगामा

सीतापुर। बुखार पीड़ित आठ महीने के बच्चे की जिला अस्पताल में मौत हो गई। गम व गुस्से में भड़के परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया है। उनका आरोप है कि गलत इंजेक्शन देने से बच्चे की मौत हो गई। बच्चे को डायरिया के बाद बुखार आने की शिकायत हुई थी। अस्पताल के डॉक्टरों व स्टाफ ने जैसे-तैसे मामला शांत कराया है।

परसदा गांव मछरेहटा निवासी लाल बाबू ने अपने आठ महीने के बेटे पवन को भर्ती कराया था। बच्चे को भर्ती कराते समय काफी गम्भीर हालत थी। उनका कहना है कि जब से उन्होंने भर्ती कराया डॉक्टर देखने नहीं आए। नर्स की इलाज करती रहीं। शुक्रवार की रात दो बजे के बाद बच्चे की हालत बिगड़ने लगी तो उन्होंने डॉक्टरों को बुलाने के लिए कहा कि मगर कोई डॉक्टर नहीं आए। स्टाफ नर्स ही एक बार आई। शनिवार की सुबह डॉक्टर आए और सामान्य तौर पर देखकर चले गए उन्होंने यह नहीं बताया कि बच्चा सीरियस है। लाल बाबू का आरोप है कि स्टाफ नर्स ने इंजेक्शन लगा दिया। इसके बाद बच्चे को झटके आने लगे। वह दौड़ते रहे मगर किसी ने राहत नहीं दी और बच्चे की सांस उखड़ गई। अस्पताल प्रशासन के अधिकारियों के मुताबिक डिहाइड्रेशन से बच्चे के गुर्दे पर भी असर था। बुखार तेज था। और झटके आ रहे थे। सीएमएस डॉ. आरके सिंह का कहना है कि आरोप बेबुनियाद हैं। बच्चे का हरसंभव इलाज किया गया है। घरवाले किसी झोलाछाप के यहां इलाज करवाकर लाए थे।

मसाज पार्लर में चल रहा था सेक्स रैकेट, चार गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ के गाजीपुर पुलिस ने मसाज पार्लर की आड़ लेकर चल रहे सैक्स रैकेट चलाने वाले चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जिसमें एक महिला भी शामिल है। एसीपी गाजीपुर सुनील कुमार शर्मा के मुताबिक आम्रपाली चौराहे के पास से बी-ब्लॉक निवासी सुशांत शर्मा, शैलेंद्र शर्मा और अरविंद जायसवाल को पकड़ा गया है। यह लोग मसाज पार्लर का संचालन करते हैं। पुलिस ने एक महिला को भी गिरफ्तार किया है। जो सेक्स रैकेट में शामिल थी। एसीपी के मुताबिक मसाज पार्लर में जबरन लाई गई एक महिला ने शिकायत की थी।

चार साल पहले होटल में आग से 8 लोगों की हुई थी मौत, 22 को क्लीन चिट

लखनऊ। चार साल पहले चारबाग के जिन दो होटलों में जलकर 8 लोगों की मौत हुई थी उस मामले आज तक एलडीए के किसी अधिकारी कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई। जो इंजीनियर, अधिकारी कर्मचारी आरोपी मिले उन सभी को क्लीन चिट मिल गई है। तत्कालीन अपर पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने अपनी जांच में 22 अधिकारियों को दोषी बताया था। अब एक एक कर सभी दोषमुक्त हो गए। कुछ रिटायर हो गए तो। कुछ का निधन हो गया। कुछ को इस आधार पर दोष मुक्त कर दिया गया कि वह बहुत अल्पावधि के लिए चारबाग योजना देखने के लिए तैनात

हुए थे।

18 जून 2018 की वह काली रात शायद ही लोग भूल पाए। इस दिन चारबाग के एसएसजे तथा विराट होटल में भीषण आग लगी थी। इसमें उसी समय 8 लोग जिंदा जल गए थे। जबकि कई लोग घायल हुए थे। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इसकी जांच तत्कालीन अपर पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा को सौंपी गई थी। तत्कालीन एलडीए उपाध्यक्ष प्रभु एन सिंह को भी उनके साथ जांच में शामिल किया गया था। अपर पुलिस महानिदेशक ने इसकी विस्तृत जांच की थी। करीब 600 पेज की जांच रिपोर्ट तैयार कराई थी। एक एक अधिकारी व कर्मचारी को बुलाकर उसका बयान दर्ज किया था।एलडीए के करीब 22 अधिकारी व इंजीनियर को उन्होंने दोषी करार दिया था। इसके लिए उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही की संस्तुति की थी। लेकिन अब इस मामले में लगभग लोगों को क्लीन चिट मिल गई है। कुछ इंजीनियरों व अधिकारियों का पहले ही निधन हो गया था। जिसकी वजह से उनका नाम हट गया था। कुछ लोग लंबी प्रक्रिया के चलते रिटायर हो गए। जो बचे थे किसी न किसी बहाने उन्हें भी इससे दोषमुक्त कर दिया गया है। जबकि राजीव कृष्णा ने अपनी जांच रिपोर्ट में सभी साक्ष्यों व गवाहों की सूची लगाई थी। अधिनियम व नियमों की सूची भी संलग्न की थी। सभी संकलित किए गए प्रपत्र, अभिलेखों तथा विभागों की रिपोर्ट भी लगाई गई थी।

एसएसजे होटल के वेब पेज एवं फेसबुक पेज में प्रकाशित हुक्का लाउंज व बार का चित्र, दोनों होटलों के नक्शे, विभागों की पत्रावली भी संलग्न कर इसके साथ भेजी थी। दोनों होटल अवैध तरीके से बने हुए थे। जिसे एलडीए के तत्कालीन अधिकारियों और कर्मचारियों, इंजीनियरों की शह पर बनाया गया था। इसके लिए उन्हें दोषी बताया गया था।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 4500 ऐडेड कॉलेजों में अनिवार्य होगी कम्प्यूटर शिक्षा

प्रयागराज। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत प्रदेशभर के 4500 से अधिक सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कम्प्यूटर शिक्षा अनिवार्य की जाएगी। इसके लिए शासन ने माध्यमिक शिक्षा विभाग के अफसरों से प्रस्ताव मांगा है। अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक डॉ. महेन्द्र देव ने सभी संयुक्त शिक्षा निदेशकों को 11 मई को पत्र लिखकर तय प्रारूप पर एक सप्ताह में सूचना मांगी है।

जिले में एडेड कॉलेजों का नाम, प्रवक्ता व सहायक अध्यापक के सृजित पद, अनुपयोगी पदों का विषयवार विवरण, कम्प्यूटर विषय की मान्यता की स्थिति (हाईस्कूल या इंटर) और कॉलेज में

कम्प्यूटर लैब स्थापित है या नहीं बिन्दुओं पर सूचना देनी है। इससे पहले सरकार ने एक दशक पहले सभी सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में आईसीटी योजना के तहत कम्प्यूटर शिक्षा शुरू की थी।

प्रत्येक स्कूल को 10-10 कम्प्यूटर देने के साथ निजी एजेंसियों के माध्यम से आउटसोर्स पर प्रतिमाह 15 हजार रुपये मानदेय पर कम्प्यूटर शिक्षक रखे गए थे।

लेकिन पांच साल बाद पूरी योजना बंद हो गई। अधिकांश स्कूलों में कम्प्यूटर लैब पर चार-पांच साल से ताला पड़ा है। कुछ स्कूलों में प्राइवेट शिक्षक पढ़ा रहे हैं जिनको मानदेय बच्चों से लेकर दिया जाता है।

कम्प्यूटर शिक्षकों की नियुक्ति की कवायद

कम्प्यूटर शिक्षा अनिवार्य करने के लिए सहायता प्राप्त माध्यमिक स्कूलों में नियमित कम्प्यूटर शिक्षकों की भी नियुक्ति करने की तैयारी है।

प्रदेश सरकार ने कम्प्यूटर शिक्षकों के पदसृजन के लिए भी माध्यमिक शिक्षा विभाग से प्रस्ताव मांगा है। जिन स्कूलों में कम्प्यूटर विषय/शिक्षा की मान्यता है और पढ़ाई हो रही है, उनकी सूची शासन को भेजी जा रही है।

गोंडा में तेज रफ्तार वाहन ने आधा दर्जन को रौंदा, एक की मौत

गोंडा। गोंडा जिले में रेतवागाड़ा गांव के निकट तेज रफ्तार वाहन के चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि परिवार के आधा दर्जन लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घर परिवार में कोहराम मच गया है। बताया जाता है कि परिवार के लोग मांगलिक कार्यक्रम में दावत खाने जा रहे थे। धानेपुर थाना क्षेत्र के रेतवागाड़ा खास गांव के रहने वाले मो रईश अपने पत्नी बच्चों व परिवार के अन्य सदस्यों के साथ शुक्रवार की देर शाम इमलिहवा मोड़ के पास आयोजित मांगलिक कार्यक्रम में दावत खाने पैदल जा रहे थे।बताया जाता है कि गोंडा उतरौला मुख्य मार्ग पर गांव से कुछ दूरी पर पहुंचे थे तभी पीछे से आ रहा एक तेज रफ्तार चौपहिया वाहन ने अनियंत्रित होकर रौंद दिया। जिसमें सभी लोग घायल हो गए। वाहन में फंसकर मो रईश कुछ दूर तक सड़क पर घिसट गए। जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। गंभीर रूप से घायल रईश को उपचार के लिए जिला मुख्यालय ले जा रहे थे रास्ते में दम तोड़ दिया।वहीं इस दुर्घटना में इनकी पत्नी फातिमा,बड़ी बेटी मुस्कान ,बेटा आमिर व छोटी बेटी माहिरा ,छोटे भाई की पत्नी अलीमुननिशा घायल हो गई।

चीन से टकराव पर दिखा दी दुनिया को भारत की ताकत : राजनाथ

एजेंसी

लखनऊ। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि 'इंडो-चाइना स्टैंडऑफ के बीच दुनिया को भारत की ताकत पता चल गई। भारत ने स्पष्ट संदेश दिया कि देश परिणाम की चिंता नहीं करता, आत्मसम्मान की रक्षा करना जानता है। निराला नगर स्थित एक होटल में लखनऊ इंटेलेक्चुअल फाउंडेशन की ओर से आयोजित 'नमस्ते लखनऊ विद राजनाथ सिंह में रक्षा मंत्री ने कहा कि देश आत्मनिर्भर बन रहा है। किसी भी देश की ताकत उसके रक्षा संसाधन और अर्थव्यवस्था से जानी जाती है। दोनों ही क्षेत्र में देश सशक्त हुआ। पहले छोटे से छोटे रक्षा उत्पाद के लिए भारत दूसरे देशों पर निर्भर था। अब देश ने दुनिया को बता दिया कि रक्षा उत्पाद भारत में ही बनेंगे। यदि तकनीकी का मसला फंसता है तो भी रक्षा उत्पाद विदेशी कंपनी को भारत की जमीन पर, भारतीय नागरिकों के हाथों से बनाना होगा। रक्षा मंत्री ने यहां प्रबुद्धजनों का सम्मान किया। साथ ही लोगों के सवालों का जवाब भी दिया। रक्षामंत्री ने कहा कि यह बात विपक्ष को भी माननी पड़ेगी कि जब से केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार बनी है, भारत की छवि अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत हुई है।

पहले अन्तरराष्ट्रीय पटल पर भारत की बात को गंभीरता से नहीं लिया जाता था। अब दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका भी भारत की बात सुनता और मानता है।

इस मौके पर रक्षा मंत्री ने नीना अग्रवाल, उमेश पाटिल, एलयू के कुलपति आलोक कुमार राय, प्रो एके त्रिपाठी, मीनाक्षी सिन्हा, भिक्षु अशोक, विद्या विन्दु सिंह को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

यमुना एक्सप्रेसवे पर हादसे रोकने को बनेगी नई कार्ययोजना

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे पर मई महीने में हुए दो बड़े हादसों के बाद सुरक्षा उपायों पर फिर से योजना बनेगी। इसमें तय लेन का पालन कराने, ओवरलोड वाहनों पर अंकुश, एंबुलेंस व पेट्रोलिंग वाहनों की बढ़ोतरी को शामिल किया जाएगा। इसके साथ ही जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। यमुना एक्सप्रेसवे प्रबंधन और यमुना प्राधिकरण मिलकर नए सिरे से कार्ययोजना बनाकर लागू करेंगे।

यमुना एक्सप्रेसवे पर मई महीने में दो बड़े हादसे हुए। एक हादसे में सात और दूसरे हादसे में पांच लोगों की जान चली गई। इन हादसों की वजह आगे चल रहे ओवरलोड वाहन रहे। इन हादसों के लिए इन्हीं वाहनों को जिम्मेदार माना जा रहा है। इन हादसों के बाद यमुना एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा उपायों की फिर समीक्षा करने की जरूरत पड़ी है। यमुना एक्सप्रेसवे प्रबंधक और यमुना प्राधिकरण

मिलकर नई कार्ययोजना बनाएंगे ताकि हादसों को रोका जा सके।

यीडा सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंहने कहा कि यमुना एक्सप्रेसवे पर मई में दो बड़े हादसे हुए हैं। इन हादसों पर अंकुश लगाने के लिए कई उपाय किए जाएंगे। नई कार्ययोजना भी बना रहे हैं।

सीएम के समक्ष उठा मुद्दा

लखनऊ में गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क सुरक्षा को लेकर बैठक की थी। इस बैठक में भी यमुना एक्सप्रेसवे का मुद्दा उठा था। मुख्यमंत्री को एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा के लिए किए गए उपायों को बताया गया। आगामी योजनाओं के बारे में भी बताया गया।

इन कामों पर रहेगा जोर

1. एक्सप्रेसवे पर आवेरलोड वाहनों पर अंकुश लगाया जाएगा। अभी ओवरलोड वाहनों के कारण हादसे होते हैं। इसके लिए यहां पर इलेक्ट्रिक मशीनें लगाई जाएंगी ताकि उनका वजन किया जा सके।
2. एक्सप्रेसवे पर पर ओवरटेकिंग लेन, भारी वाहनों की लेन, हल्के वाहनों की लेन तय है। इसके बावजूद इसका पालन नहीं किया जाता है। लेन का पालन कराने के लिए योजना बनेगी। कैमरों के जरिये इस पर निगाह रखी जाएगी। ऐसे वाहन चालकों पर भारी जुर्माना लगेगा जो लेन के नियम का उल्लंघन करेंगे।
3. यहां पर जागरूकता के अभाव में भी हादसे होते हैं। एक्सप्रेसवे पर चलने वालों के लिए जागरूकता अभियान चलेगा। इसमें गति, लेन सिस्टम आदि के बारे में बताया जाएगा। पंफ्लेट बांटे जाएंगे। टोल प्लाजा पर रुकने वाले चालकों को इस बारे में बताया जाएगा ताकि लोग वाहन चलाते समय जागरूक रहें।
4. यमुना एक्सप्रेसवे पर पेट्रोलिंग व एंबुलेंस की संख्या दोगुनी की जाएगी ताकि हताहत लोगों को बहुत जल्द सहायता मिल सके। इसके अलावा एक्सप्रेसवे पर पुलिस थाने बनाए जाएंगे।

भाजपा सरकार के गरीब और किसान हितैषी होने के झूठे दावों की खुली पोल : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि चुनाव के बाद रोजमर्रा के उपयोग की हर वस्तु मंहगी होने के कारण आम आदमी की गुजर बसर बेहद मुश्किल हो गयी है। देश और प्रदेश में इस स्थिति से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार के गरीब और किसान हितैषी होने के झूठे दावों की पोल खुल गई है।

अखिलेश के हवाले से शनिवार को सपा की ओर से जारी बयान में उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले किसानों की आय दुगनी करने, उनका सम्मान करने तथा गरीबों के चूल्हे ठण्डे न होने देने के बड़े-बड़े एलान किए गए थे। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेवाई) में गेहूं का कोटा रद्द करने का निर्णय हो गया है। जून महीने से गरीबों को गेहूं की जगह चावल बंटेगा। अभी तक 03 किलो गेहूं और 02 किलो चावल बांटने का ढिंढोरा पीटा जा रहा था। चुनाव खत्म होने के बाद किसानों से सम्मान निधि की राशि वापस किये जाने की नोटिसें जारी हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने इस बार गेहूं खरीद में किसानों के हितों के ऊपर उद्योगपतियों के लाभ को प्राथमिकता दी।

गेहूं की सरकारी खरीद की जगह 05 बड़ी कंपनियों को गेहूं बिकवा दिया गया। उत्तर प्रदेश में गेहूं खरीद का लक्ष्य 60 लाख मीट्रिक टन था जबकि मात्र 2.35 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई।

खरीद केन्द्र पर कम खरीद के अलावा गेहूं उत्पादन कम होने की भी खबर है। इसके परिणाम स्वरूप बाजार में आटा और महंगा होगा। इससे बड़े उद्योगपतियों और उनकी कम्पनियों का मुनाफा बढ़ेगा।

सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि वस्तुत: भाजपा की मंशा किसानों को फायदा पहुंचाने की न कभी थी, और न है। अगर सरकार किसानों को गेहूं का लाभकारी मूल्य देना चाहती थी तो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) कम से कम 2500 रुपए प्रति कुंतल होना चाहिए था। सरकारी क्रय केन्द्रों पर किसानों को परेशान किया जाता रहा है।

अखिलेश ने कहा कि आम लोगों की रोटी पर आटा माफियाओं का गैर कानूनी कब्जा होता जा रहा है। भाजपा गरीब को ही मिटाने की चाल चल रही है। भाजपा के आर्थिक एजेण्डे में न किसान है और न गरीब उपभोक्ता। भाजपा अपने जन्मकाल से ही किसान विरोधी रही है।

महापरिनिर्वाण स्थली पर स्वर्णाक्षरित होगा बुद्ध का प्राकट्य पर्व : योगी

कुशीनगर। पूरी दुनिया को सत्य, अहिंसा, प्रेम व मानवता का संदेश देने वाले तथागत भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर में उनके प्राकट्य पर्व (बुद्ध जयंती या बुद्ध पूर्णिमा) के पावन पर्व पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को स्वर्णाक्षरों में दर्ज कराने की तैयारी है। यह पहला अवसर होगा जब देश के कोई प्रधानमंत्री बुद्ध जयंती पर उनके महापरिनिर्वाण स्थली पर उनकी आराधना करेंगे।

पीएम इसी दिन वाया कुशीनगर भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुम्बिनी (नेपाल) भी जाएंगे। सोमवार को बुद्ध पूर्णिमा पर कुशीनगर में प्रधानमंत्री का कार्यक्रम ऐतिहासिक बनाने में कोई कोर कसर न रहे, इसे लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को

महापरिनिर्वाण स्थली पहुंच तैयारियों व सुरक्षा व्यवस्था का सघन जायजा लिया। एक-एक बिंदु की पड़ताल की और अधिकारियों को जरूरी दिशानिर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के आगमन पर हर व्यवस्था चाक चौबंद होनी चाहिए।

सोमवार को कुशीनगर और लुम्बिनी की पीएम मोदी की यात्रा के मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, शनिवार को वाराणसी से सीधे कुशीनगर पहुंचे। उन्होंने पीएम के लिए बने हेलीपैड से लेकर मुख्य महापरिनिर्वाण मंदिर तक पूरी व्यवस्था की बारीकी से परख की। तैयारियों का जायजा लेने के दौरान सीएम योगी ने महापरिनिर्वाण मंदिर में भगवान बुद्ध की प्रतिमा समक्ष पूजा करने के साथ ही चीवर भी चढ़ाया। इसके बाद उन्होंने कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट परिसर में प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों और सुरक्षा इंतजाम पर चर्चा की तथा जरूरी निर्देश दिए।

शार्ट न्यूज

जिंसों में टिकाव

नयी दिल्ली। स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर पड़ने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव में स्थिरता रही। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में भी टिकाव रहा। इस दौरान चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। अनाज : अनाज मंडी में स्थिरता रही। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : चना 4600-4700, दाल चना 5600-5700, मसूर काली 8700-8800, मूंग दाल 8900-9000, उड़द दाल 9950-10050, अरहर दाल 8400-8500 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2300-2400 रुपये और चावल=2550-2650 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3560-3670, चीनी एम. 3740-3840, मिल डिलीवरी 3440-3540 और गुड़ 3400-3500 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल : सरसों तेल 19341 रुपये, मूंगफली तेल 20512 रुपये, सूरजमुखी तेल 21245 रुपये, सोया रिफाइंड 18754 रुपये, पाम ऑयल 17582 रुपये और वनस्पति तेल 19047 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

कूमी का वित्त वर्ष 2021-22 का शुद्ध लाभ 17 प्रतिशत बढ़कर 333 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। मुरुगप्पा समूह की कंपनी कूमी ने 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वित्त वर्ष में 17 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 333 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ कमाया है। इससे पहले वित्त वर्ष में कंपनी का समेकित शुद्ध लाभ 284 करोड़ रुपये था। कंपनी ने शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति में बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 में उसकी बिक्री 26 प्रतिशत बढ़कर 3,290 करोड़ रुपये रही जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में यह 2,604 करोड़ रुपये थी। अलोच्य वित्त वर्ष में एकल आधार पर कंपनी की बिक्री 33 प्रतिशत बढ़कर 2,192 करोड़ रुपये रही। इससे पिछले वित्त वर्ष यह 1,649 करोड़ रुपये थी। कंपनी का वित्त वर्ष 2021-22 में समेकित पूंजीगत व्यय 170 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने बताया कि 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वित्त वर्ष में उसका मुक्त नगदी प्रवाह (एफसीएफ) 118 करोड़ रुपये रहा जो शुद्ध लाभ का 35 प्रतिशत है और इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में कम है। वित्तवर्ष 2020-21 में कंपनी का एफसीएफ उस वर्ष के शुद्ध लाभ का 133 प्रतिशत था। कंपनी ने निदेशक मंडल ने 31 मार्च 2022 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए एक रुपये के मूल्य वाले शेयर पर प्रति शेयर दो रुपये (200 प्रतिशत) की दर से अतिरिक्त लाभांश देने की सिफारिश की है। कंपनी ने इससे पहले 1.50 रुपये प्रति शेयर की दर से अंतरिम लाभांश देने की घोषणा की थी। इस तरह कुल लाभांश 3.50 रुपये प्रति शेयर देने का प्रस्ताव है।

गेहूँ निर्यात पर लगी रोक

नयी दिल्ली। भारत ने खाद्य सुरक्षा का हवाला देते हुये देश से गेहूँ निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। गेहूँ निर्यात नीति को संशोधित करते हुये इस संबंध में सरकार ने एक अधिसूचना जारी की है जिसमें कहा गया है कि गेहूँ की वैश्विक कीमतों में अचानक तेजी आयी है जिससे भारत की खाद्य सुरक्षा के साथ ही पड़ोसी और अन्य कमजोर देशों के लिए जोखिम उत्पन्न हो गया है। इस नीति में यह बदलाव ऐसे समय में की गयी है जब सरकार ने कल ही कहा था कि गेहूँ निर्यात को बढ़ावा देने के लिए वह एक प्रतिनिधिमंडल को मारोक्को, टुनिशिया, इंडोनेशिया, फीलिपीन्स, थाईलैंड, वियतनाम, तुर्की, अलजेरिया और लेबनान भेजेगी। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने इस रोक को लेकर कल एक आदेश जारी किया था जिसमें कहा गया था जहां आईसीएलसी जारी किये जा चुके हैं उसके लिए निर्यात की व्यवस्था की जायेगी। इसमें कहा गया है कि भारत सरकार की अनुमति पर ऐसे देशों को गेहूँ निर्यात की अनुमति दी जायेगी जिसको खाद्य सुरक्षा की जरूरत है और संबंधित देश की सरकार ने ने इस तरह का आग्रह किया है।

पेट्रोल-डीजल के दाम 38वें दिन भी स्थिर

नयी दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने देश में शनिवार को भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की, जिसके कारण लगातार 38वें दिन ईंधन के दाम स्थिर रहें। सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 104.77 रुपये प्रति लीटर है। यूक्रेन तथा रूस के बीच जारी जंग से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में घटत-बढ़त जारी है। अंतरराष्ट्रीय लंदन ब्रेंट क्रूड आज 111.55 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 3.80 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 110.16 डॉलर प्रति बैरल की कीमत पर कारोबार कर रहा है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिन की स्थिरता के बाद गत 22 मार्च से बढ़नी शुरू हुई थीं। कंपनियों ने 47 दिन में 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की। इस दौरान इनके दामों में करीब 10 रुपये प्रति लीटर की तेजी आयी है।

दमानी की कंपनी को बड़ा मुनाफा, खर्च बढ़ा तो कमाई में भी इजाफा

नई दिल्ली। अरबपति राधाकिशन दमानी की रिटेल कंपनी डी-मार्ट का संचालन करने वाली एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड को बड़ा मुनाफा हुआ है। मार्च 2022 में खत्म चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 3.11 फीसदी वृद्धि के साथ 426.75 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले जनवरी-मार्च तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 413.87 करोड़ रुपये था। वहीं, इस तिमाही में परिचालन से प्राप्त राजस्व 18.55 फीसदी बढ़कर 8,786.45 करोड़ रुपये हो गया जो पिछले वित्त वर्ष में 7,411.68 करोड़ रुपये था। वहीं कुल खर्च 18.71 फीसदी बढ़कर 8,210.13 करोड़ रुपये हो गया जो पिछले वर्ष 6,916.24 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी का शुद्ध लाभ 35.74 फीसदी बढ़कर 1,492.40 करोड़ रुपये हो गया जो वर्ष 2020-21 में 1,099.43 करोड़ रुपये था। इसी तरह वित्त वर्ष 2021-22 में परिचालन से प्राप्त राजस्व 28.3 फीसदी बढ़कर 30,976.27 करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले 24,143.06 करोड़ रुपये था। एवेन्यू सुपरमार्ट्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक नेविल नोरोन्हा ने कहा कि तिमाही प्रदर्शन और बीते दो साल में मिले अनुभवों ने कारोबार के जुझारूपन और कम अवधि में पुनरुद्धार को लेकर हमारे भीतर भरोसा जगाया है।

6.5 करोड़ नौकरीपेशा के खाते में पैसे जमा करेगी सरकार, इस नंबर पर आप चेक कर सकते हैं बैलेंस

नई दिल्ली। प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले करोड़ों लोगों को जल्द ही कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानी ईपीएफओ की ओर से तोहफा मिलने वाला है। अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पीएफ पर ब्याज दर कम होने के कारण इसे दिसंबर से पहले जमा किया जा सकता है। अभी वित्त मंत्रालय की मुहर लगने में ही देरी हो रही है। चूंकि, इस समय 43 साल में पीएफ पर सबसे कम ब्याज मिल रहा है, इसलिए जल्द ही इसे वित्त मंत्रालय से मंजूरी मिलने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद ईपीएफओ मेंबर्स के पीएफ खाते में कभी भी ब्याज जमा किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार अगले महीने की समाप्ति से पहले यानी 30 जून से पहले कभी भी पीएफ खाताधारकों को ब्याज का पैसा ट्रांसफर कर सकती है। खबर यह भी है कि EPFO दशहरे के त्योहारी सीजन से पहले ब्याज का पैसा क्रेडिट कर सकता है। हालांकि, इस बारे में ईपीएफओ की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है और न ही सरकार ने अभी तक कोई घोषणा की है। आम तौर पर पीएफ ब्याज साल के अंत में जमा किया जाता है।

शक्कर में खरीदी, खाद्य तेल मजबूत, दलहन- दाल में गिरावट, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में खरीदी बताई गई। खाद्य तेल मजबूत रहे। दलहन गिरावट लिए बताए गए। दालों में ग्राहकी सुस्त रही। इससे भाव घटे। चावल में खरीदी बताई गई।

किराना बाजार

शक्कर में उठाव बताया गया। आज शक्कर में कामकाज 3600 से 3640 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 8 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला तथा बूरा मांग बताई गई। हल्दी में उठाव रहा।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल मजबूत रहे। आज मूंगफली तेल तथा सोयाबीन रिफाइंड ऊंचा बिका। तिलहन में सरसों में प्लान्टो की लिवाली रही।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन नरमी लिए बताए गए। दालों में लिवाली सुस्ती से गिरावट दर्ज की गई। चावल में उठाव बना बताया गया।

किराना

शक्कर 3600 से 3640 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 200 से 220 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2200 से 4000 रुपये प्रति 15 किलोग्राम।

हल्दी खडी 115 से 165 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 4300 से 5400, पैकिंग में 5800 से 6000 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 6500 से 6600, रायडा 6300 से 6400 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1610 से 1630, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1580 से 1585, सोयाबीन साल्वेंट 1555 से 1560, पाम तेल 1665 से 1670 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

तुअर निमाड़ी 5500 से 6100, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 6200 से 6300, तुअर (कर्नाटक) 6500 से 6600, चना (कांटा) 4825 से 4850, मसूर 6650 से 6700, मूंग 6500 से 6550, मूंग हल्की 6000 से 6400, उड़द 6900 से 7000, उड़द मीडियम 5500 से 6200, उड़द हल्की 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

दाल

चना दाल 5800 से 6300, तुअर दाल सवा नंबर 8200 से 8300, तुअर दाल फूल 8400 से 8600, तुअर दाल नई 8900 से 9600, आयातित तुअर दाल 8000 से 8100, मसूर दाल 7850 से 8150, मूंग दाल 8400 से 8700, मूंग मोगर 8500 से 8800, उड़द दाल 8300 से 8600, उड़द मोगर 9100 से 9500 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10000 से 11000, तिबार 8000 से 8500, दुबार 7000 से 7500, मिनी दुबार 6500 से 7000, मोगरा 3500 से 4500, बासमती सैला 6500 से 9000, कालीमूंछ 7500 से 8000, राजभोग 6500 से 7000, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2500 से 2650, हंसा सैला 2450 से 2650, हंसा सफेद 2350 से 2450, पोहा 3700 से 4100 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा-मैदा

रवा 1400 से 1410, मैदा 1350 से 1360, आटा 1310 से 1320, चना बेसन 3225 से 3250 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध इसकी बढ़ती कीमतों के मद्देनजर लगाया गया : सरकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने शनिवार को कहा कि देश में गेहूं की पर्याप्त उपलब्धता है और इसके निर्यात पर प्रतिबंध इसकी बढ़ती कीमतों के मद्देनजर लगाया गया है।

केन्द्रीय खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय, वाणिज्य सचिव बी वी आर सुब्रमण्यम और कृषि सचिव मनोज आहूजा ने यहां संवाददाताओं से कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं की

कीमत बढ़ रही थी जिसके मद्देनजर देश में भी इसके भाव में इजाफा हो रहा था। इसे देखते हुए सरकार ने जनहित में इसके निर्यात पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया।

इन वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि गेहूं का दाम घरेलू बाजार में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से ऊपर बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों, खाद्यान्न संकट के खतरे का सामना कर रहे देशों और पुराने निर्यात के आर्डर को पूरा करने के लिए गेहूं का निर्यात जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि खाद्यान्न की कीमतें बाजार की भावना से भी प्रभावित होती हैं और अंतरराष्ट्रीय बाजार से गेहूं की कीमत बढ़ने से देश में गेहूं की कीमत भावना मजबूती की है, इसलिए इसके भाव पर असर पड़ रहा है। इसे देखते हुए सरकार ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया।

पांडे ने कहा कि इस वर्ष मार्च-अपैल में तापमान सामान्य से अधिक हो जाने की वजह से गेहूं की पैदावार पर कुछ असर पड़ा है लेकिन उत्पादन में किसी बड़ी गिरावट की आशंका नहीं है।

उन्होंने कहा कि बाजार में गेहूं का भाव एमएसपी से ऊपर होने के कारण इस वर्ष गेहूं की सरकारी खरीद में कुछ कमी रह सकती है।

उन्होंने कहा कि गेहूं की सरकारी खरीद पर असर को देखते हुए उन राज्यों में जहां सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गेहूं और चावल दोनों वितरित किया जाता था, वहां की सरकारों से विचार-विमर्श करके गेहूं का वितरण कुछ कम करके चावल का हिस्सा बढ़ाया जा रहा है।

हरियाणा में मारूति सुजुकी करेगी 11 हजार करोड़ का निवेश

नयी दिल्ली। यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने हरियाण के सोनीपत जिले में स्थित आईएमटी खरखोदा में 11 हजार करोड़ रुपये के निवेश से विनिर्माण संयंत्र लगाने की घोषणा की है जहां वर्ष 2025 तक उत्पादन शुरू होने का अनुमान है। कंपनी ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि प्रस्तावित क्षमता विस्तार के लिए हरियाणा सरकार के साथ वार्ता चल रही थी।

जबलपुर हवाई अड्डे को मिलेगा नया टर्मिनल भवन

नयी दिल्ली। मध्य प्रदेश के शहर जबलपुर के हवाई अड्डे पर यात्री यातायात में बढ़ोतरी को देखते हुए स्थानीय कला और संस्कृति का प्रदर्शन करते हुए बढ़ी हुई क्षमता के साथ नए टर्मिनल भवन का निर्माण किया जाएगा। विश्व स्तरीय यात्री सुविधाओं वाले इस टर्मिनल भवन में व्यस्त समय के दौरान 500 यात्रियों को संभालने की क्षमता होगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि 1,15,315 वर्ग फुट के क्षेत्र में फैले इस टर्मिनल भवन में तीन एयरोब्रिज, उन्नत समान जांच प्रणाली, आधुनिक जलपान गृह और 300 से अधिक कारों और बसों के लिए सुनियोजित पार्किंग होगी। यात्रियों के लिए प्रस्तावित टर्मिनल भवन में जीवंत गोंड पेंटिंग, स्थानीय हस्तशिल्प, भित्ति चित्र और मध्य प्रदेश के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों की झलक भी होगी। मंत्रालय ने कहा कि हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल के निर्माण के अतिरिक्त उन्नयन कार्य में एबी-320 प्रकार के विमानों के संचालन को पूरा करने के लिए नया टर्मिनल भवन, एटीसी टॉवर, तकनीकी ब्लॉक, अग्निशमन केंद्र श्रेणी VII, अन्य भवनों का निर्माण और रनवे एवं इससे संबंधित कार्यों का विस्तार किया जाएगा। हवाई अड्डे में नए टर्मिनल भवन के निर्माण के अलावा उन्नयन कार्य की परियोजना में 412 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

परियोजना के पूरा होने की संभावित तारीख दिसंबर 2022 है और नए टर्मिनल भवन के मार्च 2023 तक चालू होने की संभावना है। मध्य प्रदेश सरकार ने वर्ष 2015 में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को विकास कार्यों के लिए 483 एकड़ भूमि सौंपी थी जिससे कुल मिलाकर भूमि 774 एकड़ भूमि हो गई।

एसबीआई का चौथी तिमाही का लाभ 41.28 प्रतिशत उछलकर 9,114 करोड़ रुपये

एजेंसी

मुंबई। देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने शुक्रवार को जारी वित्तीय परिणाम में 31 मार्च, 2022 को समाप्त हुयी चौथी तिमाही में 41.28 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 9,114 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दिखाया है। पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में बैंक का शुद्ध लाभ 55.19 प्रतिशत बढ़कर 31,676 करोड़ रुपये रहा। एसबीआई का शेयरपूंजी पर प्रतिफल (आरओई) वित्त वर्ष 2021-22 में 13.92 प्रतिशत रहा जो एक साल पहले से 3.98 प्रतिशत ऊंचा है। चौथी तिमाही में बैंक की घरेलू शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) एक साल पहले की इसी अवधि की तुलना में

0.29 प्रतिशत बढ़कर 3.40 प्रतिशत रही। इस दौरान एसबीआई की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) में 15.26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। एसबीआई का चौथी तिमाही में परिचालन लाभ 19,717 करोड़ रुपये रहा जबकि बैंक ने पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में 5.22 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 75,292 करोड़ रुपये का परिचालन लाभ दर्शाया। चौथी तिमाही में सलाना आधार पर एक साल पहले की तुलना में बैंक का समग्र ऋण कारोबार 11 प्रतिशत ऊंचा रहा। घरेलू बाजार में ऋण में 10.27 प्रतिशत की वृद्धि रही। ऋण कारोबार में खुदरा व्यक्तिगत ऋण का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसमें वर्ष के दौरान 15.11 प्रतिशत की वृद्धि रही। एसबीआई के विदेश कार्यालयों का ऋण कारोबार 15.42 प्रतिशत बढ़ा। एसबीआई का खुदरा ऋण व्यवसाय 10 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया है। वर्ष के दौरान एसबीआई के गृह ऋण कारोबार में वार्षिक आधार पर 11.49 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। बैंक का कॉरपोरेट ऋण चौथी तिमाही में एक साल पहले की तुलना में 6.35 प्रतिशत ऊंचा रहा जबकि इससे पिछली तिमाही की तुलना में इसमें 11.15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। मार्च, 2022 के अंत में बैंक की जमा राशि 40,51,534 करोड़ रुपये रही जो सालाना आधार पर 10.06 प्रतिशत अधिक है। तिमाही आधार पर जमा में 5.29 प्रतिशत की वृद्धि रही। एसबीआई का वित्त वर्ष 2021-22 के अंत में सकल अवरुद्ध ऋण (एनपीए) 1.01 प्रतिशत घटकर 3.97 प्रतिशत रहा जबकि मार्च, 2021 के अंत में यह 4.98 प्रतिशत था। बैंक का शुद्ध एनपीए एक साल पहले के 1.5 प्रतिशत से घटकर 1.02 प्रतिशत रहा। कंपनी के निदेशक मंडल ने प्रति शेयर 7.10 प्रति शेयर का लाभांश देने की घोषणा की है और इसके लिए रिकॉर्ड की तारीख 26 मार्च, 2022 है।

बिजली वितरण क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए साथ आई टाटा पावर-डीडीएल, सीबीआईपी

नयी दिल्ली। उत्तरी दिल्ली में बिजली की आपूर्ति करने वाली टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टाटा पावर-डीडीएल) ने बिजली वितरण के क्षेत्र में क्षमता निर्माण प्रशिक्षण और कौशल विकास के लिए सेंट्रल बोर्ड ऑफ इरीगेशन एंड पावर (सीबीआईपी) के साथ करार किया है।

टाटा पावर-डीडीएल 70 लाख से ज्यादा आबादी को बिजली की आपूर्ति करती है।

टाटा पावर ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस समझौते का मुख्य मकसद बिजली क्षेत्र के पेशेवरों को स्मार्ट ग्रिड, ग्रिड आटोमेशन, इलेक्ट्रिक व्हीकल और चार्जिंग ढांचा, आईओटी, एआई एंड एमएल का ड्रोन तकनीक से एकीकरण आदि के बारे में उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रमों से कौशल विकास के अवसर देना है।

कंपनी ने कहा कि कार्यस्थल के लिए बनाए गए खास कार्यक्रम और कैलेंडर प्रशिक्षण कार्यक्रम के अलावा टाटा पावर-डीडीएल और सीबीआईपी स्मार्ट तकनीकों, इलेक्ट्रिक वाहन और चार्जिंग ढांचे, नवीकरणीय तकनीक, ग्रिड एकीकरण तकनीक और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में संयुक्त शोध और विकास गतिविधियों पर भी काम करेंगे।

टाटा पावर-डीडीएल के एचआर, आईआर एवं स्वास्थ्य सेवाओं के प्रमुख सुबीर वर्मा ने कहा, बिजली क्षेत्र जड़ से ऊपर तक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। हम टाटा पावर-डीडीएल में बदलते हुए वातावरण में ज्ञान एवं प्रतिभा के भंडार से बिजली क्षेत्र के समूचे तंत्र को मज़बूत करने के लिए वचनबद्ध हैं। हमें विश्वास है कि सीबीआईपी के साथ हमारा सहयोग इस क्षेत्र के पेशेवरों के लिए बहुत लाभदायक साबित होगा, ज्ञान एवं श्रेष्ठ प्रथाओं के आदान-प्रदान के लिए एक मंच साबित होगा।

वीडियोटेक्स इंटरनेशनल ग्रेटर नोएडा में करेगा 100 करोड़ रुपये का निवेश, युवाओं को मिलेगा रोजगार

एजेंसी

नई दिल्ली। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग कंपनी वीडियोटेक्स इंटरनेशनल ने शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा में एक नए प्लांट के तहत 100 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना के बारे में ऐलान किया है। दरअसल, कंपनी नई एलईडी टीवी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी स्थापित करने जा रही है। इसके लिए कंपनी की अगले दो सालों में 100 करोड़ से अधिक का निवेश करने की योजना है। इसके साथ ही कंपनी ग्रेटर नोएडा में अपनी मौजूदा कैपासिटी को अपग्रेड करेगी।

नई नौकरियां जनरेट होंगी

इस योजना के तहत कई लोगों को रोजगार मिलेगा। वीडियोटेक्स नई हायरिंग भी करेगी। इसमें मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स, बैक ऑफिस आदि के कर्मचारी शामिल हैं। इतना ही नहीं कैपासिटी बढ़ने से कंपनी से जुड़े विक्रेताओं के लिए नौकरी के नए अवसर आएंगे। बता दें कि वीडियोटेक्स इंटरनेशनल का टारगेट भारत के मेक इन इंडिया मैन्युफैक्चरिंग दृष्टिकोण के साथ रोजगार पैदा करना और एक मजबूत इकोसिस्टम प्लांट का निर्माण करना है।

क्या है कंपनी की योजना?

यह कंपनी 1,20,000 + sq.ft. का स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी स्थापित करेगी। यहां नई तकनीक के साथ काम होगा।

डिजिटलीकरण, मैन्युफैक्चरिंग में हाई इफिशिएंटी के लिए प्रक्रियाओं और वर्कफ्लो को स्वचालित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कंपनी का टारगेट इसे भारतीय कंज्यमूर टिकाऊ वस्तुओं के सेक्टर में सबसे बड़े और सबसे उन्नत एलईडी टीवी/स्मार्ट टीवी निर्माण कारखाना बनाना है।

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस फोर्ब्स की 'ग्लोबल 2000' लिस्ट में टॉप पोजिशन पर, अडानी-टाटा इतने नंबर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। फोर्ब्स की दुनिया भर की कंपनियों की नवीनतम 'ग्लोबल 2000' सूची में उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड दो पायदान चढ़कर 53वें स्थान पर पहुंच गई है। फोर्ब्स ने 2022 के लिए शीर्ष 2,000 कंपनियों की रैंकिंग जारी करते हुए बताया कि इस सूची में दुनिया भर की सबसे बड़ी कंपनियां स्थान पाती हैं जिसके लिए उन्हें बिक्री, लाभ, परिसंपत्ति और बाजार मूल्यांकन जैसे मानकों पर परखा जाता है।

इस सूची में रिलायंस ने भारतीय कंपनियों में शीर्ष स्थान पाया है। इसके बाद 105वें स्थान पर भारतीय स्टेट बैंक, 153वें स्थान पर एचडीएफसी बैंक और 204वें स्थान पर आईसीआईसीआई बैंक है।

जानें अन्य कंपनियां कितने पायदान पर हैं

इस सूची में शामिल अन्य प्रमुख भारतीय कंपनियों में सार्वजनिक क्षेत्र की ओएनजीसी (228वीं रैंक), एचडीएफसी लिमिटेड (268वीं रैंक), इंडियन ऑयल (357वीं रैंक), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस लिमिटेड (384वीं रैंक), टाटा स्टील (407वीं रैंक) और एक्सिस बैंक (431वीं रैंक) शामिल हैं। फोर्ब्स ने कहा, ''इस साल सूचीबद्ध कंपनियों की ग्लोबल 2000 सूची में ऊर्जा और बैंकिंग क्षेत्र की कंपनियां सर्वोच्च

रैंक पाने वाली भारतीय कंपनियों में शामिल हैं।'' रिलायंस की अप्रैल 2021 से मार्च 2022 के बीच बिक्री 104.6 अरब डॉलर रही और यह ऐसी पहली भारतीय कंपनी बन गई है जिसका सालाना राजस्व 100 अरब डॉलर से अधिक है। फोर्ब्स ने कहा, ''ग्लोबल 2000 में दुनियाभर की सभी सूचीबद्ध कंपनियों में से रिलायंस दो पायदान चढ़कर 53वें स्थान पर आ गई। भारतीय कंपनियों में यह पहले स्थान पर है। इस साल की शुरुआत में फोर्ब्स ने अंबानी की कुल संपत्ति 90.7 अरब डॉलर रहने का अनुमान लगाया था जिसके साथ वह इस साल के अरबपतियों की सूची में दसवें स्थान पर हैं।''

अडानी की कंपनी भी लिस्ट में

एसबीआई 56.12 अरब डॉलर के बाजार पूंजीकरण के साथ भारत की बड़ी कंपनियों के मामले में दूसरे स्थान पर है।

उसके बाद निजी क्षेत्र के बैंक आईसीआईसीआई और एचडीएफसी हैं। इस सूची में जुड़ने वाली नई कंपनियों में गौतम अडानी की अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड और अडानी टोटल गैस लिमिटेड शामिल हैं।

फोर्ब्स ने कहा, ''अडानी तब सुर्खियों में आए थे जब वह इतिहास के सबसे अमीर एशियाई अरबपति बने। उन्होंने साल की शुरुआत में वॉरेन बफे को पीछे छोड़ दिया और दुनिया के पांचवे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए।'

'इस सूची में अडानी एंटरप्राइजेज 1,453वें स्थान पर, अडाणी पोर्ट्स ऐंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन 1,568वें पर, अडानी ग्रीन एनर्जी 1,570वें पर, अडानी ट्रांसमिशन 1,705वें स्थान पर और अडानी टोटल गैस 1,746वें स्थान पर है।

वेदांता लिमिटेड ने सूची में उल्लेखनीय बढ़त पाई है, वह 703 स्थान की छलांग लगाकर 593वें नंबर काबिज हो गई है।

शार्ट न्यूज

18 मई से शुरू हो सकती है जम्मू प्रीमियर लीग

जम्मू। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में युवा क्रिकेटिंग प्रतिभाओं को ढूंढने और उन्हें बढ़ावा देने के लिये भारतीय सेना 18 मई से 'जम्मू प्रीमियर लीग' की शुरुआत कर सकती है। यह टूर्नामेंट नागरोटा के व्हाइट नाइट कोर के बैनर तले आयोजित किया जा रहा है। सेना के एक अधिकारी ने यहां शनिवार को कहा, जम्मू के दूर-दराज़ के इलाकों में मौजूद क्रिकेटिंग प्रतिभाओं के कौशल को एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय सेना व्हाइट नाइट कोर के तत्वावधान में जम्मू प्रीमियर लीग का आयोजन कर रही है। उन्होंने कहा कि जम्मू, कठुआ, साम्बा, उधमपुर, रियासी, रामबन, डोडा, किश्तवार, पूंछ और राजौरी की टीमें टी20 फॉर्मेट में एक दूसरे के खिलाफ खेलेंगी। अधिकारी ने कहा, मैच तीन चरणों में खेले जाएंगे। सेमीफाइनल और फाइनल क्रमश 13 व 14 जून को खेले जाएंगे।

शारीरिक गतिविधियों में हिस्सा लें युवा : धूमल

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता प्रेम कुमार धूमल ने शनिवार को राज्य के युवाओं और बच्चों से शारीरिक गतिविधियों और खासकर खेलों में हिस्सा लेने के लिये अनुरोध किया। धूमल ने यह बात यहां कृत्रिम मैदान में 30वीं वार्षिक हिमाचल प्रदेश एथलेटिक मीट में कही, जिसमें राज्य के अलग-अलग हिस्सों से करीब 450 एथलीट अलग-अलग खेलों में हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति को व्यायाम के लिये रोज़ मैदान आना चाहिये क्योंकि पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी ज़रूरी हैं। उन्होंने कहा कि जो खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में तरक्की करते हैं वह न सिर्फ अपने परिवार के लिये बल्कि अपने राज्य और देश के लिये भी गौरव के पात्र होते हैं। धूमल ने युवाओं से ड्रग्स से दूरी बनाये रखने के लिये कहा क्योंकि ड्रग्स समाज और राष्ट्र को नुकसान पहुंचा रहे हैं। एथलेटिक्स मीट की पहली स्पर्धा में हमीरपुर की शिवाली ने 10,000 मीटर रेस में स्वर्ण पदक हासिल किया।

ऑगर-एलियासेम को हराकर जोकोविच नंबर एक पर लौटे

रोम। सर्बिया के टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच कनाडा के फेलिक्स ऑगर-एलियासेम को इटालियन ओपन के क्वार्टरफाइनल में हराकर एटीपी लाइव रैंकिंग में पहले स्थान पर लौट आये हैं। जोकोविच ने शुक्रवार को ऑगर-एलियासेम को 7-5, 7-6(1) से हराया और 370वें हफ्ते के लिये पुरुष टेनिस के शीर्ष पर अपनी जगह सुनिश्चित की। जोकोविच ने क्वार्टरफाइनल जीतने के बाद कहा, मुझे लगा कि यह एक उच्च-स्तरीय मैच था। उन्होंने खेल का स्तर बढ़ाया और मुझे लगातार अच्छा खेल खेलना पड़ा। मुझे लगा कि मैं मैच बहुत जल्दी ख़त्म कर दूंगा, लेकिन मैच में वापसी करने के लिये उनको श्रेय देना होगा। इस हफ्ते की शुरुआत में 600 अंक गिरकर जोकोविच लाइव रैंकिंग चार्ट में मौजूदा यूएस ओपन चैंपियन रूस के डेनियल मेदवेदेव से पीछे दूसरे नंबर पर खिसक गए थे। इटली की राजधानी में सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 360 अंक जोड़कर जोकोविच ने अब शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। शनिवार को जोकोविच नॉर्वे के कैस्पर रूड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में अपनी 1000वीं टूर-स्तरीय जीत तलाश करेंगे।

भारत पहली बार थॉमस कप के फ़ाइनल में

बैंकाक। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने एचएस प्रणय के निर्णायक मुकाबले में शानदार प्रदर्शन की बदौलत डेनमार्क को शुक्रवार को 3-2 से हराकर पहली बार थॉमस कप के फ़ाइनल में प्रवेश करने के साथ ही इतिहास रच दिया। भारतीय टीम इससे पहले 1952, 1955 और 1979 में सेमीफाइनल में पहुंची थी। भारत का खिताब के लिए रविवार को होने वाले फ़ाइनल में इंडोनेशिया से मुकाबला होगा। भारतीय टीम 43 साल के अंतराल के बाद सेमीफाइनल में खेल रही थी। प्रणय ने रेस्मस गेमके के खिलाफ पहला गेम हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए 13-21, 21-9, 21-12 से जीत हासिल की और भारत को फ़ाइनल में पहुंचा दिया।

स्टंप्स से गेंद के टकराने पर बल्लेबाज़ को दिया जाए आउट : चहल

मुम्बई। लेग स्पिनर युज़वेंद्र चहल पूर्व क्रिकेटर और अब कमेंटेटर बन चुके संजय मांजरेकर की इस दलील से पूरी तरह से सहमति रखते हैं कि अग़र गेंद स्टंप्स से टकराती है और गिल्लियों की बत्ती जलती है लेकिन वह गिरती नहीं हैं तब भी बल्लेबाज़ को आउट दिया जाना चाहिए। ऐसी स्थिति दिल्ली कैपटिल्स के ख़िलाफ़ खेले राजस्थान रॉयल्स के पिछले मुक़ाबले में आई थी, जब चहल के पहले ओवर की अंतिम गेंद पर डेविड वॉर्नर लेग ब्रेक से गच्चा खा गए थे और गेंद सीधे स्टंप्स से जा टकराई थी। हालांकि गिल्लियां नहीं गिरी और वॉर्नर ने 52 रनों की पारी खेली। जिस वक़्त यह घटनाक्रम हुआ उस वक़्त वॉर्नर 22 रन के निजी स्कोर पर खेल रहे थे। चहल ने गुरुवार को ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो से इस मसले पर चर्चा करते हुए कहा, चूंकि मेरे साथ ऐसा पहली बार हुआ था इसलिए मैं भी यह देखकर दंग था कि गेंद के स्टंप्स से टकराने के बावजूद गिल्लियां नहीं गिरी। अग़र मैच के नाज़ुक मोड़ पर ऐसी चीज़ें घटित होती हैं वह भी तब जब वॉर्नर जैसा बल्लेबाज़ सामने हो जो कि ख़ुद ज़्यादा मौक़े नहीं देते। अग़र वह आउट होते तो निश्चित तौर पर मैच का नतीजा कुछ और हो सकता था। योजना काम कर गई थी, चहल और संजू सैमसन ने जश्न मनाना भी शुरु कर दिया था लेकिन जल्द ही उन्हें मजबूरन अपना जश्न रोकना पड़ा। मैच के अधिकारी एलईडी स्टंप्स की तकनीक की तीन तरह की स्थिति में मदद लेते हैं, बोल्ड, रन आउट और स्टंप आउट। मौजूदा नियमों के मुताबिक बल्लेबाज़ को आउट करार देने के लिए गिल्लियों का स्टंप्स से गिरना ज़रूरी है। हालांकि एलईडी लाइट्स तभी चमकती हैं जब एक या दोनों बेल्स पर दोनों स्पाईगोट्स खांचे से हट जाते हैं, लेकिन वह वापस स्टंप्स पर बैठ भी सकते हैं। बुधवार को कुछ ऐसा ही हुआ, बायीं गिल्ली स्टंप्स के खांचे से निकल आई, कुछ पल के लिए बत्ती भी जली लेकिन वह वापस बैठ गई। वॉर्नर ने मैच के बाद चुटीले अंदाज़ में कहा कि क़िस्मत उनके साथ थी। उन्होंने कहा, आप ट्रेनिंग के दौरान कठिन परिश्रम करते हैं और आप अपनी क़िस्मत ख़ुद बनाते हैं और आज भाग्य मेरे साथ था। मिचेल मार्श के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, स्पिनर्स तब शिकायत करते हैं जब गेंद स्पिन नहीं करती और वह तब भी शिकायत करते हैं जब गेंद स्पिन नहीं करती।

सियालकोट में पीटीआई की रैली स्थल को खाली कराने पुलिस कार्रवाई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की पुलिस ने सियालकोट में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाले पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की रैली स्थल को खाली कराने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। जियो टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक पीटीआई ने अनुमति के बिना ईसाई समुदाय के स्वामित्व वाले सीटीआई मैदान पर रैली आयोजित की थी जिसकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने इस जगह को खाली कराने की कार्रवाई शुरू की है। इससे पहले सियालकोट जिला प्रशासन ने ईसाई समुदाय द्वारा आपत्ति जताए जाने के बाद रैली आयोजित करने संबंधी पीटीआई के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। जिला प्रशासन के सूत्रों के मुताबिक ईसाई समुदाय ने अपने स्वामित्व वाले स्थान पर रैली आयोजित करने के पीटीआई के आह्वान का विरोध किया था और इसके खिलाफ लाहौर हाईकोर्ट में भी अर्जी पेश की गयी थी। दूसरी तरफ पीटीआई नेता उस्मान डार समेत सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता रैली की तैयारी के लिए मैदान में पहुंचे। इसी दौरान डार और उनके समर्थकों को अन्य कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सियालकोट के उपायुक्त इमरान कुरैशी ने कहा कि ईसाई समुदाय के अनुरोध पर सीटीआई मैदान में पीटीआई की रैली पर रोक लगा दी गयी है तथा प्रशासन पार्टी को रैली के लिए वैकल्पिक जगह देने को तैयार है।

मध्यक्रम अच्छा प्रदर्शन करे तो खुलकर बल्लेबाज़ी कर सकते हैं अय्यर : गावस्कर

एजेंसी

कोलकाता। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान श्रेयस अय्यर अब खुलकर बल्लेबाज़ी कर सकते हैं क्योंकि टीम के मध्यक्रम ने अपना योगदान देना शुरू कर दिया है। आईपीएल के सबसे रोमांचक सीज़न में केकेआर के लिये रिंकू सिंह और नितीश राणा ने रन बनाना शुरू कर दिये हैं। सलामी बल्लेबाज़ वेंकटेश अय्यर ने भी मुंबई इंडियन्स के ख़िलाफ़ पिछले मैच में रन जोड़े थे।

गावस्कर का मानना है कि श्रेयस अय्यर को इसका फायदा उठाकर आज़ादी के साथ बल्लेबाज़ी करनी चाहिये।

स्टार स्पोर्ट्स के क्रिकेट लाइव कार्यक्रम में बात करते हुए गावस्कर ने कहा, श्रेयस अय्यर केकेआर के एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। वे जिस भी टीम के लिये खेले हैं उसके लिये महत्वपूर्ण रहे हैं। यह देखना अच्छा है कि बैटिंग का सारा बोझ श्रेयस के ऊपर नहीं है। नितीश राणा और रिंकू सिंह के हालिया प्रदर्शन को देखते हुए वह आज़ादी के साथ बल्लेबाज़ी कर सकते हैं और बड़े शॉट लगा सकते हैं।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ़ ने कहा कि कोलकाता के कप्तान दबाव झेलना जानते हैं और वह केकेआर को सही दिशा में ले जा सकते हैं।

क्रिकेट लाइव पर बात करते हुए कैफ़ ने कहा, श्रेयस अय्यर उच्च श्रेणी के बल्लेबाज़ हैं।

वह दबाव में खेलना पसंद करते हैं और लगातार रन बनाना जानते हैं। वह लंबी और प्रभावी पारियां खेल सकते हैं। वह एक बेहतरीन कप्तान हैं और अपनी बल्लेबाज़ी से केकेआर को सही दिशा में रख सकते हैं।

कैफ़ ने इस दौरान लेग-स्पिन गेंदबाज़ी के ख़िलाफ़ अय्यर की समस्याओं पर भी बात की।

कैफ़ ने कहा, श्रेयस की एक कमज़ोरी है।

वह लेग-स्पिन को बहुत अच्छा नहीं खेलते और फ्लाइट में फंस जाते हैं। लेग-स्पिन के ख़िलाफ़ एक भारतीय बल्लेबाज़ को लगातार जूझते देखना आश्चर्यजनक है।

इस सीज़न में भी उन्हें कई बार लेग-स्पिनर ने आउट किया है। वह चाहे रवि बिश्नोई हों, राहुल चहर हों या कुलदीप यादव, हर किसी ने उन्हें परेशान किया है लेकिन वह कभी उनके ओवर निकालने के बारे में नहीं सोचते।

इसके बजाय वह बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में अपना विकेट गंवा देते हैं। मेरे हिसाब से उन्हें इस जगह बहुत सुधार करने की ज़रूरत है। इसी समय, श्रेयस के अंदर कई सारी खासियत हैं जो उन्हें एक अच्छा बल्लेबाज़ बनाती हैं।

नि:स्वार्थी होने और ख़राब फ़ॉर्म से जूझने में फ़र्क होता है : बेयरस्टो

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ख़िलाफ़ मैच में आने से पहले जॉनी बेयरस्टो के आईपीएल 2022 के आंकड़े आठ पारियों में 136 रन थे, जबकि उनका स्ट्राइक रेट सिर्फ़ 117.24 का था। इन आंकड़ों को देखकर आपको लग सकता है कि बेयरस्टो के लिए यह टूर्नामेंट शायद ख़राब जा रहा है। लेकिन यह बल्लेबाज़ ख़ुद ऐसा नहीं सोचता।

बेंगलुरु के ख़िलाफ़ मैच में 29 गेंद पर 66 रन की मैच-जिताऊ पारी खेलने वाले बेयरस्टो ने कहा, नि:स्वार्थी होने और ख़राब फ़ॉर्म होने में फ़र्क होता है। मैं इस बात से ख़ुश हूं कि मुझे जो भूमिका दी गई, मैं उस पर टीम के लिए खरा उतरा। पहले मुझे फ़िनिशर बनाया गया और अब मैं टीम के लिए ओपनिंग करके ख़ुश हूं। ऊपर बल्लेबाज़ी करना मुझे हमेशा अच्छा लगता है।

शुक्रवार को जो बेयरस्टो ने किया वह किसी सनसनी से कम नहीं है। उन्होंने पावरप्ले में 59 रन बनाए और बेंगलुरु के मुख्य गेंदबाज़ जॉश हेज़लवुड को निशाना बनाया। बेयरस्टो ने कहा, जब आपको अपने स्लॉट में गेंद मिलती है, तो आपको उसका फ़ायदा उठाना पड़ता है। अगर आप बाउंड्री लाइन पर कैच आउट होते हैं या फिर बाहरी किनारा देकर पवेलियन लौटते हैं, तो भी कोई बात नहीं। अगर आपका अच्छा दिन होता है, तो ख़राब दिन भी होता है। आज अच्छा दिन था और मुझे ख़ुशी है कि हम पावरप्ले का फ़ायदा उठा पाए।

उन्होंने आगे कहा, टूर्नामेंट में हमारी आगे बढ़ने की प्रक्रिया अलग है। भले ही हमारे विकेट लगातार गुच्छों में गिर रहे हों, लेकिन हम हमेशा आक्रमण के लिए जाते हैं। ऐसा हमेशा नहीं हो पाता है, लेकिन टूर्नामेंट के एक बड़े हिस्से के दौरान हमने ऐसा करने की कोशिश की है। अगर कोई एक या दो बल्लेबाज़ भी चल जाता है तो हमारी पारी बड़ी हो जाती है।

बेयरस्टो के हमवतन और पंजाब के साथी बल्लेबाज़ लियाम लिविंगस्टन भी इससे सहमत नज़र आते हैं। शुक्रवार को उन्होंने भी 42 गेंदों में 70 रन बनाए। लिविंगस्टन ने कहा, हम इसी तरह की क्रिकेट खेलना चाहते हैं। जॉनी शानदार फ़ॉर्म में थे और उन्होंने हमारे लिए पारी का टोन सेट किया। उन्होंने विपक्षी टीम के सबसे प्रमुख गेंदबाज़ हेज़लवुड पर निशाना साधा। इससे हमें भी अपने हाथ आज़ादी से खोलने के मौक़े मिले।

रायुडू ने पहले की संन्यास की घोषणा, फिर किया ट्वीट डिलीट

मुम्बई। शनिवार को ट्वीटर पर चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज़ अंबाती रायुडू ने पहले आईपीएल करियर से संन्यास की घोषणा की और फिर उस ट्वीट को डिलीट कर दिया। ट्वीट में रायुडू ने कहा था कि यह उनका आख़िरी आईपीएल सीज़न होगा और वह लीग के बचे दो मैचों को खेल आईपीएल से विदाई लेंगे। उस ट्वीट में रायुडू ने लिखा था, मैं इस बात की घोषणा कर के ख़ुश हूं कि यह मेरा आख़िरी आईपीएल होगा। दो टीमों के साथ 13 साल गुज़ारना काफी अच्छा था। मैं इस बेहतरीन यात्रा के लिए मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स को धन्यवाद देना चाहूंगा। हालांकि 30 मिनट के भीतर ही इस ट्वीट को डिलीट कर दिया गया। ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो को पचा चला है कि चेन्नई सुपर किंग्स प्रबंधन ने इस बारे में रायुडू से बात की, इसके बाद उन्होंने ट्वीट को डिलीट किया। तब तक कई पूर्व खिलाड़ी उनके लिए शुभकामना संदेश लिख चुके थे। इरफ़ान पठान ने लिखा कि वह हमेशा से रायुडू के बल्लेबाज़ी और मैदान में उनकी ऊर्जा के प्रशंसक रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब रायुडू ने संन्यास की घोषणा की है।

क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं पूजा रानी, राउंड 16 में हारी लवलीना

नयी दिल्ली। दो बार की एशियाई चैम्पियन भारत की पूजा रानी ने तुर्की के शहर इस्तांबुल में जारी आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के 12वें संस्करण में शुक्रवार को एकतरफा जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन (70 किग्रा) का सफर हालांकि प्री-क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया।

पूजा ने जहां 81 किग्रा भार वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल मैच में हंगरी की तिमिया नागी को 5-0 से हराया वहीं लवलीना को फेयर चांस टीम की सिंडी नगाम्बा के हाथों 1-4 से अप्रत्याशित हार मिली। इस चैम्पियनशिप में इस साल भारत की पहली हार है।

पूजा ने अपने स्वभाव के अनूरूप सावधान शुरुआत की और सही मौकों पर सटीक मुक्के लगाते हुए पहले राउंड में सभी जजों को प्रभावित किया। दूसरे राउंड में भी पूजा ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और एक बार फिर पूरे अंकों के साथ आगे आई।

पूजा सोमवार को क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की जेसिका बागले से भिड़ेंगी, जो बाई हासिल करके पहले ही अंतिम-8 में पहुंच गई हैं। यह मुकाबला जीतकर पूजा देश के लिए कम से कम कांस्य पदक पक्का कर सकती हैं।

इससे पहले, लवलीना पहले राउंड में लगातार रिंग में घूमती नजर आईं और इस दौरान कुछ सटीक पंच मारे। वह बाउट की गति तय करती नजर आ रहीं थी और अपनी लंबी पहुंच का बुद्धिमानी से उपयोग कर रही थीं लेकिन बावजूद इसके नगाम्बा ने इस राउंड में बाजी मार ली।

दूसरे राउंड में भी नगाम्बा ने बीते सोमवार को पहले दौर में पूर्व विश्व चैंपियन चेन निएन-चिन को हराने वाली लवलीना को हावी नहीं होने दिया और एक बार फिर जजों को प्रभावित करने में सफल रहीं। लवलीना ने तीसरे राउंड में वापसी की पुरजोर कोशिश की लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।

शनिवार को भारत के दो मुकाबले होने हैं। 2017 विश्व युवा चैंपियन नीतू (48 किग्रा) और 2019 एशियाई चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता मनीषा (57 किग्रा) इस दिन अपने-अपने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेलेंगी। क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए नीतू का सामना स्पेन की लोपेज डेल अर्बोल से जबकि मनीषा का सामना बुल्गारिया की स्वेतलाना स्टेनेवा से होगा।

श्रीलंका संकट : कर्फ्यू में 12 घंटे की ढील, नई कैबिनेट बनाएंगे विक्रमसिंघे

कोलंबो। दिवालिया होने के कगार पर खड़ा श्रीलंका इस वक्त सबसे खराब आर्थिक संकट के साथ राजनीतिक मंथन से भी गुजर रहा है। 22 मिलियन की आबादी वाला राष्ट्र इस वक्त भोजन और ईंधन की कमी, बढ़ती महंगाई और बिजली कटौती का सामना कर रहा है। जिससे बड़ी संख्या में नागरिक प्रभावित हो रहे हैं। महिंदा राजपक्षे के प्रधान मंत्री पद से हटने के बाद भी दक्षिण एशियाई देश हिंसा और विरोध से घिरा हुआ है। रानिल विक्रमसिंघे पांचवीं बार देश के प्रधान मंत्री बने हैं। देश की बागडोर संभालते ही विक्रमसिंघे ने देशव्यापी कर्फ्यू में 12 घंटे की ढील दी है। साथ ही वे जल्द ही नई कैबिनेट बना सकते हैं।

श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के नए मंत्रिमंडल के गठन की मांग के बीच शनिवार को देशव्यापी कर्फ्यू में 12 घंटे की ढील दी गई है। सरकार ने शनिवार सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक कर्फ्यू हटा लिया है। इससे पहले भी आवश्यक आपूर्ति की खरीद की अनुमति देने के लिए गुरुवार और शुक्रवार को कुछ घंटों के लिए हटा दिया गया था।

समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार श्रीलंका में अधिकांश विपक्षी दलों ने घोषणा की कि वे रानिल विक्रमसिंघे के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार में शामिल नहीं होंगे। हालांकि, वे कर्ज में डूबे देश की जल्द वसूली में मदद करने के लिए बाहर से उनकी आर्थिक नीतियों का समर्थन करने के लिए सहमत हो गए हैं।

समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, एक वकील ने श्रीलंका की एक अदालत का रुख किया है, जिसमें सीआईडी से पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे सहित सात लोगों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की गई है। याचिका में आरोप है कि राजपक्षे के समर्थकों ने उनके कहने पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले लोगों पर हमला किया। साथ ही राजपक्षे पर हमले के लिए उकसाने की साजिश करने का भी आरोप है। इस बीच प्रदर्शनकारियों ने इस सप्ताह के शुरू में हमले के लिए उकसाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की है। श्रीलंका के प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी है कि देश में आर्थिक संकट बेहतर होने से पहले और भी खराब होने वाला है। भारत जो कर्ज में डूबे देश को समर्थन दे रहा है, ने कहा कि नए पीएम के पदभार संभालने के तुरंत बाद उसे देश में राजनीतिक स्थिरता की उम्मीद है। विक्रमसिंघे ने अपने देश को भारतीय आर्थिक सहायता का जिक्र करते हुए गुरुवार को कहा, मैं एक करीबी रिश्ता चाहता हूं और मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूं।

रानिल विक्रमसिंघे इस महीने करेंगे भारत का दौरा

कोलंबो/नयी दिल्ली। श्रीलंका के नवनियुक्त प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के इस महीने भारत आने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की उम्मीद है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। 'न्यूज कटर' ने श्रीलंका के प्रधानमंत्री के करीबी सूत्र के हवाले से कहा, इस यात्रा के दौरान श्री विक्रमसिंघे के भारतीय प्रधानमंत्री और अन्य उच्च स्तरीय गणमान्य लोगों से भी मिलने की उम्मीद है। दोनों नेताओं के बीच मुलाकात में अभूतपूर्व आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका को वित्तीय सहायता के संबंध में चर्चा होगी। भारत द्वारा जून में श्रीलंका को एक और 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट ट्रांसफर करने की भी उम्मीद है। इसका उपयोग आवश्यक ईंधन और आवश्यक वस्तुओं की खरीद के लिए किया जाएगा। शुक्रवार को भारतीय उच्चायुक्त गोपाल बागले ने नए प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे से मुलाकात की थी, जिस दौरान दोनों पक्षों ने चर्चा की।

क्वाड ग्रुप में नहीं शामिल होगा दक्षिण कोरिया, अमेरिका ने दिए संकेत!

एजेंसी

नई दिल्ली। यून सुक-योल दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति पद बने हैं। राष्ट्रपति चुने जाने के बाद से यून ने कई मौकों पर क्वाड ग्रुप (अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत) से जुड़ने की इच्छा जताई है। तो क्या टोक्यो में होने वाले क्वाड ग्रुप में दक्षिण कोरिया को सदस्यता मिल सकती है? आइए समझने की कोशिश करते हैं।

ट्रिब्यून अखबार ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि 2022 में टोक्यो में होने वाले क्वाड शिखर समेलन में दक्षिण कोरिया को पांचवें सदस्य के रूप में नामांकित करने की संभावना नहीं है। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक-योल ने क्वाड से जुड़ने में रुचि व्यक्त की है लेकिन क्वाड ग्रुप की तत्काल प्राथमिकता भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका की प्राथमिकताओं को लेकर हैं।

दक्षिण कोरिया के क्वाड में शामिल होने को लेकर चर्चा इसलिए भी हो रही है कि क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लेने से ठीक पहले दक्षिण कोरिया के दौरे पर जाने वाले हैं। हालंकि हाल ही में वाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी जेन साकी ने कहा था कि हम कई तरह से दक्षिण कोरिया से जुड़े हुए हैं। दोनों देशों के बीच अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण साझेदारी, संबंध है लेकिन क्वाड, क्वाड ही रहेगा।

क्या क्वाड में नहीं शामिल होगा दक्षिण कोरिया?

रिपोर्ट्स बताती हैं कि न्यूजीलैंड, विएतनाम और दक्षिण कोरिया जैसे देश क्वाड में शामिल होना चाहते हैं। इतना ही नहीं क्वाड प्लस की मीटिंग में ब्राजील और इजरायल जैसे देश भी शामिल रहे हैं।

ऐसे में एक्सपर्ट्स इस बात से इनकार नहीं करते हैं कि भविष्य में क्वाड ग्रुप में और देश शामिल हो सकते हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि दक्षिण कोरिया को जल्द ही क्वाड ग्रुप का आब्जर्वर मेंबर बनाया जा सकता है और आब्जर्वर मेंबर बनने के कुछ सालों के बाद दक्षिण कोरिया क्वाड ग्रुप का सदस्य बन सकता है।

क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बने यूएई के राष्ट्रपति

अबू धाबी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की संघीय सर्वोच्च परिषद ने शनिवार को क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान को नये राष्ट्रपति के रूप में चुना। प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने नये राष्ट्रपति को बधाई दी। राष्ट्रपति मामलों के मंत्रालय ने कहा कि शुक्रवार को श्री शेख खलीफा बिन जायद अल नाह्यान का निधन हो गया। वह तीन नवंबर 2004 से देश के राष्ट्रपति थे। संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति मामलों के मंत्रालय ने उनके निधन पर दुख व्यक्त करते हुए देश में 40 दिनों के शोक की घोषणा की है। इसके अलावा सभी मंत्रालयों और प्राइवेट सेक्टर में तीन दिन तक कामकाज बंद रहेगा।

'रूस के साथ वर्षांत तक समाप्त हो जायेगा युद्ध'

कीव। यूक्रेन ने दावा किया है कि रूस के खिलाफ उसका युद्ध अगस्त के मध्य तक एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंचेगा और वर्षांत तक तक समाप्त हो जायेगा। 'स्काई न्यूज' ने यूक्रेन के सैन्य खुफिया प्रमुख मेजर जनरल कायरलो बुडानोव के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह बात कही है। रिपार्ट में यह भी दावा किया गया है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कैंसर की बीमारी से ग्रसित हैं और उनके तख्तापलट की पहले से कोशिश जारी है। जनरल बुडानोव ने कहा कि युद्ध की समाप्ति के बाद डोनबास और क्रीमिया सहित अपने सभी क्षेत्रों में यूक्रेनी शक्ति को 'पुनर्जीवित' करेंगे। उन्होंने कहा, हम अपने दुश्मन के बारे में सब कुछ जानते हैं। उन्होंने कहा कि यूरोप, रूस को एक बड़े खतरे के रूप में देखता है। रूस की ताकत के संदर्भ में उन्होंने कहा, हम आठ साल से रूस से लड़ रहे हैं और हम कह सकते हैं कि यह अत्यधिक प्रचारित रूसी शक्ति केवल एक मिथक है। वह इतना शक्तिशाली नहीं है बल्कि हथियारों के साथ लोगों की भीड़ मात्र है।

विक्रमसिंघे ने विपक्ष से मांगा सहयोग

कोलंबो। श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने शनिवार को विपक्षी दल समागी जाना बालवेगया (एसजेबी) से देश की संकटग्रस्त अर्थव्यवस्था के समाधान में नयी सरकार के साथ सहयोग करने की अपील की। समाचार पत्र 'डेली मिरर' की रिपोर्ट के मुताबिक श्री विक्रमसिंघे ने विपक्षी नेता साजिथ प्रेमदासा को लिखे एक पत्र में देश की ज्वलंत मुद्दों को तुरंत हल करने के लिए उनके द्वारा उठाए गये कदमों का समर्थन करने और विदेशी सहायता प्राप्त करके देश को आर्थिक, राजनीतिक तथा सामाजिक रूप से स्थिर करने के लिए साथ देने का आग्रह किया है। श्री विक्रमसिंघे ने देश की घोर संकट की स्थिति पर श्री प्रेमदासा से सकारात्मक और त्वरित प्रतिक्रिया की भी मांग की है गौरतलब है कि श्रीलंका इस समय अपने सबसे खराब आर्थिक और ऊर्जा संकट के दौर से गुजर रहा है।

ट्विटर के साथ सौदा होल्ड पर : मस्क

वाशिंगटन। टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलोन मस्क के ट्विटर के साथ सौदा होल्ड रखे जाने संबंधी ट्वीट के बाद अब यह अटकलें तेज हो गयी है कि क्या उनका 44 अरब डॉलर की यह डील पूरी हो सकेगी। इससे पहले श्री मस्क ने पिछले महीने ट्विटर को खरीदने के लिए 44 अरब डॉलर के सौदे की घोषणा की थी। मस्क ने शुक्रवार को अपने ट्वीट में कहा, ट्विटर ने अस्थायी रूप से लंबित डिटेल्स को होल्ड पर रखा है जो उस गणना का समर्थन करता है कि स्पैम/फर्जी खाते वास्तव में पांच फीसदी से कम उपयोगकर्ता का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने हालांकि बाद में यह भी कहा कि वह ट्विटर के अधिग्रहण के लिए अभी भी प्रतिबद्ध हैं। इस ट्वीट के सामने आने के बाद ट्विटर के शेयर बाजार में 10 प्रतिशत से अधिक गिर गए, जो 54.20 डॉलर प्रति शेयर के नाममात्र अधिग्रहण मूल्य से 14 अंक नीचे है। श्री मस्क ने शनिवार को कहा, उनकी टीम ट्विटर के 100 फॉलोवर्स के क्रियाकलाप का अवलोकन करेगी। मैं अन्य लोगों से भी इसके लिए अपील करता हूं और देखना चाहता हूं कि उनका आकलन क्या होता है। वैसे मुझे ट्विटर की सार्वजनिक फाइलिंग की सटीकता पर भरोसा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं, ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11, ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं?

क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं? या अपने पुराने आशियाने को ही नई रंगत देकर नया लुक देना चाहते हैं? यदि हां, तो आपकी घर की दीवारों को पेंट करवाने से पहले ये जरूर जान लीजिए कि किन रंगों से महकेगा आपका आशियाना। घर की साज-सज्जा एवं रंग-रोगन के लिए दिशा के अनुसार चुनें इन 5 समृद्धिदायक रंगों को, और पाएं वर्ष भर खुशहाली व सुख-समृद्धि। जानें कैसे करें रंगों का चुनाव...

हिन्दू धर्म के सबसे बड़े त्योहार दीपावली के लिए कई दिन पहले से घर में साफ-सफाई और रंग-रोगन का दौर शुरू हो जाता है। घर में सुख शांति और प्रसन्नता का वातावरण बना रहे इसलिए कई लोग घर की साज-सज्जा व रंगाई के लिए वास्तु और फेंगशुई के टिप्स भी आजमाते हैं।

- घर का बैठक कक्ष सबसे अहम होता है, इसलिए यहां की दीवारों पर विशेष तौर पर ध्यान देने की जरूरत होती है। यहां पर भूरा, गुलाबी, सफेद या क्रीम कलर सबसे अच्छा माना जाता है। यहां पर इन रंगों के परदे या तकिए कवर का इस्तेमाल भी शुभ फल देता है।
- भोजन कक्ष को रंगवाते समय आसमानी, हल्का हरा व गुलाबी रंग करवा सकते हैं। इससे हमेशा ऊर्जा व ताजगी का संचार होता है और सकारात्मकता बनी रहती है।
- रसोई घर में सफेद रंग हमेशा अच्छा माना जाता है। हांलांकि यह गंदा भी बहुत जल्दी होता है, लेकिन अगर आप नियमित तौर पर सफाई बनाएं रखें तो यह बहुत ही सकारात्मक प्रभाव छोड़ता है।
- बाथरूम या शौचालय के लिए हल्का गुलाबी या फिर सफेद रंग ही सबसे बेहतर होते हैं। खास तौर से बाथरूम में गुलाबी रंग का प्रयोग ताजगी बनाए रखता है और आप आंतरिक खुशी महसूस करते हैं।
- शयन कक्ष भी काफी महत्वपूर्ण होता है, यहां पर भी आप हल्का हरा, आसमानी, गुलाबी जैसे रंगों को इस्तेमाल कर सकते हैं, जिन्हें देखकर मन हमेशा प्रसन्न रहे। इससे आपके रिश्तों में भी मधुरता आती है।
- पीला रंग सुकून व रोशनी देने वाला रंग होता है। घर के ड्राइंग रूम, ऑफिस आदि की दीवारों पर यदि आप पीला रंग करवाते हैं तो वास्तु के अनुसार यह शुभ होता है।
- अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए आपको अपने कमरे की उत्तरी दीवार पर हरा रंग करना चाहिए।
- आसमानी रंग जल तत्व को इंगित करता है। घर की उत्तरी दीवार को इस रंग से रंगवाना चाहिए।
- घर के खिड़की दरवाजे हमेशा गहरे रंगों से रंगवाएं। बेहतर होगा कि आप इन्हें डार्क ब्राउन रंग से रंगवाएं ।
- जहां तक संभव हो सके घर को रंगवाने हेतु हमेशा हल्के रंगों का प्रयोग करें।

क्या है बच्चों की मालिश का परफेक्ट तरीका

कोरोनाकाल में घर से लेकर ऑफिस तक के काम का दबाव बढ़ गया है। ऐसे में रात में बच्चों को सुलाने में मशक्कत करनी पड़े तो मन में खीज पैदा होना लाजिमी है। अगर काफी देर तक घुमाने-टहलाने और लोरी सुनाने के बाद भी आपके लाडले की आंखों में नींद नहीं भरती तो परेशान मत होइए। लंदन के मशहूर मसाज विशेषज्ञ ने मालिश की ऐसी विधि सुझाई है, जिससे आपका बच्चा मिनटों में नींद के आगोश में चला जाएगा।

मां-बाप की मशक्कत

- मां-बाप को बच्चे के जन्म के शुरुआती एक साल में 04 घंटे 44 मिनट की औसत नींद मिलती है
- 50 रातों की नींद गंवाने के बराबर है यह आंकड़ा, स्वस्थ वयस्कों को आठ घंटे रोजाना सोना चाहिए
- 54 मिनट औसतन रोजाना बच्चे को सुलाने में लगते हैं, तीन बार औसतन रात में उठता है बच्चा
- 02 मील रोजाना चलना-फिरना होता है मां-बाप का बच्चे को बहलाने, फुसलाने, सुलाने की प्रक्रिया में।

पूरे शरीर में लगाएं तेल

- सरसों, नारियल या जैतून का तेल लें, सिर से लेकर पांव तक हल्के हाथों से हर एक अंग में लगाएं
- अब ऊपर से नीचे की तरफ धीमी गति से हाथ फिराते हुए 10 से 15 मिनट तक बच्चे की मालिश करें

बातों में उलझाए रखें

- साज करते समय चेहरे पर मुस्कराहट जरूर बनाए रखें
- बच्चे से धीमे स्वर और तुतलाती भाषा में प्यार-भरी बातें करें
- तेज मालिश करने से बचें, बच्चा रोए तो उस पर चिल्लाएं नहीं

खास जगहों पर मसाज जरूरी

- नाक का ऊपरी हिस्सा - दोनों भौहों के बीच नाक के शुरुआती हिस्से पर अंगूठे और तर्जनी उंगली से हल्की मालिश करें। बच्चे का मन शांत करने में मदद मिलती है।
- हथेली - दोनों हथेलियों पर धीमे-धीमे से हाथ फिराएं। पांचों उंगलियों के बीच के स्थान पर कम से कम 30 सेकेंड तक हल्की मसाज दें। दांत दर्द की समस्या दूर होगी।
- पेट - दर्द, गैस, कब्ज की समस्या से राहत दिलाने और पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए पेट पर बाईं से दाईं ओर गोलाई में हल्के हाथ से पांच मिनट तक मसाज करें।
- पंजे - अंत में बच्चे के दोनों पैरों के पंजे अपने हाथों में लें। अब पंजे के बीच के हिस्से को अंगुठे से 10 से 15 सेकेंड के लिए दबाएं। उसका मस्तिष्क पूरी तरह से शांत हो जाएगा।

मन शांत करने में मददगार

- हल्के हाथों की मालिश लव हार्मोन 'ऑक्सिटोसिन' का स्तर बढ़ाने के साथ ही स्ट्रेस हार्मोन 'कॉर्टिसोल' का उत्पादन घटाने में कारगर
- इससे बच्चे के मस्तिष्क में मौजूद अतिरिक्त ऊर्जा के शांत पड़ने से तन-मन को सुकून महसूस होता है, शरीर में सुस्ती भी छाती है

गुनगुना दूध पिलाना भी फायदेमंद

- सोने-जगने का समय तय करें, उसे रोज अमल में भी लाएं
- रात में बिस्तर पर आने के बाद बच्चे को गुनगुना दूध पिलाएं
- कमरा हल्का ठंडा रखें, मुलायम गद्दे पर सुलाएं, लोरी सुनाएं

...तो रिश्ता हो जाएगा मजबूत

दुनिया में रिश्ते के बिना प्यार का अहसास ही नहीं हो सकता। रिश्ता चाहे कोई भी हो खास होता है। इसे निभाने के लिए शुरुआत भी अलग तरीके की होना चाहिए। फिर चाहे वो दोस्ती हो या फिर रिश्तेदारी।

खुशियों का अहसास अपनो से ही होता है। इसे हमेशा के लिए गहरा करने के लिए कुछ खास बातों की तरफ ध्यान देना बहुत जरूरी है ताकि आने वाला हर पल हसीन रहे। अगर किसी कारण रिश्तों में गलतफहमियां आ भी जाए तो एक दूसरे पर यकीन इतना गहरा हो कि कोई दूसरा आपमें अपनी जगह बना न सके। लेकिन इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना भी बहुत जरूरी है ताकि प्यार से संजो कर रखा गया यह रिश्ता जिंदगी की जरूरत बन जाए।

एक दूसरे को जानना जरूरी

आप किसी से प्यार करते हैं तो इसके लिए एक बात को जान लेना बहुत जरूरी है आपको उसकी आदतों के बारे में जानना होगा। इससे आप खुद को और अपने बढ़ते रिलेशनशिप को कुछ समय दे पाएंगे। जो भविष्य में आपके लिए परेशानी नहीं बनेगा।

रिलेशनशिप से बनें पहचान

दोस्ती को आगे बढ़ाने के लिए कुछ बातों को समझना बहुत जरूरी है। जैसे दोस्ती इस तरह की हो जो आपकी पहचान बनें। इस बात का ध्यान रखें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि आप दोस्ती में खोते जा रहे हैं। यह बदलाव आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

कभी शक भी जायज

जहां यकीन है वहां शक होना भी कभी कभी जायज होता है। पार्टनर पर जरूरत से भी ज्यादा यकीन कर लेने से भी कई बार रिश्ता खराब होने का डर रहता है। थोड़ा बहुत शक करना या फिर पजेसिव होने से पार्टनर को भी पता चलता है कि आप उनके लिए कितने जरूरी हैं।

एक-दूसरे को दें वक्त

एक-दूसरे के साथ समय बिता कर उसके बारे में बहुत कुछ जानने को मिलता है। कई बार ज्यादा देर तक बनाई गई दूरी भी रिश्ते में खट्टास पैदा कर सकती है। ऐसे में समय की कमी के कारण अगर पार्टनर के साथ नराजगी है तो एक-दूसरे को समय जरूर दें। कहीं न कहीं आपके रिश्ते में मजबूती आनी शुरू हो जाएगी। कोशिश करें एक- दूसरे के साथ समय बिताएं।

बढ़ते बचपन के साथ व्यावहारिक समझ विकसित करती हैं बेटियां

बेटियां कैसे अपने बढ़ते बचपन के साथ-साथ घर की जिम्मेदारियों और व्यावहारिक समझ को विकसित करती हैं, इसका प्रत्यक्ष उदाहण है एक पिता के द्वारा लिखा गया ये लेख।

सिर्फ ग्यारह साल की है मेरी बिटिया। पांचवी में पढ़ती है। यूनिटरी फैमिली में एक बच्चे को क्या-क्या झेलना पड़ता है, इसका ज्वलंत उदाहरण है वह। मैं और मेरी पत्नी दोनों ही कामकाजी हैं। हमने खुद से जद्दोजहद करते, बिना किसी के सपोर्ट के जीवन जीना सीखा है और परिवार के बुजुर्गों की परवरिश से दूर मेरी बेटी ने भी खुद ही सबकुछ सीख लिया। जब वह डेढ़ साल की थी, तभी से मछली का कांटा निकाल कर खुद खाती थी। हम कामकाज में व्यस्त रहते और वह कांटा निकालने की तरकीब ढूंढ़ती रहती। यह उसने अंतत: सीख ही लिया। किसी दिन उसकी मां को एक्जाम ड्यूटी के लिए रविवार के दिन सुबह आठ बजे ही निकलना होता। कभी-कभी मुझे भी कालेज में कक्षाएं लेने पत्नी के साथ ही आठ बजे निकलना होता है। उस वक्त बेटी की आंखों में यह सवाल होता है कि तुम दोनों शाम तक लौटोगे, तो मैं दिनभर क्या करूंगी, अकेली कैसे रहूंगी। पर वह बोलती कुछ नहीं। उसकी आंखों में हठात एक सूनापन सा आता है और आकर चला जाता है। वह तपाक से कहती है। तुमलोग जाओ। दरवाजे में बाहर से ताला लगा देना। मैं अंदर से कुंडी बंद कर दूंगी और टीवी देखती रहूंगी। ऐसा कई बार हुआ है कि हम दोनों आठ-दस घंटे बाहर होते हैं और बेटी ने दिनभर टीवी देखते हुए, बाहर से ताला लगे बंद कमरे में खुद को अकेली बिताया है। जाते वक्त हम उसका खाना, बिस्किट वगैरह रख देते हैं। हिदायत देते हैं- बेटा आग के पास मत जाना, गैस मत खोलना। बिजली कट जाये, तो बिजली आने का इंतजार करना-माचिस मत जलाना। बेटी ठीक वैसा ही करती है। आज तक उसने वैसा ही किया है। यह सिलसिला पिछले चार-पांच सालों से चल रहा है। जब वह पांच-छह साल की थी, तब से। हम दिनभर अपने काम के साथ बेटी की चिंताओं में घुलते रहते हैं कि पता नहीं वह कैसी होगी। शाम को जब दरवाजे का ताला आकर खोलते हैं, तो कभी वह अपना होंमवर्क कर रही होती है। उसने घर के अंदर, बंद ताले में खुद को सेफ रखने के लिए सभी उपाय सीख लिए हैं। जैसे ही वह बाहर कोई आहट सुनती है, टीवी धीमा कर देती है। कोई आवाज नहीं निकालती। वह धीरे-धीरे बड़ी हो रही है। फिजिकली। मेंटली वह समय से पहले ही बड़ी हो गयी है। यह सब उसे कुछ हमने सिखाया है, तो कुछ परिस्थितियों ने। अपनी कई मुश्किलें वह अपनी मां के साथ शेयर करती है, तो लगता है कि इसने अपना बचपना थोड़ा खोया, थोड़ा झटका है। महज ग्यारह साल की उम्र में उसे परिस्थितियों ने परिपक्व बना दिया है। पर, वह अकेली बिटिया है। उसे जीना इसी समाज में है।

वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों को इस तरह से करें टिमअप और रखें वॉर्डरोब को अपडेट

हमसे से अधिकतर लोग ऐसे हैं, जो समय की कमी के कारण अपने वॉर्डरोब पर ध्यान नहीं दें पाते। जिसके कारण वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों का ढ़ेर लग जाता है। वक्त है, कोरोना काल का जिसमें सोशल डिस्टेंसिग का हम सभी पालन कर रहे है। जिस वजह से हम अपना ज्यादातर समय घर पर ही बिता रहे है। तो क्यों न इस समय का सही इस्तेमाल करते हुए अपने वॉर्डरोब को अपडेट किया जाएं। आइए जानते कुछ टिप्स-

- डार्क कलर के 1-2 पैंट्स अगर आपके वॉर्डरोब में हैं, तो नए लुक के लिए कुछ कलरफुल शॉर्ट कुर्ते खरीदें। कलमकारी, इकत या लखनवी चिकन के शॉर्ट कुर्ते अच्छे लगते है। साथ ही रूटीन में पहनें जानेवाले टॉप और पैंट स्टाइल को भी ब्रेक मिलता है।
- प्लेन टाइट टीशर्ट यदि आपके वॉर्डरोब में है तो इसको आप कलरफुल धोती पैंट के साथ आप टीमअप कर सकते है।
- यदि वॉर्डरोब में पुरानी प्रिटेंड सलवारों ने काफी जगह घेर रखी है, तो इनके उपर पहनने के लिए 1 से 2 कुर्ती खरीदें।
- यदि पेन्सिल जींस आपके पास हैंतो 1 से 2 फ्लोरल लॉन्ग लाइन शर्ट खरीदें।
- पुराने शॉटर्स अलनारी में है तो फिल नेक ब्लाउज टॉप या कॉन्ट्रास्ट बाइंजिंग नॉट टॉप खरीदें। नया टॉप पहनने पर पुराने शॉटर्स भी नए लुक में नजर आते है।
- अगर आपके पास कलरफुल लॉन्ग स्कर्ट है, तो उसके साथ शॉर्ट कुर्ती, टीशर्ट या लॉन्ग कुर्ते भी पहने जा सकते है।
- ए लाइन फुल लेंथ स्कर्ट पहले से है, तो उसके साथ लॉन्ग कुर्ते पहनें, हील्स पहनें। इससे हाइट अच्छी दिखगी।
- शॉर्ट स्कर्ट के साथ जैगिंग्स पहनना ट्रेंडी लुक देगा। साथ में एक्सेसरी के तौर पर स्कार्फ भी लें।

वॉर्डरोब में इन बातों का रखें ख्याल

- पैंट, जींस के लिए मल्टीपर्पस 5 लेअर हैंगर का इस्तेमाल करें। यह वॉर्डरोब की जगब को कम घेरेगा और वॉर्डरोब संवरा दिखेगा।
- सॉक्स और अंडरगारमेंट्स आर्गेनाइजर भी वॉर्डरोब को क्लीन लुक देते हैं। इसमें ब्रा का ळभी सेक्शन होना चाहिए। सिंगल पैडेड ब्रा, स्पोस्टर्स, ब्रा, टीशर्ट ब्रा, रेगलुर यूज के लिए 5 से 6 अलग-अलग ब्रा रखें। आयरन की हुई शर्ट या कुर्ते हैंगर में लटकाने से अगर जगह ज्यादा घिरती है, तो उसके लिए शर्ट ऑर्गनाइजर अच्छा रहेगा।
- होम स्ट्रेप हैगिंग ज्वेलरी ऑर्गेनाइजर वॉर्डरोब के अंदर की ओर किसी हुक पर लगाएं। इस पर अपनी चंकी ज्वेलरी, ब्रेसलेट, नेक पीस जैसी चीजें टांग सकती हैं, जिससे जरूरत के समय सामने नजर आए।